हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 13 अप्रैल, 2025

तेंदूपत्ता बोनस भ्रष्टाचार की रकम बंटी थी नेता-पत्रकार और अफसरों में, कुंजाम हुए मैनेज

खास बातें

- चार सदस्यीय जांच समिति ने आईएफएस की संदिग्ध भूमिका के चलते उच्च स्तरीय जांच की सिफारिश की
- कई प्रबंधकों ने डीएफओ को राशि देने का बयान जांच समिति को दिए, कुंजाम को भी राशि देने का दिया बयान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

हरिभूमि फॉलोअप

तेन्दूपत्ता बोनस में करोड़ों के गबन और रैकेट बनाकर लूट का मामला सुर्खियों में है। एसीबी और ईओडब्ल्यू ने सुकमा के डीएफओ अशोक पटेल समेत कई प्रबंधकों और वन विभाग के अधिकारियों के यहां छापेमारी की है। जिसमें एक कर्मचारी के यहां 26 लाख नगद बरामद भी किया किए गए हैं। पूर्व विधायक मनीष कुंजाम के यहां भी छापा मारा गया। छापे के बाद श्री कुंजाम ने आरोप लगाया कि ▶▶|शेष पेज 6 पर

डीएफओ सुकमा को मिले 84 लाख

जांच दल के अध्यक्ष डीएफओ उत्तम कुमार गुप्ता ने फरवरी में प्रारंभिक और मार्च में फाइनल रिपोर्ट सीसीएफ के पास जमा की, जिसमें सुकमा डीएफओ के अखिल भारतीय वन सेवा संवर्ग के अधिकारी होने के कारण राज्य मुख्यालय स्तर पर उच्च स्तरीय समिति गठित कर जांच करने की उन्होंने सिफारिश की है। जांच ▶▶|शेष पेज 6 पर

ईओडब्ल्यू-एसीबी की पड़ताल, एक साल के बोनस के करोड़ों रुपए की बंदरबांट

तेंदूपत्ता बोनस में गोलमाल पूर्व विधायक समेत अफसरों के दर्जनभर ठिकानों पर छापे

कई अहम साक्ष्य मिलने का दावा

आनन फानन में कुछ संग्राहकों को बांटी गई नगद राशि

छापे के बाद कुंजाम ने सरकार पर लगाए आरोप

सुकमा जिले के कोंटा, दोरनापाल और सुकमा में 2 दिन तक एसीबी और ईओडब्ल्यू ने छापे मारे। पूर्व विधायक मनीष कुंजाम के सुकमा और रामाराम निवास में भी छापा मारकर 2 मोबाईल और निजी डायरी ले गए। इस पर मनीष कुंजाम ने ▶▶|शेष पेज 6 पर

कुंजाम पर भी आरोप

वहीं डीएफओ के कहने पर नेताओं और पत्रकारों को मैनेज करने के लिए राशि देने की बात बयान में आई है। इसमें कुछ प्रबंधकों ने शिकायतकर्ता पूर्व विधायक मनीष कुंजाम को ▶▶|शेष पेज 6 पर

नक्सल हिंसा से मुक्ति निवेश की युक्ति में दिख रही विष्णु की सृजनात्मक शक्ति

विशेष टिप्पणी

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

जीवन में सपने तो सभी देखते हैं, लेकिन उनके साकार होने का सुख बिरलों को ही हासिल होता है। छत्तीसगढ़ की मौजूदा पीढ़ी उन भाग्यशाली लोगों की जमात में शामिल होने की ओर अग्रसर है जिन्होंने सुखी और समृद्ध राज्य का सपना अर्से से देखा हुआ था। चार दशक से अधिक समय से नक्सली आतंक का नासूर और जमीन में गड़ी संपदा के बेतहाशा दोहन की चीत्कार ही तो छत्तीसगढ़ की पहचान गठन के समय से बनी हुई थी। लेकिन, अब समय करवट बदल रहा है। विष्णुदेव साय की सरकार के कालखंड में नक्सली मोर्चे पर सुरक्षा बलों की निर्णायक बढ़त और नई औद्योगिक नीति के ऐलान साथ नया रायपुर में गत दिवस सेमी कंडक्टर निर्माण के लिए फैक्टरी का भूमि पूजन आने वाली पीढ़ी के सुखद भविष्य की उम्मीद जगा गया है

समृद्ध धरती-गरीब लोग राज्य के लिए गर्व का विषय हरगिज नहीं हो सकता। अपने घर में ही चहल कदमी करने में दहशत और गुजारे के लिए जेवरातों को बेचने को मजबूर रहें तो वह जीवन नारकीय ही कहा जाएगा। अर्से से छत्तीसगढ़ का बड़े भूभाग खासतौर पर बस्तर में हालात ऐसे रहे कि खाकी वर्दी में घूमने से ज्यादा सुरक्षित सामान्य कपड़ों में रहना लगता था। उसी बस्तर से अब हिंसा के दूत नक्सली शांति की पुकार लगाने आगे आ रहे हैं। साथ ही परंपरागत उद्योगों को छोड़कर नए क्षेत्र में निवेश के प्रस्ताव जमीनी स्तर पर उतर रहे हैं। महज सवा साल के कालखंड में यह बदलाव साय सरकार की श्रेष्ठतम उपलब्धि है। आखिर कैसे? नक्सल मोर्चे पर सफलता क्या सुरक्षाबलों के समन्वय और संख्या बढ़ाने भर से हो गया है? हरगिज नहीं। डा. रमन सिंह के शासनकाल से ही नक्सल मोर्चे पर केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय रहा। सुरक्षाबलों की संख्या से भी कोई बड़ा इजाफा इस सवा साल में नहीं हुआ फिर भी अगर अभूतपूर्व सफलता मिल रही है तो इसके मूल में भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की दूरदर्शिता अर्थात मोदी-शाह का फैसला है।

विधानसभा चुनाव में चमत्कारिक जीत के बाद मुख्यमंत्री के तौर पर वरिष्ठ आदिवासी नेता विष्णुदेव साय के चयन ने नक्सलियों को नैतिक रूप से कमजोर कर दिया। ▶▶|शेष पेज 6 पर

देश में धर्म पर 'कोहराम'

देश में धर्म को लेकर 'कोहराम' मचा हुआ है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज इलाके में वक्फ कानून को लेकर फिर हुए विरोध प्रदर्शन ने अचानक हिंसक शक्ल ले ली, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई। इधर, आगरा में हिंसा

वक्फ बिल के खिलाफ हिंसा, पिता पुत्र समेत तीन की मौत, 110 गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

- हाईकोर्ट ने दिए केंद्रीय बल की तैनाती के निर्देश

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ जारी प्रदर्शन से कथित रूप से जुड़ी हिंसक झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई। मुहिंसा के सिलसिले में 110 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस बीच, कलकत्ता हाई कोर्ट ने शनिवार को मुर्शिदाबाद के हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय बल की तैनाती के निर्देश दिए हैं। पुलिस ▶▶|शेष पेज 6 पर

कानून को लेकर राजनीति जारी

इस बीच, ममता बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, जिस कानून को लेकर लोग नाराज हैं, वो हमने नहीं बनाया। ये केंद्र सरकार का कानून है और हमने साफ कहा है कि ये कानून बंगाल में लागू नहीं होगा। फिर ये दंगा किसलिए? वहीं भाजपा ने इस मसले पर ममता सरकार को घेरा।

भाजपा ने की कार्रवाई की मांग

भाजपा नेता ने यह भी कहा कि हिंसा के पीछे कौन है, उन्हें गिरफ्तार कर कठोर कानूनों के तहत मुकदमा चलाया जाए। उन्होंने इस मामले में एनआईए जांत की भी मांग की है। अधिकारी ने कहा कि रेलवे स्टेशनों जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक ▶▶|शेष पेज 6 पर

करणी सेना का प्रदर्शन, तलवार और बंदूक लेकर पहुंचे, पुलिस को निकाला बाहर

एजेंसी ▶▶| आगरा

- यूपी के गढ़ी रामी में क्षत्रियों की हुंकार

यूपी में आगरा के गढ़ी रामी में राणा सांगा की जयंती पर करणी सेना के 'रक्त स्वाभिमान सम्मेलन' का आयोजन किया गया। राणा सांगा की जयंती पर हो रहे इस आयोजन में एक लाख से अधिक के पहुंचे। इसके लिए समाज से जुड़े से जुड़े करीब 10 संगठनों ने जुटने का आह्वान किया गया। सोशल मीडिया पर करणी सेना द्वारा तलवार और रायफल लहराने का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो शेयर कर लोग भाजपा सरकार पर निशाना साध रहे हैं। ▶▶|शेष पेज 6 पर

26 मार्च को हुआ था बवाल

बता दें कि समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा राणा सांगा को लेकर दिए गए बयान के बाद से बवाल मचा हुआ है। इससे पहले करणी सेना ने 26 मार्च को रामजी लाल सुमन के आवास पर प्रदर्शन कर तोड़फोड़ की थी, जिसमें कई लोग घायल ▶▶|शेष पेज 6 पर

मेरी जान को खतरा : रामजी

इस बीच, सपा के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन का बयान आया। उन्होंने कहा कि हर किसी को विरोध की आजादी है, देश में विरोध करने का भी तरीका है, लेकिन करणी सेना ने जो तरीका अपनाया है, वह अराजकता का तरीका है। मेरा विचार है। यह मेरे ▶▶|शेष पेज 6 पर

बंधक व्यापारियों को पुलिस ने कराया मुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

जिले के पत्थलगांव कमला राइस मिल में चावल बेचने आए पिता-पुत्र व्यवसायी को राइस मिल के संचालक ने जमकर मारपीट की, घायल पिता पुत्र को करीब 4 घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया। जिनको पुलिस की मदद से मुक्त

कराया गया है। पत्थलगांव एसडीओपी ध्रुवेश जायसवाल ने बताया कि मारपीट के मामले में पीड़ितों की शिकायत पर पत्थलगांव ▶▶|शेष पेज 6 पर

युवक को निर्वस्त्र कर पीटा, छह जेल दाखिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर-मालखरौदा

मालखरौदा थाना क्षेत्र के ग्राम बड़े रबेली में एक युवक को निर्वस्त्र करके बेरहमी से पीटने और गांव में घुमाकर अपमानित करने के मामले में पुलिस ने आधा दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। सभी को दूसरे दिन जेल दाखिल कर दिया गया। मामले में एक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार मालखरौदा थाना क्षेत्र के ग्राम बड़े रबेली में बेसिन के युवक राहुल अंचल को बेरहमी से पीटने और उसे निर्वस्त्र करके घूमने का वीडियो वायरल हुआ था। इस मामले में पुलिस ने जानकारी ली तो उक्त वीडियो को ▶▶|शेष पेज 6 पर

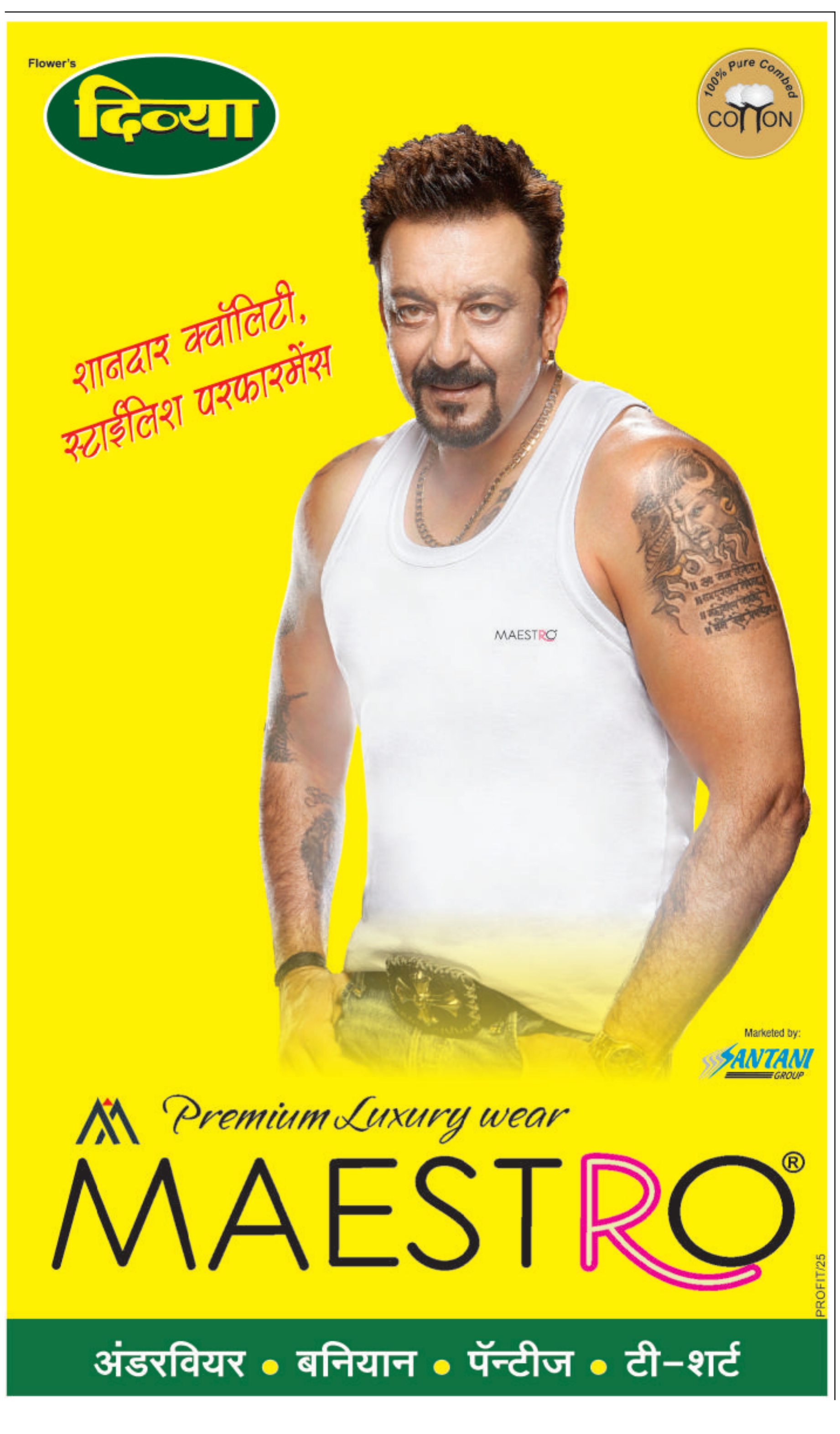

दो ईनामी सहित 8 माओवादियों का आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। लोन वर्राटू घर वापस आईये अभियान के तहत डीआरजी कार्यालय दन्तेवाड़ा में शनिवार को 8 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इन माओवादियों में मंगडू मड़काम (30), निवासी टेकलगुड़ा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा, सीएनएम सदस्य इनाम 50 हजार, देवा राम कुंजाम (26), निवासी रेवाली बचेलपारा थाना अरनपुर जिला दन्तेवाड़ा सीएनएम सदस्य इनाम 50 हजार, हड़मा सोड़ी (48), निवासी तिमेनार कुंजामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर जीआरडी सदस्य, बुधराम मड़काम (28), निवासी तिमेनार कुंजामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर भैरमगढ़ एरिया छात्र संगठन सदस्य, जोगा मड़काम (27), निवासी ककाड़ी कामापारा थाना अरनपुर जिला दन्तेवाड़ा डीएकेएमएस सदस्य, पायकी कोवासी (26), निवासी मदपाल ▶▶|शेष पेज 6 पर

मिलेंगी सुविधाएं

आत्मसमर्पण कराने में आरएफटी सूचना शाखा दन्तेवाड़ा, 111वीं वाहिनी सीआरपीएफ एवं 230वीं वाहिनी सीआरपीएफ का विशेष योगदान रहा। आत्मसमर्पित माओवादियों को पुनर्वास नीति के तहत 50 हजार रुपए की सहायता राशि के साथ छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिलने वाली अन्य सुविधाएं जैसे स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रशिक्षण, कृषि भूमि मुहैया कराई जाएगी।

बैसाखी पर्व की हार्दिक बधाई...

Project by
VENUS INFRAS

Marketed by
PRITHVI buildcon
Your Dream Abode

In Association With
bda
BDA GROUP

We are thrilled to invite you to the grand launch of

VENUS PARK

A Premium Residential Plots.

PROJECT LAUNCH

APRIL

Sunday 13th 2025

11:30 AM I At Site

T&C APPLY*

50% OFF Registry

13 अप्रैल को बुकिंग कराने पर निशिचत उपहार

CG RERA Registration No.
PCGRERA200125001871
CGRERA270125A000845

Huge Saving of Rs. 1 to 4 Lakh

T&C APPLY*

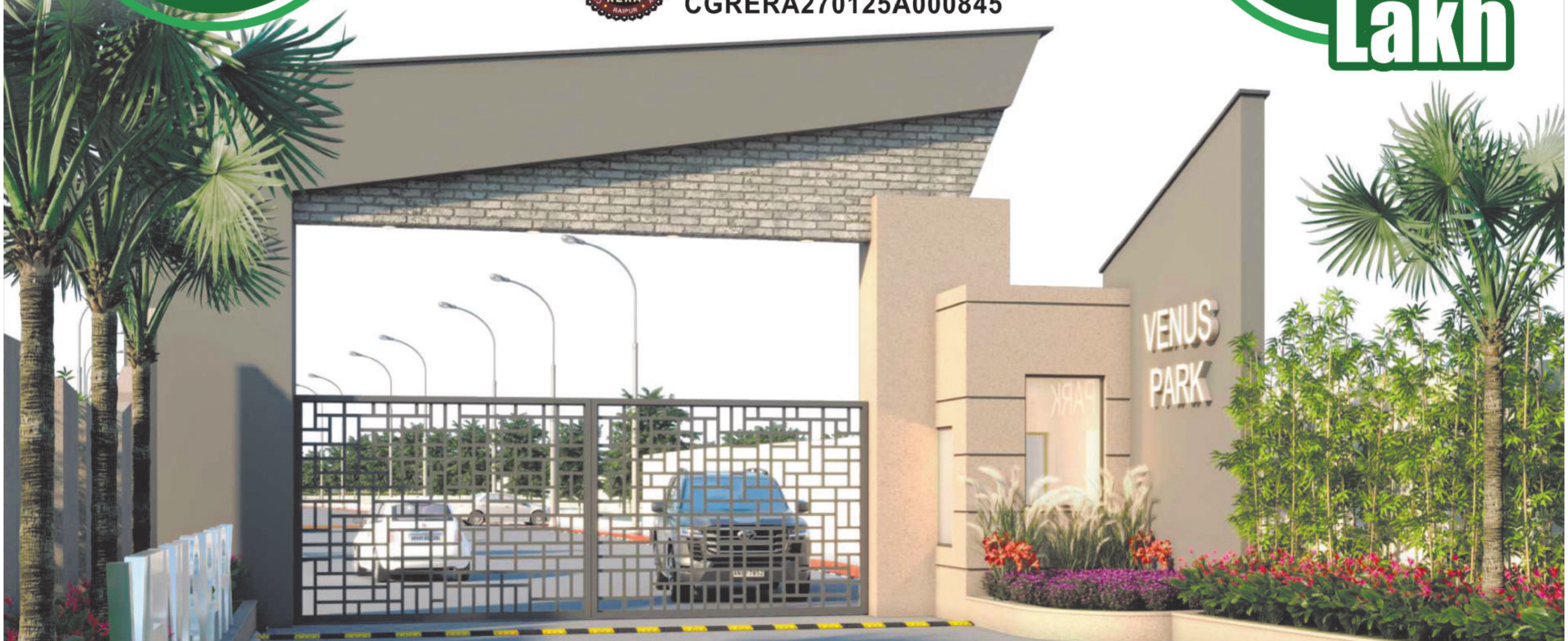

Location : Behind Brighton International School, Vidhansabha Road, Nardaha, Raipur (C.G.) 92381 93232 venuspark.in

बिलासपुर

रविवार, 13 अप्रैल 2025

वैशाख कृष्ण पक्ष प्रतिपदा

वर्ष : 25, अंक : 22

पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5 .00***

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम

अधि. 40.3
न्यून. 27.5

निगम, मंडल, आयोग के आधा दर्जन अध्यक्ष के 'पद' में पेंच

राजकुमार ग्वालानी ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रदेश सरकार ने निगम, मंडल, आयोग में तीन दर्जन पद बांट दिए हैं। अब जिनको पद दिया गया है, वे लगातार पदभार ग्रहण कर रहे हैं। अब तक 10 ने पदभार ग्रहण कर लिया है। शनिवार को गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव, बीज एवं कृषि विकास निगम चंद्रहास चंद्राकर और कृषक कल्याण परिषद के सुरेश कुमार चंद्रवंशी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में पदभार ग्रहण किया। अभी जो भी अध्यक्ष पदभार ग्रहण करने के लिए बचे हैं, सभी मुख्यमंत्री के समय मिलने का इंतजार कर रहे हैं। अल्पसंख्यक आयोग, राज्य खाद्य आयोग, राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड, समाज कल्याण ▶▶|शेष पेज 6 पर

अब तक 10 ने किया पदभार ग्रहण, 8 के कार्यक्रम में पहुंच सके सीएम

आज से 18 तक लगातार पदभार

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के रामसेवक पैकरा रविवार को पदभार ग्रहण करेंगे। 16 अप्रैल को नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सीएसआईडीसी के राजीव अग्रवाल, साहित्य अकादमी के शशांक शर्मा और पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा 16 अप्रैल को मुख्यमंत्री श्री साय की उपस्थिति में पदभार ग्रहण करेंगे। 18 अप्रैल को मेडिकल सर्विस कारपोरेशन के दीपक म्हस्के पदभार संभालेंगे।

- आज रामसेवक पैकरा संभालेंगे पदभार
- मुख्यमंत्री 16 को संजय श्रीवास्तव, राजीव अग्रवाल, नीलू शर्मा, शशांक शर्मा के पदभार में होंगे शामिल

इनको मुख्यमंत्री के समय का इंतजार

निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम के लोकेश कावड़िया, लौह शिल्पकार विकास बोर्ड के प्रफुल्ल विश्वकर्मा, राज्य वित्त आयोग के श्रीनिवास मद्दी, रजककार विकास बोर्ड के प्रहलाद रजक, श्रम कल्याण मंडल के योगेश दत्त मिश्रा, तेलघानी विकास बोर्ड के जितेंद्र कुमार साहू सहित बचे हुए सभी निगम, मंडल और आयोग के अध्यक्षों को मुख्यमंत्री श्री साय से समय मिलने का इंतजार है। मुख्यमंत्री का समय मिलने पर ही पदभार का कार्यक्रम होगा। आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा, औषधि पादप बोर्ड के विकास मरकाम से बताया अभी वे पत्नी के इलाज के लिए बेलूर में हैं, वहां से लौटने के बाद ही इस माह के अंत में पदभार ग्रहण करेंगे।

यहां फंसा है पेंच

- जिन आयोगों में पेंच फंसा हुआ है उसमें अल्पसंख्यक आयोग है। इसका मामला कोर्ट में चल रहा है। इसके अध्यक्ष बनाए गए अमरजीत सिंह छाबड़ा का कहना है 15 अप्रैल को हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद कोई फैसला आने पर ही पदभार की तिथि तय होगी।

- राज्य खाद आयोग के अध्यक्ष बनाए गए संदीप शर्मा ने कहा, पुराने अध्यक्ष का कार्यकाल अभी बचा है, उनका कार्यकाल पूरा होने पर ही पदभार ग्रहण होगा।

- राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष मोना सेन ने कहा, अभी स्टे लगा हुआ है, इसलिए पदभार ग्रहण करने की तिथि तय नहीं है।

- समाज कल्याण बोर्ड को लेकर बताया जा रहा है कि इसकी नियुक्ति केंद्र से होती है। इसकी अध्यक्ष बनाई गई शालिनी राजपूत को अब तक नियुक्ति पत्र नहीं मिल सका है, इसलिए उनके पदभार की तिथि भी तय नहीं है।

- छत्तीसगढ़ दुग्ध महासंघ को भी केंद्र सरकार के नेशनल डेयरी बोर्ड के साथ मर्ज कर दिया गया है। दुग्ध महासंघ के अध्यक्ष बनाए गए केदार गुप्ता के पदभार की तिथि भी अभी तय नहीं सकी है। उनका कहना है जल्द तिथि तय करके पदभार ग्रहण करेंगे।

सीबीएसई, आईएससी, सीजी बोर्ड के बाद नई तैयारी

भारतीय शिक्षा बोर्ड, पतंजलि देगा वेद-पुराण व गीता ज्ञान

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

छत्तीसगढ़ में समान्यतः तीन तरह के बोर्ड से पढ़ाई होती है। सीबीएसई बोर्ड, आईसीएस बोर्ड और छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड। इनके बाद अब छत्तीसगढ़ में भारतीय शिक्षा बोर्ड ने दस्तक दे दी है। भारतीय शिक्षा बोर्ड स्कूलों को मान्यता प्रदान करेगा और छात्रों को अंकसूची प्रदान करेगा। बाबा रामदेव की संस्था पतंजलि इसका संचालन करेगी। सीबीएसई और राज्य बोर्ड से पृथक इस बोर्ड के संचालन के लिए शिक्षा मंत्रालय से अनुमति मिल चुकी है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 से ही यह बोर्ड अपने अधीन अध्यापन कार्य प्रारंभ कर रहा है। विशेष बात यह है कि अब तक प्रदेश 80 स्कूलों ने इस बोर्ड से मान्यता भी ले ली है।

भारतीय शिक्षा बोर्ड के अनुसार, उनके पाठ्यक्रम में आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ वैदिक ज्ञान संपदा जैसे वेद, उपनिषद, दर्शन, महाभारत, गीता, पुराण, गुरुग्रंथ साहिब, जैन दर्शन, बौद्ध दर्शन आदि के ज्ञानतत्व का ▶▶|शेष पेज 6 पर

संरक्षक मुरारी बापू, अध्यक्ष बाबा रामदेव, कार्यवाहक अध्यक्ष आईएएस एनपी सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी महाराज और सचिव आचार्य बालकृष्ण होंगे।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा दी गई मान्यता, शैक्षणिक सत्र 2025-26 से शुरुआत

छत्तीसगढ़ के 80 विद्यालय ले चुके हैं इस बोर्ड से संबद्धता

एनसीईआरटी व सीबीएसई सदस्य भी

भारतीय शिक्षा बोर्ड के संरक्षक मुरारी बापू हैं। वहीं इस बोर्ड के अध्यक्ष बाबा रामदेव को नियुक्त किया गया है। कार्यवाहक अध्यक्ष आईएएस एनपी सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी महाराज तथा सचिव आचार्य बालकृष्ण होंगे। सदस्यों में डीएवी विद्यालय ग्रुप की अध्यक्ष पूनम पुरी, एमिटी ग्रुप के अध्यक्ष अशोक चौहान, एमआईटी ग्रुप के अध्यक्ष राहुल कराड, सीबीएसई के प्रशिक्षण निदेशक मनोज श्रीवास्तव और एनसीईआरटी की अंजना अरोरा का नाम शामिल है।

80 स्कूलों से शुरुआत

भारतीय शिक्षा बोर्ड के अंतर्गत पढ़ाई की शुरुआत शैक्षणिक सत्र 2025-26 से ही की जाएगी। प्रदेश के 80 स्कूलों को इस बोर्ड से संबद्धता प्रदान की जा चुकी है।

- डॉ. सचिन, छग प्रभारी भारतीय शिक्षा बोर्ड

पढ़ेंगे आध्यात्मिक गुरुओं की गाथाएं

बोर्ड का कहना है कि छात्रों को संगीत, चित्रकला, शिल्पकला, नाटक, कठपुतली और नुक्कड़ नाटकों द्वारा शिक्षा प्रदान की जाएगी। छात्रों को रट्टा मार पढ़ाई से मुक्ति देने और विद्यार्थियों पर किताबों का बोझ कम करने का प्रयास भी किया जाएगा। छात्रों को पहली कक्षा से ही संस्कृत की शिक्षा दी जाएगी। पाठ्यक्रम में योग विज्ञान के प्रयोगात्मक और अध्यनात्मक शिक्षा का अनिवार्य रूप से समावेश होगा। इतिहास की पुस्तकों में भारत के क्रांतिवीरों एवं आध्यात्मिक गुरुओं की गाथाओं का समावेश किया जाएगा। पाठ्यक्रम के जरिए विद्यार्थियों को माता-पिता, गुरुजनों और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य बोध कराया जाएगा।

ईडी जब्त करेगी एजेएल की 661 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि उसने 661 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति पर कब्जे के लिए नोटिस जारी किया है, जिसे उसने कांग्रेस नियंत्रित 'नेशनल हेराल्ड' अखबार और 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत कुर्क किया था। ईडी ने कहा कि उसने सक्षम संपत्ति रजिस्ट्रार को संबंधित दस्तावेज सौंप दिए हैं, जहां संपत्तियां स्थित हैं। इसके साथ ही, ये नोटिस इन संपत्तियों के 'प्रमुख हिस्सों' पर शुक्रवार को चस्पा किए गए जिनमें दिल्ली में आईटीओ (5ए, बहादुर शाह जफर मार्ग) स्थित 'हेराल्ड हाउस', मुंबई के बांद्रा (ई) इलाके की संपत्ति (प्लॉट संख्या-दो, सर्वेक्षण नंबर 341) और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में बिशेश्वर नाथ मार्ग (संपत्ति संख्या-एक) पर स्थित 'एजेएल बिल्डिंग' शामिल है। नोटिस में मुख्य रूप से ईडी ने कब्जे में लिए जाने वाले परिसर को खाली करने के लिए कहा है।

फाइलों में दबा भ्रष्टाचार

जिया कुरैशी ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों, पंचायती राज संस्थाओं और अनुदान प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों के ऑडिट के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। आडिट आपत्तियां और वसूली की रकम हैरान भी करती है। बीते वित्तीय वर्ष में 338153790996 रुपए यानी 3 खरब, 38 अरब, 338 करोड़ से अधिक राशि की ऑडिट आपत्तियां सामने आईं है। इन आपत्तियों में निराकरण केवल .35 फीसदी का हुआ। मतलब एक फीसदी से भी कम। संख्या के लिहाज से देखें तो कुल आपत्तियां 7 लाख 72 हजार 209 आपत्तियां थी। इनमें से केवल 2712 का ही निराकरण हो पाया था।

उल्लेखनीय है कि आपत्तियों का निराकरण नहीं होने पर यह माना जाता है कि इन मामलों में वित्तीय अनियमितता, ▶▶|शेष पेज 6 पर

3 खरब 38 करोड़ की 7 लाख 69 हजार आपत्तियां, निपटारा केवल 2712 का

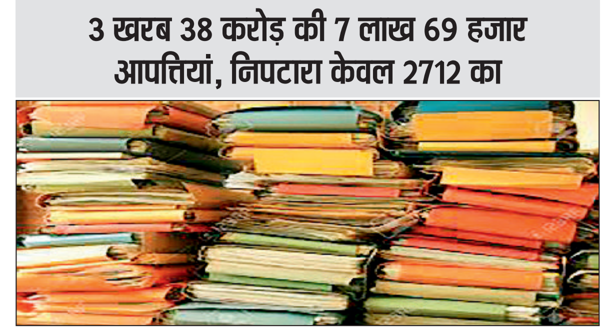

- वित्तीय वर्ष 24-25 में कुल आपत्तियां 7 लाख 72 हजार लंबित, कुल राशि 3 खरब 38 अरब
- करीब दो खरब रुपए की वसूली बाकी थी, साल दर साल बढ़ती जा रही है वसूली की राशि

चौंकाने वाले आंकड़े

राज्य संपरीक्षा की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष वित्तीय वर्ष 2024-25 की स्थिति में प्रारंभिक लंबित ऑडिट आपत्तियों की संख्या 6 लाख 86 हजार 143 थीं। वर्ष के दौरान लिए गए ऑडिट आपत्तियों की संख्या 86 हजार 36 हजार 066 थी। कुल अवशेष ऑडिट आपत्तियों की संख्या 7 लाख 72 हजार 209,वर्ष के दौरान निराकृत ऑडिट आपत्तियों की संख्या 2712 है। अवशेष ऑडिट आपत्तियां 7 लाख 69 हजार 497 रही। इन आपत्तियों में सन्निहित राशि 338 अरब रुपए होती है।

गबन के मामले 1780 : इसी रिपोर्ट के मुताबिक लेखा नियमों की अवहेलना, स्थानीय निकायों द्वारा प्रशासनिक शिथिलता के कारण गबन के मामले सामने आए। दिसंबर 2024 की स्थिति में ऐसे मामलों की संख्या 1 हजार 780 रही। ▶▶|शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

स्मार्टफोन, लैपटॉप पर नहीं लगेगा 'ट्रंप टैरिफ'

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ से स्मार्टफोन, लैपटॉप और सेमीकंडक्टर चिप्स बाहर रहेंगे। ये फैसला ट्रंप द्वारा चीन से आयातित वस्तुओं पर 145 प्रतिशत शुल्क और अन्य देशों से आने वाले उत्पादों पर 10 प्रतिशत बेसलाइन ड्यूटी लगाए जाने के बाद लिया गया है। ये कदम खास तौर पर एप्पल जैसी बड़ी टेक कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण है।

दुनियाभर में डाउन रहा वॉट्सएप सर्विस

नई दिल्ली। सोशल मैसेजिंग एप वॉट्सएप भारत सहित दुनियाभर में डाउन हो गया था। यूजर्स मैसेज भेजने और स्टेटस अपलोड करने में परेशानी होने की शिकायत करते रहे। वहीं, कई यूजर्स ने ग्रुप में मैसेज न जाने की शिकायत की। इससे पहले यूपीआई भुगतान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

कश्मीर घाटी में 5.8 तीव्रता का भूकंप

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में शनिवार दोपहर करीब एक बजे मध्यम तीव्रता का भूकंप आया जिसका केंद्र पाकिस्तान में था।घाटी के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, लेकिन जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। 5.8 तीव्रता के भूकंप का केंद्र पाकिस्तान में था और यह जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक आदेश

राष्ट्रपति को गवर्नरों के बिल पर तीन महीने में लेना होगा फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि राज्यपाल द्वारा भेजे गए विधेयकों पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर निर्णय लेना अनिवार्य होगा।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने फैसले में कहा कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा किए गए कार्य न्यायिक समीक्षा के अधीन हैं।

दरअसल, तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा लंबित विधेयकों को मंजूरी देने से इंकार कर दिया गया था, जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने मामले में सुनवाई की और तमिलनाडु के राज्यपाल के फैसले को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया और शुक्रवार को संबंधित आदेश सार्वजनिक किया गया। आदेश में कहा गया कि संविधान के अनुच्छेद ▶▶|शेष पेज 6 पर

3 वर्दीधारी माओवादियों के शव बरामद

अम्बेली ब्लास्ट का मास्टरमाइंड एलओएस कमांडर एसीएम अनिल पूनेम मारा गया

जगदलपुर। फोर्स और नक्सलियों के बीच शनिवार की सुबह हुई मुठभेड़ में 3 माओवादियों को मार गिराया गया है। मुठभेड़ में अम्बेली ब्लास्ट का मास्टर माइंड माटवाड़ा एलओएस कमाण्डर एसीएम अनिल पूनेम को मार गिराने मे सुरक्षा बलों को कामयाबी मिली है।

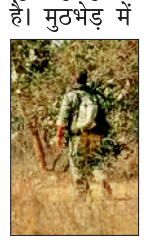

जानकारी के अनुसार इन्द्रावती क्षेत्र के जंगल में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पर डीआरजी बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा, एसटीएफ एवं कोबरा 210, 202 की टीम माओवादी विरोधी अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान 12 अप्रैल की सुबह 9 बजे इन्द्रावती क्षेत्र के जंगल पहाड़ में सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम एवं माओवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई, जो रुक-रुककर लगातार जारी रही। मुठभेड़ में अम्बेली ब्लास्ट का मास्टर माइंड माटवाड़ा एलओएस कमाण्डर एसीएम ▶▶|शेष पेज 6 पर

आंधी ने रोका रास्ता, 350 से अधिक उड़ानों में देरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली हवाई अड्डे पर हवाई यातायात की भीड़ के कारण शनिवार को 350 से अधिक उड़ानों की आवाजाही में देरी हुई। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने हवाई अड्डे पर प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों की तस्वीरें और वीडियो साझा किए। प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण शुक्रवार शाम को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर परिचालन बाधित हो गया। इसके प्रभाव से शनिवार को भी उड़ानों की आवाजाही प्रभावित हुई।

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड' (डायल) ने 'एक्स' पर दोपहर दो बजकर सात मिनट पर एक पोस्ट में कहा ▶▶|शेष पेज 6 पर

एक दिन पहले बदले मौसम का असर

दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को अचानक धूल भरी आंधी के साथ तेज हवाएं और बारिश के कारण गर्मी से तो राहत मिली है, लेकिन तेज धूल भरी आंधी से अफरा-तफरी मच गई और कई इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। बदले मौसम का असर शनिवार को दिखाई दिया।

आज भी बदल सकता है मौसम : उत्तरप्रदेश, दिल्ली और राजस्थान में रविवार को भी मौसम बदल सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि एक और सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में फिर से परिवर्तन आएगा। बारिश के दौरान चलने वाली झोंकेदार हवाओं की गति 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। इसके अलावा राजस्थान में हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है।

यात्रियों ने सुनाया दर्द, कहा- किया गया गलत व्यवहार

एक यात्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, दिल्ली एयरपोर्ट पर भारी भीड़ जमा हो गई है। यात्रियों से जानवरों की तरह व्यवहार किया जा रहा है। दूसरे यात्री ने पोस्ट की, हमारी श्रीनगर से मुंबई की कनेक्टिंग फ्लाइट थी, जो दिल्ली में शाम 6 बजे लैंड होनी थी। उसे चंडीगढ़ डायवर्ट कर दिया गया। हमें मुंबई के लिए एक फ्लाइट में बैठाया गया जो रात 12 बजे थी। सुबह 8 बज गए हैं। हम एयरपोर्ट पर फंसे रहे।

अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वार कटुता के स्तर तक पहुंच गया है। यूं तो अमेरिका ने जवाबी शुल्क व आयात पर टैरिफ लगाने के प्रस्ताव को तीन महीने के लिए टाल दिया है, इसके पीछे अमेरिका में जनविरोध और टैरिफ को लेकर कई मुल्कों के साथ वार्ता कारण हो सकते हैं, लेकिन इस 90 दिनी रियायत में चीन का नाम नहीं है। मतलब अमेरिका व चीन के बीच आयात व निर्यात नए टैरिफ दर पर ही होंगे। अमेरिका ने 145 प्रतिशत टैरिफ आयद किया है तो चीन ने 125 फीसदी। इस कदम से महंगाई बढ़ेगी। अमेरिका व चीन कई तरह से वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं। ऐसे में यूएस-चीन टैरिफ वार से वैश्विक अर्थव्यस्था अनिश्चतता के भंवर की ओर बढ़ेगी, वैश्विक आपूर्ति सिस्टम प्रभावित होगा और महंगाई बढ़ने से आर्थिक मंदी और गहरी होगी। विश्व रूस व यूक्रेन जंग के चलते आपूर्ति तंत्र के मोर्चे पर संकट से पहले से जूझ रहा है और अब ट्रंप के टैरिफ वार के चलते यह संकट और बढ़ने वाला है। अभी कोई नहीं जानता है कि चीन से अमेरिका की टैरिफ अदावत क्या रुख अख्तियार करेगी, लेकिन इसका असल आर्थिक जलजला जरूर लेकर आएगा। विश्व नई आर्थिक व्यवस्था की ओर बढ़ सकता है, इसमें भारत क्या भूमिका निभा सकता है, यह सब वक्त बताएगा। टैरिफ वार के वैश्विक असर का आकलन करता आजकल का यह अंक...

अनिश्चितता के भंवर की ओर विश्व

टैरिफ वार

प्रभात कुमार राय

विदेश मामलों के जानकार

अमेरिका ने अधिकतर देशों को फिलहाल आयद किए गए टैरिफ रेट को आगामी 90 दिनों के लिए स्थगित करके कुछ राहत प्रदान कर दी है। यदि डोनाल्ड ट्रंप 90 दिनों के टैरिफ के स्थगन के पश्चात पूर्व प्रस्तावित अपनी टैरिफ योजनाओं पर बाकायदा अमल अंजाम देते हैं, तो फिर विगत वर्ष के मुकाबले 28 प्रतिशत टैरिफ दर से इस वर्ष अमेरिका को भारत के निर्यात में तकरीबन आठ अरब डॉलर अथवा तकरीबन सात प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। वस्तुतः विश्व पटल पर भारत पांचवीं सबसे बड़ी और तीव्र गति से विकास करती हुई अर्थव्यवस्था है। इसके बावजूद संरक्षणवादी व्यापार नीतियों द्वारा भारत को वैश्विक व्यापार की प्रतिस्पर्धा में पीछे धकेल दिया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपने प्रथम कार्यकाल में केवल चीन के विरुद्ध व्यापार युद्ध का आगाज किया गया था। अमेरिका में चीन द्वारा निर्यात किए जाने वाले सामान पर पच्चीस प्रतिशत टैरिफ आयद कर दिया गया था। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में भी चीन से आयातित सामान पर ट्रंप सरकार द्वारा आयद किए गए टैरिफ को बाकायदा जारी रखा गया.. किंतु अपने दूसरे कार्यकाल में राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत सहित समस्त विश्व के विरुद्ध व्यापार युद्ध का ऐलान कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर 145 प्रतिशत टैरिफ आयद कर दिया गया है। व्यापार युद्ध में चीन द्वारा अमेरिका के विरुद्ध अपनी जवाबी कार्यवाही अंजाम देते हुए, अमेरिका से आयातित सामान पर 125 प्रतिशत टैरिफ आयद करने का ऐलान कर दिया।

अमेरिकन हुकूमत द्वारा अधिकतर देशों को फिलहाल आयद किए गए टैरिफ रेट को आगामी 90 दिनों के लिए स्थगित करके कुछ राहत प्रदान कर दी गई है। यदि डोनाल्ड ट्रंप 90 दिनों के टैरिफ के स्थगन के पश्चात पूर्व प्रस्तावित अपनी टैरिफ योजनाओं पर बाकायदा अमल अंजाम देते हैं, तो फिर विगत वर्ष के मुकाबले 28 प्रतिशत टैरिफ दर से इस वर्ष अमेरिका को भारत के निर्यात में तकरीबन आठ अरब डॉलर अथवा तकरीबन सात प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। वस्तुतः विश्व पटल पर भारत पांचवीं सबसे बड़ी और तीव्र गति से विकास करती हुई अर्थव्यवस्था है। इसके बावजूद संरक्षणवादी व्यापार नीतियों द्वारा भारत को वैश्विक व्यापार की प्रतिस्पर्धा में पीछे धकेल दिया है। भारत में टैरिफ रेट तुलनात्मक तौर पर ऊंचे रहे हैं। वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी महज दो प्रतिशत से भी कम रही है। डोनाल्ड ट्रंप के प्रेसिडेंट निर्वाचित होने के तत्पश्चात अमेरिका की व्यापार नीतियों में बुनियादी बदलाव आ गया है।

भारत को नए अवसर तलाशने होंगे

भारत को भी इस विकट नीतिगत बदलाव से यकीनन जूझना ही होगा। वैश्विक व्यापार पर निर्भर रहने वाले मुल्कों के मुकाबले भारत इन मुश्किल हालात में किसी हद तक खुद को निश्चिंत महसूस कर सकता है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था की निर्भरता वैश्विक व्यापार पर अत्यंत कमतर बनी रही है। वैश्विक व्यापार के क्षेत्र में भारत का कमतर योगदान वस्तुतः भारत के पक्ष में प्रतिबिंब हो सकता है। भारत आमतौर पर वैश्विक व्यापार से किनारा करता रहा है और यही बात संभवतः हमारे लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। लेकिन इस स्थिति से भारतवासी कदाचित संतुष्ट नहीं हो सकते, भारत को वैश्विक व्यापार में नए अवसरों को तलाशने के लिए सदैव तत्पर रहना होगा। साथ ही वैश्विक व्यापार के लिए शनैः शनैः रणनीतिक तौर पर संरक्षणवादी नीतियों का परित्याग करना होगा। उल्लेखनीय है भारत द्वारा अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने के लिए कूटनीतिक वार्ता की जा रही है जिनमें अब और तेजी आने की संभावना है। ट्रंप के टैरिफ ने जहां विदेशों में माल बेचने को और अधिक चुनौतीपूर्ण बनाया है, वहीं दुनिया के देशों को नये व्यापारिक साझेदारों और मंडियां खोजने पर विवश भी किया है। भारत को इसका लाभ उठाकर यूरोपीय संघ, अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, लैटिन अमेरिकी और अफ्रीकी देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते अंजाम देने चाहिए। भारत को इलेक्ट्रॉनिक और मोटर के कल-पुर्जों और दवाओं के एपीआई का सप्लाई चेन सुरक्षित बनाने के लिए भी अपने देश में निर्मित किए जाने की प्राथमिकता देनी चाहिए। इससे चीन के साथ चल रहे व्यापार घाटे और पूंजी पलायन में भी कमी आएगी।

अमेरिकी पूंजी का पलायन रोकने की कवायद

भारत के दवा उद्योग पर भी टैरिफ की तलवार लटकी है, क्योंकि उसके एपीआई रसायन चीन से आयात किये जा रहे हैं। यह सही है कि पिछले 30-40 वर्ष से अमेरिका को निरंतर वैश्विक व्यापार में घाटा हो रहा है और उसकी तकरीबन एक लाख करोड़ डॉलर पूंजी प्रतिवर्ष लाभ कमाने वाले देशों में जा रही है। इनमें चीन, यूरोपीय संघ, आसियान, मेक्सिको, वियतनाम, जापान और कनाडा प्रमुख हैं। विगत चार दशकों के कालखंड में अमेरिका के 90 हजार कारखाने बंद हुए हैं और उन कारखानों में काम करने वाले 55 लाख कर्मचारियों की नौकरियां चली गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के इसी व्यापार घाटे को घटा कर अमेरिकी पूंजी का पलायन रोकना चाहते हैं और अमेरिका के विनिर्माण क्षेत्र को पुनर्स्थापित करना चाहते हैं। ट्रंप दुनिया के तमाम देशों पर 'रेसिप्रोकल टैरिफ़' या बराबर का टैरिफ़ लगाना चाहते हैं यानी उन देशों के सामानों पर उतना ही आयात शुल्क लगाना जितना वे अमेरिकी सामानों पर आयद करते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि अन्य देश अमेरिकी सामानों के आयात पर, अमेरिका को निर्यात होने वाले अपने सामानों की तुलना में अधिक टैरिफ़ लगाते हैं। ट्रंप का मानना है कि अमेरिका के 'व्यापारिक साझेदार अमेरिका के साथ भेदभाव करते हैं और ऐसा दोस्त और विरोधी, दोनों तरह के देश करते हैं।'

चीन ने व्यापार युद्ध को स्वीकारा

भारत के अमेरिका के साथ समझौतावादी रुख से एकदम विपरीत चीन ने अमेरिका द्वारा प्रस्तुत की गई व्यापार युद्ध की ललकार को बाकायदा स्वीकार कर लिया है। विस्तारवादी चीन ने अमेरिका के साम्राज्यवादी चेहरे से नकाब उतारने की पहल अंजाम दे दी है। अपने आर्थिक पराभव से परिपूर्ण पतनशील युग में महाशक्ति अमेरिका के प्रेसिडेंट ट्रंप अपने फरमानों से सारी दुनिया का आर्थिक एजेंडा तय करने की हैसियत में है अथवा नहीं है, इसका फैसला तो अभी शेष है तथा भविष्य में होना है। व्यापार युद्ध स्वीकार करने के चीन के संकल्प की तुलना वस्तुतः तीन वर्ष पहले रूस द्वारा अंजाम दी गई आक्रामक सैन्य पहल से भी की जा सकती है, जबकि यूक्रेन के विरुद्ध सैन्य कार्यवाही शुरू करके अमेरिका और उसके नेतृत्व में नाटो अर्थात अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन को रणनीतिक क्षेत्रों में अपनी सैन्य शर्तें थोप देने की ताकत को रूस द्वारा प्रबल आक्रामक सैन्य चुनौती पेश की गई थी। वस्तुतः विश्व पटल पर परिवर्तित होते हुए शक्ति संतुलन के परिदृश्य को समझने और स्वीकार करने की तत्परता अमेरिका द्वारा कदाचित दिखाई नहीं गई। अमेरिका यदि अपनी नव साम्राज्यवादी फितरत को तिलांजलि दे देता तो यह संभव था कि सन् 2022 में प्रारम्भ हुए यूक्रेन युद्ध और उससे भी कहीं घातक व्यापार युद्ध के भयानक दुष्प्रभावों से दुनिया संभवतः बच निकली होती। चीनी दूतावास की सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा गया कि अगर अमेरिका व्यापार युद्ध या किसी अन्य प्रकार का युद्ध चीन के विरुद्ध लड़ना चाहता है तो हम उस युद्ध को आखिर तक लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

साम्राज्यवादी फितरत की घातक मानसिकता

पश्चिमी के साम्राज्यवादी देशों द्वारा तकरीबन तीन सौ साल तक बाकी दुनिया पर अपनी हुकूमत कायम रखी गईं। साम्राज्यवादी फितरत की घातक मानसिकता आज तक अमेरिका एवं पश्चिमी नाटो देशों की अवचेतना में बरकरार बनी हुई है। इसलिए अमेरिका एवं पश्चिमी जगत बाकी देशों की जटिल समस्याओं पर कदाचित तवज्जो प्रदान नहीं करते। चीन की हुकूमत ने अमेरिकन व्यापार युद्ध की चुनौती को स्वीकार करने के साथ यह स्पष्ट कर दिया कि वह व्यापार संतुलन संबंधी अमेरिकन चिंताओं पर बातचीत करने के लिए तत्पर है। मगर अमेरिका द्वारा चीन के विरुद्ध एक तरफा कार्रवाई अंजाम दिए जाने के ऐलान को चीन कदापि स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। अमेरिकन अखबार वॉल स्ट्रीट जनरल की एक रिपोर्ट के मुताबिक विगत ढाई महीनों में चीन ने सीधी वार्ता के लिए अमेरिकी प्रशासन से संपर्क साधने की निरंतर कोशिश जारी रखी, किंतु अमेरिकी प्रशासनिक अधिकारियों ने चीन की प्रत्येक पेशकश को अस्वीकार कर दिया। अमेरिकन प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा गुमान रहा कि टैरिफ में बढ़ोतरी का ऐलान होने के तत्पश्चात चीन सहित बाकी मुल्कों की हुकूमत बातचीत के लिए गिड़गिड़ाते हुए अमेरिका के द्वार पर आ जाएंगी। अधिकांश मुल्कों के मामले में ऐसा ही हुआ भी। मगर चीन ने अमेरिका का मुकाबला करने का बड़ा जबरदस्त हौसला दिखाया। चीन इस बात को समझने का कौशल भी दिखाया कि मामला सिर्फ टैरिफ तक कदाचित सीमित नहीं है। जो देश तुरंत टैरिफ घटाने के लिए अमेरिकन शर्तों के मुताबिक बातचीत करने के लिए तैयार दिखाई दिए, उनके समक्ष अमेरिका ने कुछ अन्य सख्त शर्तों को पेश कर दिया। चीन ने प्रमुख खनिजों के अमेरिका को निर्यात करने पर प्रतिबंध आयद कर दिया। चीन के ऐसे कड़े कदमों का अंदाजा अमेरिका के प्रशासन तथा अमेरिका के कथित आर्थिक विशेषज्ञ विश्लेषकों को भी नहीं था। सन् 1991 में सोवियत संघ के पराभव के पश्चात विगत चार दशकों के काल में अमेरिका के विरुद्ध कोई देश तनकर खड़ा नहीं हुआ। विश्वव्यापी व्यापार युद्ध से अमेरिका को हो रहे निरंतर नुकसान से अमेरिका में ही गंभीर गहन असंतोष भड़क उठा है। मगर इस सारे परिदृश्य में चीन के साथ जारी व्यापार युद्ध में किसी को किसी राहत की कोई उम्मीद नहीं है। विगत 25 वर्षों में आर्थिक एवं तकनीकी महाशक्ति के रूप में चीन का उदय हो गया , जोकि आजकल विश्व पटल पर व्यापार युद्ध का मुख्य कारण बना हुआ है। इसकी वजह से अमेरिका के आर्थिक पतन की पटकथा तैयार हुई है। चीन के आर्थिक तथा सैन्य उभार को रोकना ही अमेरिका की प्रमुख राष्ट्रीय नीति है।

विश्व व्यापार संगठन के नियमों का उल्लंघन

विश्व व्यापार संगठन के नियम कायदे कानूनों का सरासर उल्लंघन करके अमेरिका के राष्ट्रपति मनमाना आचरण अंजाम दे रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से अमेरिका द्वारा सन् 1928 में आर्थिक संरक्षण की नीति अख्तियार की गई थी, इसका नतीजा सामने आया वर्ष 1929-30 के काल में जबकि अमेरिका ने भयानक आर्थिक मंदी का दीदार किया था। सन् 1971 में अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन ने आर्थिक संरक्षणवाद की नीति आयद की थी। परिणाम सामने आया वर्ष 1973-75 में फिर एक दफा अमेरिका को भयंकर आर्थिक मंदी झेलना पड़ी। अब फिर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इतिहास से गंभीर सबक लिए बिना आर्थिक संरक्षणवादी नीति के तहत दुनिया को व्यापार युद्ध में झोंक देने के लिए कटिबद्ध हैं। देखिए भविष्य में क्या परिणाम सामने आता है। ट्रंप के अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे के तहत अमेरिका डूबेगा या उभरेगा, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। फिलहाल अमेरिका के टैरिफ कदमों से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चतता जरूर व्याप्त हो गई है।

भारत की कूटनीतिक आर्थिक रणनीति

टैरिफ की चुनौती

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

ख्यात अर्थशास्त्री

यकीनन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों के बीच भारत जिस तरह टैरिफ में राहत की कूटनीति और अमेरिका सहित सभी प्रमुख देशों के साथ द्विपक्षीय व मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, उससे आपदा के बीच अवसर भारत की मुट्ठियों में आने लगे हैं। यह भारत की रणनीति की ही जीत है कि जहां ट्रंप ने चीन पर 125 फीसदी टैरिफ लागू कर दिए हैं, वहीं भारत के लिए घोषित 26 फीसदी टैरिफ 90 दिनों तक के लिए स्थगित कर दी है। इन दिनों जहां टैरिफ की चिंता में दुनिया के शेयर बाजार ढहते जा रहे हैं, वहीं भारत का सेंसेक्स फिर से आगे बढ़ते हुए 75000 से अधिक की ऊंचाई पर पहुंच गया है। 11 अप्रैल को डॉलर के मुकाबले भारत का रुपया दो साल की सबसे बड़ी बढ़त पर रेखांकित हो रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से बढ़कर 676 अरब डॉलर के स्तर पर है। साथ ही टैरिफ की चुनौतियों के इस वर्ष 2025 में भी भारत की विकास दर दुनिया में सर्वाधिक 6 फीसदी से अधिक के स्तर पर रहने की वैश्विक रिपोर्ट्स प्रकाशित हो रही हैं।

नई व्यापार दुनिया का उदय

गौरतलब है कि 9 अप्रैल को अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमेरिका के साथ सबसे पहले टैरिफ पर प्रभावी बातचीत करते हुए दिखाई दे रहा है। ट्रंप के इस निर्णय से अमेरिका का चीन के साथ व्यापार युद्ध शुरू हो गया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के द्वारा विभिन्न देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लागू किए जाने के बाद नई व्यापार दुनिया ने जन्म ले लिया है। यह नई व्यापार दुनिया राष्ट्रपति ट्रंप की उस हठ पर आधारित है, जिसमें वे विश्व अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन और अमेरिका के साथ कथित आर्थिक दुर्व्यवहार को रोकने के लिए अमेरिकी अर्थव्यवस्था और उपभोक्ताओं को होने वाले किसी भी तरह के कष्ट की अनदेखी करने को भी तैयार हैं। नई व्यापार दुनिया पहले की व्यापार दुनिया से पूरी तरह से अलग है। कल तक दुनिया में मजबूत आर्थिक विश्व व्यवस्था और बहुपक्षीय व्यापार समझौतों के आधार पर विकास की कहानी आगे बढ़ती रही है, वहीं अब संरक्षणवाद तथा द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों का नया सितारा उदित हो रहा है। ऐसे में भारत अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और दुनिया की बदलती आर्थिक सूरत की नई हकीकत के मद्देनजर नई रणनीति के साथ आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि भारत से निर्यात के मद्देनजर अमेरिका अत्यधिक महत्वपूर्ण देश है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से दुनिया के विभिन्न देशों को करीब 435 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों का निर्यात हुआ है, उनमें से अमेरिका को करीब 18 फीसदी उत्पाद निर्यात हुए हैं।

निर्यात बढ़ने की संभावना

ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से भारत के कई प्रमुख निर्यात क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं। इनमें आईटी, टेक्सटाइल और परिधान, ऑटोमोबाइल, रत्न और आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि उत्पाद

शामिल हैं। भारत के दवा और सेमीकंडक्टर उद्योग पर भी टैरिफ की तलवार लटक रही है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक भारत पर 26 फीसदी पारस्परिक टैरिफ लगाने के अमेरिकी फैसले से भारत के द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात में करीब 5.76 अरब डॉलर की गिरावट आ सकती है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के करीब 0.2 फीसदी घटने की आशंका रहेगी। खास बात यह भी है कि ट्रंप के टैरिफ की आपदा के बीच भारत के लिए मौके भी छिपे हैं। भारत जिस तरह से अमेरिका के साथ नए व्यापार समझौते के लिए तथा अन्य देशों के साथ भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के लिए रणनीतिपूर्वक कदम बढ़ा रहा है, उससे भारत के लिए अमेरिका सहित दुनियाभर के विभिन्न देशों में निर्यात और कारोबार बढ़ाने के मौके भी बढ़ सकते हैं। चूंकि एशिया के उभरते बाजारों में भारत पर टैरिफ फिलीपींस को छोड़कर सबसे कम है। ऐसे में तुलनात्मक रूप से कम टैरिफ से भारत को वैश्विक व्यापार और मैन्युफैक्चरिंग में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका मिल सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में अमेरिकी बाजार में भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा मजबूत होगी। प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यातक देशों की तुलना में भारत पर कम टैरिफ लगा है। खास तौर पर चीन और वियतनाम के मुकाबले भारत बेहतर स्थिति में है। टेक्सटाइल के निर्यात बाजार में अभी से भी बेहतर अवसर मिल सकते हैं। अन्य देशों के सामान अमेरिका में ज्यादा महंगे होने से अमेरिका में भी भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ेगी। यद्यपि भारत में सरकार ने संसद में ट्रंप की नई टैरिफ नीति के मद्देनजर घरेलू उद्योगों के संरक्षण की बात कही है, लेकिन अब देश के उद्योग जगत के द्वारा टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा व अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) पर ध्यान देना होगा। इस बात को ध्यान में रखना होगा कि वर्ष 1991 में उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ाने की जो रणनीति लागू हुई, उससे देश को उदारीकरण के लाभ मिले हैं। चूंकि टैरिफ प्रतिस्पर्धा से जुड़े हैं, अगर हम टैरिफ की आड़ में रहेंगे तो प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाएंगे। नए अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारत को कारोबार करने में आसानी बढ़ानी होगी। लॉजिस्टिक्स व बुनियादी ढांचे में निवेश करना होगा और नीतिगत स्थिरता कायम रखनी होगी। हम उम्मीद करें कि अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बीच वैश्विक आर्थिक मौकों को मुट्ठी में लेने के साथ-साथ भारत पर लागू किए जाने वाले 26 फीसदी टैरिफ की चुनौती का मुकाबला करने में भारत के लिए अमेरिका के साथ नया कारोबार समझौता, विभिन्न देशों के साथ नए द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौते और मजबूत घरेलू आर्थिक घटक असरकारक आर्थिक हथियार के रूप में उपयोगिता देते हुए दिखाई देंगे।

कौशल विकास में निवेश हो

सरकार नई व्यापार दुनिया में भारत को रचनात्मक देश बनाने के लिए ऐसी नई आर्थिक रणनीति के साथ आगे बढ़ेगी, जिसमें बड़े उद्योगों के साथ छोटे और मझौले उद्योगों के लिए भी अनुकूलताएं हों। चूंकि अब दुनिया में नए डिजिटल दौर की नई संपत्तियों से विकास की मंजिलें तय होंगी, अतएव ऐसी सबसे कीमती संपत्तियों के विकास पर भारत को ध्यान देना होगा। अब भारत में भारी पूंजी वाले उद्योगों को सब्सिडी देने के बजाय शिक्षा और कौशल विकास पर अधिक निवेश किया जाना अधिक लाभप्रद होगा। भारत को सेवा क्षेत्र की नई चमकीली राजधानी बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। साथ ही अधिक डिजिटल महारत हासिल करने पर ध्यान देना होगा। निश्चित रूप से ऐसी नई आर्थिक और द्विपक्षीय वैश्विक व्यापार रणनीति से भारत नई व्यापार दुनिया के आकाश में एक चमकते हुए आर्थिक और प्रभावी सितारे के रूप में दिखाई दे सकेगा।

उल्टा भी पड़ सकता है ट्रंप का टैरिफ दांव

दो टूक

सुनील अमर

वरिष्ठ स्तंभकार

चीन और अमेरिका दुनिया के दो बड़े निर्यातक देश हैं जिसमें चीन नम्बर एक पर है और अमेरिका के लाख कोशिश करने के बावजूद पिछले 15 वर्षों से टॉप पर बना हुआ है। अमेरिका के नये राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो हालिया टैरिफ वार यानी व्यापार कर युद्ध छेड़ रखा है वह बाकी अर्थों में तो नया है लेकिन चीन के मामले में पुराना है। चीन से तो डोनाल्ड ने अपने पहले कार्यकाल यानी वर्ष 2017 से 2021 में ही टैरिफ वॉर शुरू कर दिया था।

वर्ष 2018 में चीन से आयातित स्टील और एल्यूमीनियम पर 25 प्रतिशत टैक्स लगाकर मौजूदा व्यापार कर युद्ध की नींव रख दी थी। तब बदले में चीन ने भी अमेरिका से आयातित कृषि उत्पादों पर व्यापार कर बढ़ा दिया था। वर्ष 2019 में कोविड महामारी फैलने के बाद दुनियाभर में आवागमन को लेकर हुई बन्दिशों को देखते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने तभी मन बना लिया था कि विदेशों, खासकर चीन जैसे देशों पर अमेरिकी निर्भरता को कम करना है। ताजा टैरिफ वॉर को ट्रंप की उसी सोच का विस्तार कहा जा सकता है और अमेरिका के उद्योग प्रधान राज्यों ओहियो, पेनीसिल्वानिया और मिशीगन में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने सत्ता में आने पर टैरिफ लागू करने का वादा भी किया था। आज दुनिया को ग्लोबल विलेज कहा जाने लगा है। आदमियों और देशों के एक-दूसरे से सरोकार बहुत बढ़ गये हैं। उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन का किंग कहा जाने वाला चीन भी यह दावा नहीं कर सकता कि दुनिया के अन्य देशों के सहयोग के बिना उसका काम चल जाएगा। जिन देशों की अर्थव्यवस्था निर्यात आधारित है उन्हें अधिकतम निर्यात चाहिए, इसी प्रकार जो देश युद्धक सामग्री उत्पादन में लगे हैं उन्हें दुनिया में कहीं न कहीं युद्ध चाहिए ताकि उनका माल बिक सके। इसे यूक्रेन के सन्दर्भ से समझा जा सकता है, पहले तो रूस के खिलाफ अमेरिका ने यूक्रेन की बिना शर्त युद्धक मदद शुरू की और अब अमेरिका का मौजूदा निजाम उस बिना शर्त की गयी मदद की कीमत मांग रहा है।

टैरिफ नीति का मुख्य निशाना चीन

अमेरिका की नई टैरिफ नीति से यद्यपि 60 से अधिक देश प्रभावित बताये जा रहे हैं लेकिन उसका मुख्य निशाना चीन ही है। अमेरिका चीन से कितना परेशान है इसका अनुमान उसके वित्त सचिव स्कॉट बेसेन्ट के आठ अप्रैल को व्हाइट हाउस में टैरिफ पर दिये इस बयान से लगाया जा सकता है कि '.....ट्रंप का असल मकसद रीयल विलेन चीन पर हथौड़ा गिराना था क्योंकि वह अमेरिकी व्यापार के लिए परेशानी पैदा करने का सबसे बड़ा स्रोत है....।'

आर्थिक मोर्चे पर पिछड़ा अमेरिका

आर्थिक मोर्चे पर पिछड़ने के अमेरिका के अपने तमाम घरेलू कारण हो सकते हैं लेकिन दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक और सामरिक महाशक्तियों के बीच इस तरह की तनातनी को अच्छा नहीं कहा जा सकता। अमेरिका में भी इस टैरिफ वॉर के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन कर रहे हैं। वैसे तो अमेरिकी बाजार चीनी खिलौनों तक से पटा पड़ा रहता है लेकिन चीन

जिन बड़े क्षेत्रों में दखल देता है उनमें हैं- स्टील, एल्यूमीनियम, इलेक्ट्रिक वाहन, चिप्स, सेमी कन्डक्टर, सोलर पैनल, बैटरी तथा रेअर अर्थ मिनरल आदि। अमेरिकी बाजारों में उक्त चीनी सामान काफी सस्ते हैं और इनके अमेरिकी उत्पादक चीनी कीमतों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए यद्यपि अमेरिका चिप्स एक्ट और आईआरए यानी इन्फलेशन रिडक्शन एक्ट के तहत घरेलू उत्पादकों को भारी सब्सिडी देता है ताकि वे चीनी कीमतों का मुकाबला कर सकें लेकिन फिर भी अमेरिकी उद्यमी बेहाल हैं और अमेरिका को अंततः लगता है कि चीनी सामानों को भारी टैक्स लगाकर ही महंगा किया जा सकता है। अमेरिका का यह भी आरोप है कि चीनी सरकार जानबूझकर बहुत बड़े पैमाने पर उत्पादन करवाती है और भारी मात्रा में सब्सिडी देती है ताकि अन्तरर्राष्ट्रीय बाजारों में उसके माल की कीमतों का कोई मुकाबला नहीं कर सके। यही कारण है कि अमेरिका न सिर्फ टैरिफ बल्कि निर्यात पर नियन्त्रण तथा विदेशी पूंजी निवेश पर प्रतिबंध लगाकर देसी उद्योगों को संरक्षण देना चाहता है। चीन अमेरिका के हर टैरिफ रेट का मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। ताजा हालात यह है कि अमेरिका के चीन पर 145 प्रतिशत टैक्स के जवाब में चीन ने 125 प्रतिशत टैक्स लगाने की घोषणा की है। चीन नयी रणनीति के तहत लैटिन अमेरिका, दक्षिण पूर्व एशिया तथा मध्यपूर्व के देशों की बाजारों में अपने उत्पादों की पैठ बनाने में लगा है। साथ ही वह ब्रिक्स संगठन का और विस्तार चाहता है ताकि पश्चिमी बाजारों पर उसकी निर्भरता कम हो सके।

एक सवाल उठता है- क्या डोनाल्ड ट्रंप इस टैरिफ युद्ध को छेड़कर अमेरिकियों को लाभ पहुंचा पाएंगे? इसका जवाब हां हो सकता है, यदि वे आयातित सामानों की दर पर ही घरेलू उत्पादों को बाजार में उपलब्ध करा सकें। लेकिन यह आसान नहीं होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो अमेरिकियों का खर्च बहुत बढ़ जाएगा। घरेलू उत्पादन बढ़ाये बगैर अब तक आयात हो रही वस्तुओं को महंगा कर देने का असर उल्टा हो सकता है। चीन पर प्रतिबंध का असर यह भी हो सकता है कि वहां उत्पादन कर रही कम्पनियां भारत, वियतनाम और मैक्सिको जैसे देशों का रुख करें जहां अमेरिकी टैरिफ कम है। लेकिन यह एक उथल-पुथल का दौर होगा और इस दौरान अमेरिका के अलावा वैश्विक स्तर पर भी महंगाई अनियंत्रित हो सकती है।

घरेलू स्तर पर भी लड़ना पड़ेगा

अमेरिका की बात करें तो उसे वैश्विक स्तर के अलावा घरेलू स्तर पर भी लड़ना पड़ेगा, क्योंकि आयातित कल-पुर्जे महंगे होने के कारण उत्पादन लागत बढ़ेगी और बाजार में सस्ते चीनी सामान से मुकाबला न होने के कारण घरेलू उत्पादक गुणवत्ता से समझौता कर मनमानी कीमत वसूल सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अभी चीन को छोड़कर बाकी देशों को 90 दिनों की मोहलत दी हुई है। उसके बाद देखना होगा कि वे क्या करते हैं। अगर इसके बाद भी वे अपनी जिद पर अड़े रहते हैं तो थोड़ा आगे चलकर देशों की वैश्विक गुटबाजी का परिदृश्य बदल सकता है। मसलन हो सकता है कि दो गुट बनें जिसमें एक अमेरिकी अगुवाई में भारत, यूरोपीय यूनियन, जापान और उत्तरी अमेरिका हो तथा दूसरा चीन की अगुवाई वाला हो जिसमें रूस, कुछ अफ्रीकी देश, दक्षिण अमेरिका तथा दक्षिण पूर्व एशिया शामिल हो। आज का अमेरिका बदलाव के दौर में है और किस्सा कोताह यह कि अगर अमेरिकियों को दैनिक जीवन में राहत मिली और उनका वैश्विक स्टेटस बना रहा तो ठीक है अन्यथा डोनाल्ड ट्रंप अपने इस कार्यकाल में गृहकलह का बीज ही बो देंगे। इतिहास में रूस, चीन और तुर्की जैसे अनेक देशों के आंतरिक असन्तोष व उससे उत्पन्न विद्रोह के उदाहरण तो हैं ही!

तरकश

संजय के दीक्षित

मुलाकात टैक्स 25 हजार

ये दीया तले अंधेरा, जैसा मामला है। रायपुर में एक बड़े साब से किसी आरगेनाइजेशन को मिलना है, तो उसके लिए नजराना याने मुलाकात टैक्स देना पड़ता है। नजराना भी हल्का-फुल्का नहीं...25 हजार से उपर का। हाल ही की बात है, एक रेपुटेडेट संस्था के प्रतिनिधियों ने साब से मिलने के लिए टाईम मांगा। टाईम तो मिल गया मगर साथ में पीए का टका सा निर्देश भी मिला...ठीकठाक कोई गिफ्ट लेते आइयेगा। संस्था के लोगों के लिए ये नया अनुभव था। फिर भी सम्मानजनक गिफ्ट खरीद लिया। मिलने पहुंचे तो सवाल हुआ...कितने का है? बोले, 12 हजार का। प्रशासनिक महिला अफसर बोली...नहीं चलेगा। जहां से लेकर आए हैं, वहां जाकर वीडियोकॉल कर दिखाइये। संस्था वाले गिफ्ट शॉप गए। वीडियोकॉल पर महिला अफसर ने 35 हजार का गिफ्ट सलेक्ट किया। तब जाकर बात बनी। खैर, ये तो छोटी बात है, कई संस्थाओं में मेंबरों की नियुक्तियों के लिए रेट फिक्स कर दिया गया है। बड़ी नियुक्तियों का तो और बड़ा रेट। संभव है, बड़े साब को इन चीजों का भान न हो। अगर ऐसा है तो उन्हें अपने तंत्र पर निगरानी बढ़ानी चाहिए। वरना, मोदीजी का 360 डिग्री वाला राडार एक्टिव हुआ, तो फिर मुश्किलें बढ़ जाएंगी। रायपुर के लोगों ने बड़े लोगों का अच्छा-खासा कैरियर चौपट होते देखा है।

कलेक्टर बहादुर अली

ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ ने आईएएस अफसरों को बुलाकर उन्हें शुचिता का पालन करने की समझाइश दी थी। बताया था कि ब्यूरोक्रेसी के इस बुरे दौर में बहादुर अली बनकर कैडर की और छीछालेदर मत कराओ। मगर नौकरशाहों के जिंस में करप्शन का वायरस ऐसा घुस गया है कि इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन उनके भले की बात कर रहा है, कौन जेल में है, और कौन जेल जाने वाला है। हम बात कर रहे हैं सूबे के एक स्मार्ट क्लेक्टर की। डीएमएफ में सप्लाई का काम करने के लिए उन्होंने अपने साले को बुला लिया है। फर्जी कंपनी बनाकर साला अब पूरे जिले में डीएमएफ और अपने जीजा का झंडा बुलंद कर रहा है। मगर ऐसी बातें छुपती कहां है। छोटी जगह है...पुराने सप्लायरों के पेट पर चोट पहुंचेगी तो वे चुप थोड़े ही बैठेंगे....इसकी कानाफूसी अब राजधानी रायपुर पहुंचने लगी है। ऐसे में, ऋचा और मनोज का कर लेंगे। उन्होंने तो रास्ता दिखाने का काम किया था। अब कोई अपना कब्र खोदने पर अमादा है, तो कोई कुछ नहीं कर सकता।

बड़ी जांच और 3 सवाल

राज्य सरकार ने अभनपुर भारतमाला मुआवजा घोटाले की ईओडब्लू जांच का ऐलान किया था। मगर राजस्व विभाग ने चौंकाने वाला फैसला लेते हुए जांच का दायरा बढ़ाकर 11 जिलों में किया ही, पांचों कमिश्नरों से इसकी रिपोर्ट मांग ली है। जाहिर है, इन ग्यारहों जिलों में नेशनल हाईवे के मुआवजे की बंदरबांट की जांच हो गई तो दर्जन भर से अधिक आईएएस, आईपीएस सलाखों के पीछे जाएंगे, इससे कुछ अधिक राजनेताओं की फजीहत होगी। सैकड़ों सेठ-साहूकारों के खिलाफ केस दर्ज होगा, जिन्होंने भारत सरकार के पैसे को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जाहिर है, ईमानदारी से इस स्कैम की जांच हो गई तो इतना बड़ा बम फूटेगा कि शायद उसके बाद करप्शन से लोग तोबा कर लें। यही वजह है...राजस्व विभाग की इस मेगा जांच पर स्वाभाविक जिज्ञासा और सवाल खड़े हो रहे हैं। पहला, राजस्व विभाग की कड़ाई से जांच वाली छबि नहीं रही। इसलिए आशंका ये व्यक्त की जा रही कि ईओडब्लू जांच से घबरा लिंगारान करने के लिए कहीं कमिश्नरों से जांच तो नहीं कराई जा रही। दूसरा, जांच के लिए कमिश्नरों को पत्र लिखा गया है, उसकी भाषा से प्रतीत होता है, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। क्योंकि, लेटर में लिखा है कि अनियमितता का पूरा डिटेल अपने वेबसाइट पर अपलोड करें। गड़बड़ियों की जानकारी ऑनलाइन होते ही प्रदेश में रायता फैल जाएगा...इतने बड़े-बड़े चेहरे बेनकाब होंगे कि छत्तीसगढ़ हिल जाएगा। और तीसरा सवाल यह है कि क्या भारत सरकार या केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्रालय ने कोई पेंच फंसाया है? अभनपुर स्कैम की जांच के लिए नेशनल हाईव के चीफ विजिलेंस आफिसर ने 2021 से 2024 के बीच कई बार पत्र लिखा था, उसके बाद भी राजस्व विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। कुल मिलाकर इस जांच के पीछे कोई बड़ा राज छिपा है।

सीएस के दावेदार

पिछली सरकार में एसीएस टू सीएम रहे आईएएस सुब्रत साहू का नाम अभी तक मुख्य सचिव के दावेदारों में नहीं लिया जा रहा था। मगर पिछले एक हफ्ते में आश्चर्यजनक रूप से उनकी नाम की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सीएस के लिए इस समय पांच दावेदार हैं। रेणु पिल्ले और ऋचा शर्मा के नाम को अलग कर दें तो तीन बचते हैं। सुब्रत साहू, अमित अग्रवाल और मनोज पिंगुआ। अमित दिल्ली में हैं। अमित शाह उन्हें यहां भेज दें तो बात अलग है। या फिर किसी ईश्वरीय चमत्कार से नारी शक्ति में से कोई दुर्गा बनकर प्रगट हो जाए। वरना, सलेक्शन सुब्रत और मनोज में से होना है। दोनों को तराजू पर तौला जा रहा है। सरकार के मापदंड में जो खरा उतरेगा, उसके नाम पर मुहर लग जाएगा। अब ये अलग बात है कि सलेक्शन के लिए मापदंड क्या रखे गए हैं...जैसा चल रहा है, चलते रहने देना या फिर बदनाम ब्यूरोक्रेसी की छबि बदलना।

एमडी और सीईओ का रहमोकरम

निगम-मंडलों में पोस्टिंग को लेकर राजनीतिज्ञों में बड़ी उत्सुकता रहती है। उन्हें लगता है चेयरमैन बन गए तो फिर तो जलवे होंगे। मगर वास्तविकता से इसका कोई संबंध नहीं होता। पांच-सात मलाईदार निगमों में भी सीईओ और एमडी के रहमोकरम से कुछ मिल जाए, तो बात अलग है। वरना, थोड़ा नवाबी दिखाए तो फिर गाड़ी के डीजल, पेट्रोल पर सवाल उठभ जाएंगे...आपको इतने की पात्रता है, इससे अधिक नहीं। दरअसल, सरकारें नेताओं को खुश करने के लिए निगम-मंडलों में पोस्टिंग दे देती है वरना इनका कोई संवैधानिक अस्त्तिव नहीं है। पूरा पावर एमडी और सीईओ में समाहित होता है। टेंडर फायनल करने से लेकर चेक काटने तक। सभी एमडी, सीईओ आईएएस होते हैं। वे उन्हीं चेयरमैनों की थोड़ा-बहुत भाव देते हैं, जो दबंग हो, साथ ही सरकार से करीबी ताल्लुकात। दोनों में से कोई एक हुआ तब भी बात नहीं बनेगी। इस बार निगम की पोस्टिंग के बाद एक मलाईदार चेयरमैन से एमडी मिलने पहुंची तो भावविह्वल होकर उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल दिया...एमडी साहिबा से आत्मीय मुलाकात हुई। अब आप समझ सकते हैं...आगे क्या होगा। चेयरमैनों को अपना सम्मान बनाए रखना है तो सरकार को चाहिए कि संजय श्रीवास्तव से दो दिन की ट्रेनिंग दिला दें कि घोड़े की सवारी कैसे करनी चाहिए। संजय इसमें माहिर हो चुके हैं।

बीरबल की खिचड़ी

छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल का विस्तार बीरबल की खिचड़ी हो गई है, जो पकने का नाम नहीं ले रही है। दिसंबर में शपथ होते-होते नहीं हुआ और इस बार तो बेचारे एक भावी मंत्रीजी ने पंडरी से लीनेन का कपड़ा लेकर दर्जी से रातोरात कुर्ता और जैकेट सिलवाया, क्योंकि दिसंबर में बनवाए थे, वो थोड़ा टाईट हो गया था। इस बार उन्होंने बधाइयां भी स्वीकार करना शुरू कर दी थी। मगर राजभवन में शपथ लेने का ख्वाब बिखर गया, जब 9 अप्रैल को देर शाम तक शपथ का कोई फोन नहीं आया। बताते हैं, दिसंबर में एक बड़े नाम पर ब्रेक लग गया और इस बार एक छोटे नाम पर उपर में सहमति नहीं बन पाई। बहरहाल, इस बार मिंत्रमंडल विस्तार को ऐसा करंट लगा कि अब जब तक अधिकारिक घोषणा नहीं होगी, कोई भरोसा नहीं करेगा। दिक्कत यह है कि सौदान सिंह टाईप दिल्ली में दमदारी से बात रखने वाला छत्तीसगढ़ बीजेपी में कोई पर्सनाल्टी नहीं है। इसका नुकसान राज्य का हो रहा है। कैबिनेट में दो-दो, तीन-तीन पद लंबे समय से खाली हैं।

अजब एसडीएम, गजब करप्शन

शासन-प्रशासन में करप्शन के भांति-भांति के किस्से अपन सुनते हैं। मगर ये जरा हटकर है। बिलासपुर के एक एसडीएम और पटवारी ने हॉरिजंटल नहर को वर्टिकल बना दिया। दरअसल, कोविड काल में जब लोग जान बचाने बदहवास थे, तब 1141 करोड़ के नहर के मुआवजा के खेल में एसडीएम और पटवारी व्यस्त थे। दोनों ने नहर के एलाइनमेंट में आएं-बाएं चेंज करके कइयों को करोड़पति बना दिया और खुद भी कई खोखा भीतर कर लिया। बिलासपुर शहर से लगे सकरी में एक फर्जी व्यक्ति को साढ़े तीन करोड़ का मुआवजा देने कागजों में नहर को 200 मीटर शो कर, जिस जमीन का 20 लाख एकड़ रेट था, उसे 12.5 करोड़ रुपए एकड़ के हिसाब से मुआवजा दे दिया। वो भी जिसकी जमीन थी, उसे नहीं किसी और को। उन्हें लगा कि कोविड में कौन बचेगा, कौन नहीं? फिर देखा जाएगा। मगर उनकी सोच गलत निकली। जिसकी जमीन थी, वह कोविड में बच गया और प्रगट होकर शिकायत कर दी। शिकायत में एसडीएम समेत राजस्व विभाग के छह मुलाजिम दोषी पाए गए। मगर वक्त का खेल देखिए कि अभनपुर मुआवजा घोटाले में दो राप्रसे अधिकारी कुर्रे और साहूजी सस्पेंड हो गए मगर अरपा भैंसाझाड़ नहर वाले एसडीएम तिवारीजी बड़े चतुर निकले...जुगाड़ लगा वे बिलासपुर में नोट छापने वाली जगह पर बैठ गए। है न कमाल की बात। ठीक कहते हैं, समरथ को, नहीं, दोष गोसाई।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. किस ब्यूरोक्रेट्स ने अपने लाड़ले के लिए 75 लाख का घोड़ा खरीदा है?

2. चाणक्य ने ऐसा क्यों कहा है, राजा को राजकाज में अतिसंकोची नहीं होनी चाहिए?

670 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने कहा- हर जरूरतमंद को किफायती आवास उपलब्ध कराने सरकार कर रही प्रयास

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शनिवार को छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने श्री सिंहदेव को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की लगभग 670 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। साथ ही 8 लोगों को अनुकंपा नियुक्ति प्रमाणपत्र प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने कहा, सबकी इच्छा होती है कि हमारे सिर पर छत हो। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि सभी का पक्का मकान हो, इसीलिए प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत की। योजना के साथ ही छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा जरूरतमंद लोगों के लिए आवास बनाए जा रहे हैं। सभी को आवास उपलब्ध कराने के लिए भगीरथ प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार गरीबों को उनका हक दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। शपथ लेने के दूसरे दिन कैबिनेट की बैठक में 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी। पिछले 14 माह के हमारे कार्यकाल में हाउसिंग बोर्ड की स्थिति सुधरी, बोर्ड अपने पैरों पर खड़ा हुआ है। इस अवधि में हमें केंद्र से 14 लाख आवास भी मिले हैं। केंद्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान छत्तीसगढ़ को शीघ्र ही साढ़े तीन लाख आवास और देने जा रहे हैं। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, सांसद राजनांदगांव संतोष पांडेय, विधायक मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा सहित विभिन्न मंडल आयोगों के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के आयुक्त कुंदन कुमार, बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सहज एवं किफायती दरों में मकान का सपना पूरा होगा

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, अनुराग को लंबे समय से विपरीत परिस्थितियों में कार्य के लिए जाना जाता है। निश्चित ही उनके अनुभवों का लाभ छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड को मिलेगा। मंत्री रामविचार नेताम ने कहा, हमारी सरकार गांव, गरीब, किसान एवं मजदूरों के लिए नित नई योजनाएं बनाकर उनकी बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। हाउसिंग बोर्ड के माध्यम से भी आम जनता को सहज एवं किफायती दरों में मकान का सपना पूरा होगा।

40 योजनाओं का पुनर्निर्माण

कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, हमारी सरकार बनते ही किफायती मूल्यों में गरीब जनता के लिए आवास तैयार करने का लक्ष्य रखा गया। हमने पूरे प्रदेश में अधूरी पड़ी लगभग 40 योजनाओं के पुनर्निर्माण का निर्णय लिया है। पुरानी संपत्तियों की बिक्री के लिए हमने 'वन टाइम सेटलमेंट' के नाम से हितग्राहियों को छूट देने का भी कार्य किया है।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 13 अप्रैल 2025

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

विशेषः अप्रैल-तनाव जागरूकता माह

लाइफ में न रहे टेंशन सीखें स्ट्रेस मैनेजमेंट

आज के दौर में जिस तरह की लाइफस्टाइल हम सब जी रहे हैं, उसमें टेंशन से बचना तो बहुत मुश्किल है। लेकिन हम ऐसा जरूर कर सकते हैं, जिससे टेंशन हम पर हावी न हो। इसके लिए हमें स्ट्रेस मैनेजमेंट सीखना होगा। इसे सीखना बहुत कठिन नहीं है। यहां दिए जा रहे कुछ सजेशंस आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं।

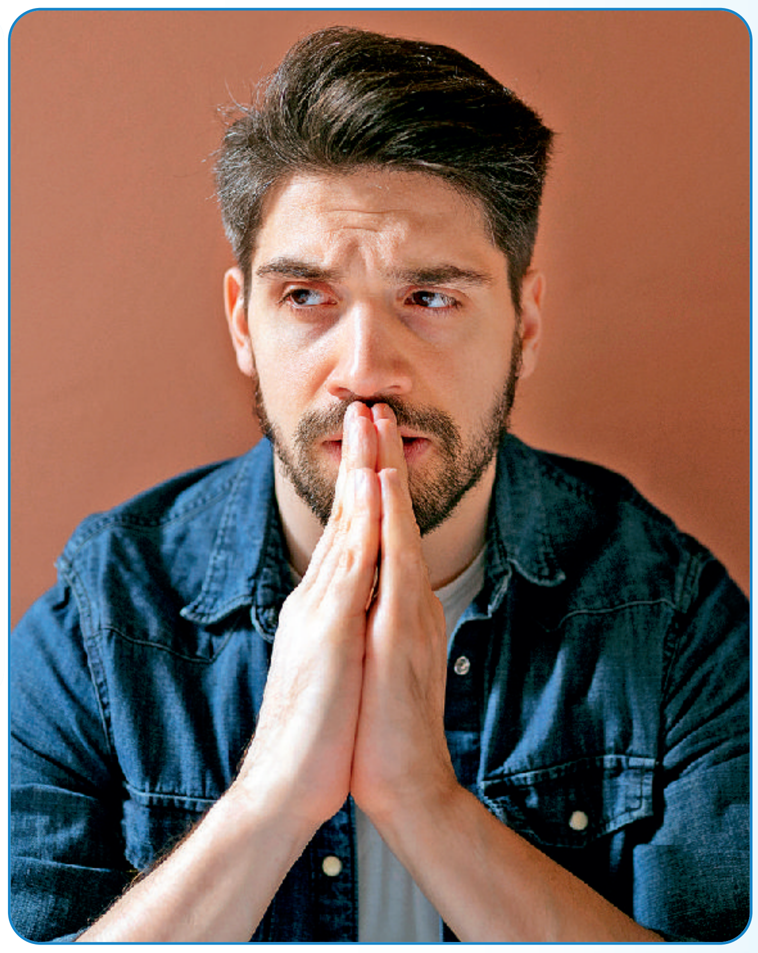

वर्तमान समय में दुनिया के हर हिस्से में स्ट्रेस एक महामारी का रूप ले चुका है। आपा-धापी भरे आज के जीवन में हर आयुवर्ग के लोग तनाव के घेरे में हैं। तनाव की जकड़न बच्चों से लेकर बड़ों तक, बहुत सी शारीरिक और मानसिक समस्याओं का भी शिकार बना रही है। यही वजह है कि तनाव के कारणों, इससे बचाव और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 1992 से हर वर्ष अप्रैल को तनाव जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। महीने भर स्ट्रेस से पैदा हो रहीं समस्याओं पर खुलकर बातचीत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। तनाव के शिकार लोगों के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए जरूरी हो चला है कि स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए कुछ सहज सरल कदम हर कोई अपनाए।

तनाव को समझिए

सबसे पहले तो तनाव में घिरने की स्थिति को समझना आवश्यक है। आमतौर पर स्ट्रेस के कारण पैदा होने वाली गंभीर बीमारियों के जाल में फंसने से पहले तक स्ट्रेस को कोई परेशानी समझा ही नहीं जाता। जबकि स्ट्रेस के दुष्प्रभावों को समय रहते समझना ही इसके नेगेटिव असर से बचने की राह है। असल में स्ट्रेस को प्रबंधित करने का तरीका जानने के लिए भी इसका शिकार होने की स्थितियों को समझना आवश्यक है। यह समझ तनाव से निपटने के लिए स्वस्थ तरीके ढूंढ़ना भी आसान कर देती हैं। स्ट्रेस के कारण जानकर ही निवारण का मार्ग ढूंढ़ा जा सकता है। इसीलिए सबसे पहले उन ट्रिगर्स को पहचानें, जो तनाव पैदा करते हैं। उन बातों और हालातों को ट्रैक करते रहें, जब आप तनाव महसूस करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में अपनी प्रतिक्रिया पर भी नजर रखें, क्योंकि कई बार अपने गलत रिएक्शन या ओवर रिएक्ट करने से भी अपराधबोध और तनाव बढ़ता है। याद रहे कि खुद अपने मन को विचलित करने वाली स्वास्थ्य समस्या के कारणों को समझना उसके इलाज की राह बहुत आसान बना देता है।

स्वस्थ-सकारात्मक जीवनचर्या

जिंदगी की जुड़ी भाग-दौड़ के अलावा लाइफस्टाइल से जुड़ी गलतियां भी तनाव के घेरे में लाने का कारण बन रही हैं। सधी हुई दिनचर्या से कमोबेश हर उम्र के लोग दूर हुए हैं। जबकि समय पर काम ना निपटाने से लेकर सोने-जागने का सही रूटीन न रखने जैसी आम सी बातें भी इंसान के मन को स्ट्रेस का शिकार बनाती हैं। अस्त-व्यस्त रहना, अनचाहा सामान जमा करना, खुद अपनी चीजों की देखभाल न करना, नींद पूरी न होना, बुरी लत या कसरत ना करना। सब कुछ मन पर एक अनचाहा सा बोझ बढ़ाने वाला परिवेश बनाकर स्ट्रेस का कारण बन जाते हैं। तनाव की जकड़न वाली गंभीर स्थितियों में डॉक्टर की सलाह लेना आवश्यक है। संतुलित जीवनशैली, स्ट्रेस के जाल में फंसने ही नहीं देती। साथ ही अनुशासित जीवनशैली हमारे विचारों को भी सकारात्मक दिशा देती है। पॉजिटिव सोच, तकलीफदेह परिस्थिति में भी 'सब खत्म हो गया', 'अब कुछ नहीं हो सकता' जैसे नकारात्मक विचारों से बचाती है। असल में आशावादी मन, जीवन के हर उतार-चढ़ाव में एक नयापन ढूंढ़ता है। यह सोच कभी तनाव के घेरे में नहीं आने देती।

जीवन से जुड़िए

आज के दौर में स्क्रीन में गुम रहना हो या चाहे-अनचाहे खुद तक सिमट जाने की प्रवृत्ति, अकेलापन और सामाजिक जीवन से दूरी तनाव के सबसे बड़े कारणों में शामिल हैं। इंसान का जीवन भावनाओं और सामाजिक संबंधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। अपनेपन से पोषण पाता है। स्नेह और साथ, मन को सुख देने वाले भाव हैं। यही वजह है कि सामाजिक गतिविधियों का सिमटना तनाव को विस्तार दे रहा है। आज के समय में जिंदगी में एक नीरसता और रूखापन भी आया है। दुनिया भर से जुड़े होने के मुगालते में इंसान खुद अपनी जिंदगी से दूर हुआ है। स्ट्रेस में घिरी मनःस्थिति को साझा करने के लिए भी अधिकतर लोगों के पास कोई विश्वसनीय साथी नहीं होता। जबकि स्ट्रेस मैनेजमेंट का सबसे अहम पहलू ही यही है कि मन-मस्तिष्क की ऊहापोह सुनने या सही सलाह देने के लिए कोई साथी जरूर हो। विश्वसनीय मित्र या परिजन ही ऐसा कर सकते हैं। अपनेपन की यह बुनियाद बनाने के लिए सामाजिक-पारिवारिक मेल-जोल आवश्यक है। *

इस वर्ष की थीम-लीड विद लव

स्ट्रेस प्रॉब्लम को लेकर जागरूकता लाने का एक अहम पहलू मित्रों, परिजनों, सहकर्मियों और पेशेवर लोगों के साथ अपनी मानसिक-भावनात्मक स्थिति के बारे में खुलकर बात करने का परिवेश बनाने से भी जुड़ा है। साथ ही इन दिनों तनाव के घेरे में फंसे अपनों-परायों का संबल बनने की अवेयरनेस लाने के प्रयास भी किए जाते हैं। साल 2025 के लिए तो तनाव जागरूकता माह की थीम ही 'लीड विद लव' है। यह विषय स्ट्रेस की समस्या को लेकर स्वयं अपने और दूसरों के साथ दया, करुणा और सहज स्वीकार्यता के साथ पेश आने पर केंद्रित है। 'प्यार के साथ नेतृत्व करें' का यह विचार तनाव के चलते बहुत सी चुनौतियों से जूझते हुए भी सकारात्मक बने रहने के भाव को पोसने वाला है। कठिनाई के बावजूद जीवन के प्रति सहज बने रहने का संदेश देता है। यह थीम अपने आप के लिए तनाव प्रबंधन हेतु सधी जीवनशैली, संतुलित भोजन, कसरत, योग, मेडिटेशन और खुले संवाद जैसे बदलावों को अपनाने की राह सुझाती है तो दूसरों के मन को समझने के लिए भी सजग करती है।

आधुनिकता, तकनीकी निर्भरता और स्वार्थपरता की वजह से वर्तमान समय में इंसानी समाज के सामने नैतिकता और भरोसे का संकट आ खड़ा हुआ है। बेहतर समाज के लिए जरूरी है कि इसके ग्राफ को गिरने से बचाए रखा जाए।

बेहतर समाज के लिए न गिरने दें नैतिकता-भरोसे का ग्राफ

सोशल बिहेवियर

यशोधरा भटनागर

कहते हैं, शेयर बाजार में कब कौन-सा स्टॉक ऊपर जाएगा और कौन-सा औंधे मुंह गिरेगा, यह कोई नहीं बता सकता। ठीक वैसे ही आजकल इंसानों का भी हाल हो गया है। किसी पर भरोसा करो तो हो सकता है कि वह अगले ही पल आपको ठगने का प्लान बना रहा हो। रिश्तों और भरोसे की कीमतें इस कदर अस्थिर हो गई हैं कि कौन कब नैतिकता के बाजार में दिवालिया हो जाए, इसका कोई भरोसा नहीं।

बदल गया है नजरियाः पहले के जमाने में इंसान अपने चरित्र और नैतिकता से पहचाना जाता था, लेकिन अब यह पहचान उसके बैंक बैलेंस, सोशल मीडिया स्टेटस और अवसरवादी सोच पर आधारित हो गई है। ईमानदारी और सच्चाई के शेयर दिन-ब-दिन गिरते जा रहे हैं, जबकि स्वार्थ, धोखाधड़ी और अवसरवाद के स्टॉक्स बुल मार्केट में है। अब रिश्ते भी शेयर बाजार की तरह हो गए हैं। अगर आपका कोई मित्र या रिश्तेदार आपसे जुड़ा हुआ है, तो यह मत समझिए कि वह आपके अच्छे स्वभाव और ईमानदारी की वजह से है। हो सकता है कि उसने सिर्फ इसलिए आपका साथ पकड़ा हो, क्योंकि वह आपसे कोई मुनाफा निकालना चाहता हो। जैसे ही उसे कोई बेहतर 'इन्वेस्टमेंट ऑप्शन' मिलेगा, वह अपना सारा इमोशनल कैपिटल निकाल कर कहीं और लगा देगा। आजकल दोस्ती और रिश्ते भी आई.पी.ओ. (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) की तरह होते हैं। पहले बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, भरोसे के लुभावने विज्ञापन दिए जाते हैं, और जैसे ही लोग इसमें निवेश करते हैं, धीरे-धीरे हकीकत सामने आने लगती है। कई दोस्त और रिश्तेदार सिर्फ तब तक साथ रहते हैं, जब तक उनकी 'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट' अच्छी बनी रहती है। जैसे ही उन्हें लगता है कि अब यहां कोई फायदा नहीं बचा, वे अपने शेयर बेचकर कहीं और चले जाते हैं।

दिखावा हुआ महत्वपूर्णः इस नए दौर में दिखावा ही असली पूंजी बन गया है। लोग नैतिकता और ईमानदारी को कर्ज में डूबा हुआ शेयर मानते हैं, जबकि तड़क-भड़क और चालाकी का ग्राफ ऊपर चढ़ता जा रहा है। अगर आप सीधा-सादा जीवन जीते हैं और सच्चाई में विश्वास रखते हैं, तो आपको पुराने जमाने का 'लो वैल्यू स्टॉक' मान लिया जाएगा। लेकिन अगर आप थोड़े घमंडी, थोड़े धोखेबाज और बहुत बड़े दिखावटी हैं, तो आपको 'हाई ग्रोथ स्टॉक' माना जाएगा।

कम हुआ भरोसे का मानः आज की दुनिया में भरोसे का इंडेक्स इस कदर गिर चुका है कि आज किसी की बातों पर यकीन करना ही जोखिम भरा हो गया है। वायदा कारोबार की तरह, लोग बड़े-बड़े वादे तो कर लेते हैं, लेकिन जब डिलीवरी देने का समय आता है, तो 'मार्केट क्रैश' हो जाता है। कई दोस्त और रिश्तेदार इस दौर के 'इनसाइडर ट्रेडर' बन चुके हैं- बाहर से मासूम लगते हैं, लेकिन अंदर ही अंदर आपकी कीमत गिराने की साजिशें चल रही होती हैं। आजकल जब कोई आपसे बहुत मीठा बोलता है, तो यह समझने में देर नहीं लगती कि या तो वह आपसे कुछ उधार लेना चाहता है या फिर कोई और फायदा उठाने के लिए पास आ रहा है। यह दौर वही है, जहां दोस्ती भी 'मार्केट सिचुएशन' देखकर बनाई और तोड़ी जाती है।

विश्वसनीयता का संकटः सवाल है आज की दुनिया में नैतिकता, सच्चाई और अच्छाई का मूल्य आखिर इतना कम क्यों हो गया है? ऐसा नहीं है कि यह दुनिया शुरू से ही ऐसी थी। पहले लोगों की पूंजी उनका चरित्र हुआ करता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब ईमानदार इंसान को 'अनप्रॉफिटेबल इन्वेस्टमेंट' मान लिया जाता है। किसी की मदद कर दो तो लोग सोचने लगते हैं कि इसमें आपकी क्या चाल है! आज के दौर में अगर आप बिना किसी स्वार्थ के किसी की मदद कर दें, तो सामने वाला शक की नजरों से देखने लगता है। लोग भरोसे की डीलिंग में इतने बार ठगे जा चुके होते हैं कि अब जल्दी किसी पर विश्वास करने से डरते हैं।

बनी रहे रिश्ते-भरोसे की गरिमाः अगर इंसान इसी राह पर चलता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब नैतिकता और मूल्यों की बाजार में कोई खरीद-फरोख्त नहीं बचेगी। लोग केवल दिखावे और मुनाफे के स्टॉक्स में निवेश करेंगे, और इंसानियत का सेंसेक्स हमेशा के लिए क्रैश हो जाएगा। इसलिए जरूरी है कि हम सिर्फ मुनाफे और अवसर के व्यापारी न बनें, बल्कि ऐसे निवेशक बनें जो रिश्तों और भरोसे के ब्लू-चिप स्टॉक्स में लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट करें। तभी समाज का शेयर बाजार स्थिर रहेगा और नैतिकता का ग्राफ फिर से ऊपर जाएगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

शैलेंद्र का गीतों भरा जीवन

अपने छोटे से जीवन में ही गीतकार शैलेंद्र ने ऐसे यादगार और शानदार गीत रचे, जो आज भी लोगों की जुबान पर हैं। उनके फिल्मी, गैर फिल्मी गीतों के साथ ही उनके जीवन के तमाम अनछुए पहलुओं पर रोशनी डालती है किताब 'सजनवा बैरी हो गये हमार-गीतकार शैलेंद्र का जीवन और लेखन', जिसे लिखा है, चर्चित फिल्म समीक्षक और लेखक जय सिंह ने। इस किताब से गुजरते हुए हम शैलेंद्र के जीवन में आए तमाम उतार-चढ़ावों से रूबरू हो सकते हैं। परिश्रम से लिखी गई इस किताब में शैलेंद्र के जीवन से जुड़े कई रोचक और मार्मिक किस्सों को पूरी प्रामाणिकता के साथ संजोया गया है। जीवन के हर रंग और गहन दर्शन को सरल शब्दों में पिरोने वाले शैलेंद्र के बारे में इरशाद कामिल ने पुस्तक की भूमिका में सही ही लिखा है, 'शैलेंद्र शब्दों का शिल्प जानता था, कविता की कला जानता था, भावनाओं के सागर की गहराई जानता था और लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता जानता था।' *

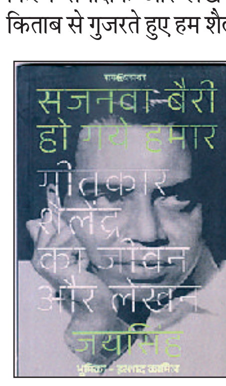

पुस्तकः सजनवा बैरी हो गये हमार, **लेखकः** जय सिंह, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** वाम प्रकाशन, नई दिल्ली

सुबह का भूला

कई बार हम किसी दंभ में जीते हुए अपनों से दूर हो जाते हैं। उम्र के एक पड़ाव पर आकर हमें अपनों की जरूरत महसूस होती है, किसी विपदा में तो और भी ज्यादा, लेकिन तब तक बहुत दूरियां बन चुकी होती हैं, रिश्ते मुरझा चुके होते हैं। जीवन की विसंगति को प्रकट करती कहानी।

कहानी / संजय मृदुल

फाइव स्टार होटल जैसा बड़ा हॉस्पिटल, लॉबी में भीड़-भाड़ के बीच कॉफी शॉप की एक टेबल पर अल्पना अकेली बैठी थी। कॉफी से उठता धुआं अल्पना की आंखों में भर रहा था। अल्पना के चेहरे पर तनाव झलक रहा था। हॉस्पिटल का माहौल ऐसा होता ही है कि अच्छे-भले इंसान का दिल बैठ जाए। वार्डों में कहीं पट्टियों में लिपटे मरीज, किसी बिस्तर पर आंख बंद कर लेटे हुए इंसान के सिर के बाजू रखी मशीन की डरावनी आवाज। आईसीयू के बाहर बैठे परिवारजनों के चेहरे पर किसी आस के भाव, तो किसी की आंखों में निराशा की झलक। अल्पना का यह पहला अवसर था, जब उसे अस्पताल में एक जगह से दूसरी जगह भाग-दौड़ करनी पड़ रही थी।

उधर अल्पना के पिता जी का ऑपरेशन चल रहा था। उन्हें दो दिन पहले सुबह-सुबह सीने में दर्द उठा। अल्पना ने नौकर की मदद से जैसे-तैसे कार से लाकर उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया। पता चला धमनियों में ब्लॉकेज है। तात्कालिक उपचार और जाने कितने टेस्ट के बाद आज ऑपरेशन हो रहा है।

अल्पना को समझ में नहीं आ रहा है, किसे कॉल करें। खुद पर उसे भरोसा नहीं हो रहा था कि वह सब संभाल पाएगी। जितने भी रिश्तेदार हैं शहर में, उनसे बस औपचारिक-सा रिश्ता है। न वो किसी के घर जाती है, न ही कोई उसके घर आता है। मन में एक ख्याल यह भी आ रहा था कि अकेले ही संभालना ठीक है, क्यों किसी का एहसान लिया जाए।

इसी ऊहापोह में अल्पना ने बैठे-बैठे कुछ लोगों को पिता जी के बारे में बताने के लिए कॉल किया। मामा जी, चाचा जी, मौसा जी जैसे निकट के रिश्तदारों को। सबने आश्चर्य जताया, सहानुभूति दिखाई और जरूरत पड़े तो बताना जैसे वाक्य बोल इतिश्री कर ली। पिता जी के चचेरे भाई को लगा, पैसे न मांग लें तो वो बिना कुछ कहे पैसों का दुखड़ा रोने लगे।

अल्पना को न पैसों की जरूरत थी न ही भीड़ की, उसे लग रहा था कि कोई होता यहां, जो उसकी हिम्मत बढ़ाता, उसका हाथ थामता, उसका अकेलापन बांटता। मुश्किल की इस घड़ी में उसे कोई ऐसा नजर नहीं आया, जो उसका साथ देता।

गलती किसकी है? अल्पना सोचती रही-हम ही तो समय, व्यस्तता के बहाने बनाकर लोगों से दूरी बना लेते हैं। न किसी के घर जाना, न किसी को बुलाना। सोशल मीडिया में भीड़ वाली लिस्ट में लोगों से जुड़े रहना और जीवन में तन्हा रहना, यही आज की कड़वी सच्चाई है।

पद-प्रतिष्ठा के रुआब में अकड़े हुए, शहर-शहर भटकते हुए जीवन बिता देने वाले उसके पिता ने न कभी रिश्ते जोड़े, न परिवार को जुड़ने दिया। मां भी अपने पति की ऐसी आज्ञाकारी थीं कि जैसा पति ने कहा, वही पत्थर की लकीर बन गया। न मायके में संबंध बनाए रखा, न ससुराल में नाता जोड़ पाईं वह। अल्पना सबको बस या तो नाम से जानती थी या पुरानी अलबम में देखी तस्वीरों से। जब पिता जी के रिटायर होने का समय आया तो उन्हें अपना शहर याद आया। आता भी क्यों नहीं, सारा जीवन अलग-अलग शहरों में घूमने के बाद कहीं तो ठिकाना बनाना था। फिर मां भी नहीं हैं, उनके साथ। भाग-दौड़ के बीच एक दिन मां दुनिया छोड़ कर चली गई थीं। हमेशा खामोश रहने वाली मां ने न अपनी बीमारी बताई, न मन में भरा हुआ बारूद खाली कर पाई। पति के अफसर वाले व्यवहार को झेलती-सहती एक रात वह जो सोईं तो सुबह उठी ही नहीं। अल्पना भी पढ़ाई के बाद पुणे में नौकरी कर रही है। छुट्टियों में आती है तो पिता जी के ढेर काम इकट्ठा होते हैं। रिटायर होने के बाद भी उनका व्यवहार अफसर वाला ही है। पिता कम अफसर ज्यादा लगते हैं वह। तीन-चार दिन की छुट्टियों में पिता जी को केवल काम याद रहता है। ऐसा नहीं कि बैठ कर मन की बातें करें, उसके भविष्य की प्लानिंग पूछें। मां को याद कर लें। बचपन में अल्पना सोचती थी, पिता कभी और लोगों की तरह नॉर्मल क्यों नहीं रहते? उसकी सहेलियों के पिताओं की तरह क्यों उसे लाड नहीं करते?

अल्पना को आज लग रहा था, कितनी बड़ी गलती की उन्होंने। सभी इसी शहर में रहते हैं, बुआ, चाचा, उनका परिवार, लेकिन आज कोई उसके साथ नहीं है। किसे फिक्र है उसकी? किसी ने भी उससे नहीं कहा, 'तुम चिंता मत करो, हम हैं ना।'

कॉफी के मग से उठते धुएं के बीच अल्पना सोचती है कि यह पिता जी की गलती सुधारने का सही मौका है। लेकिन यह भी भय था कि सब ऐसा न समझें कि मतलब पड़ा, तो सबसे संबंध जोड़ रही है वह। बड़ी हिम्मत कर अल्पना ने परिवार के व्हाट्स एप ग्रुप में स्थिति बयान की और सबसे माफी मांगते हुए निवेदन किया कि बीती बातों को भुलाकर पिता जी और उसे मौका दें फिर से जुड़ने का। आज जब उसके ऊपर परेशानी आई है तो उसके साथ खड़े हों, उसका हाथ थाम कर उसे संभालें। अब सबकी मर्जी चाहे अवसर दें या ठुकरा दें। अल्पना को उम्मीद थी, जब सुबह का भूला शाम को घर आना चाह रहा है, कोई तो दरवाजा खोलेगा। *

विज्ञापन.......

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक | व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

रिटायरमेंट पर तीन करोड़ चाहिए, तो ऐसे करें निवेश

सुझाव | बिजनेस डेस्क

- कुछ निवेश की स्कीम आपको बना सकती हैं धनवान
- हर कोई बना सकता है रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड
- एनपीएस और म्यूचुअल फंड निवेश के बेहतर विकल्प

क्या आप चाहते हैं कि जब आप अपनी नौकरी से रिटायर हों तो आपके पास कम से कम 3 करोड़ रुपये की रकम जरूर हो। यानी रिटायरमेंट फंड 3 करोड़ रुपये हो, ताकि आप बाकी की जिंदगी आराम से गुजार सकें और अपने खर्चों को मेंटेन कर सकें। इसके लिए आपको कई स्कीम में निवेश करना होगा। बेहतर होगा कि निवेश का प्लान जल्दी से जल्दी बना लिया जाए। अगर आपकी उम्र अभी 35 साल है तो भी अगले 25 साल में आप 3 करोड़ रुपये का रिटायरमेंट फंड इकट्ठा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि आप किस तरह की रणनीति बनाएं कि 25 साल में 3 करोड़ रुपये का फंड जुटा सकें और बुढ़ापे को आराम से काट सकें।

एक उदाहरण ऐसे समझें रणनीति

मान लिजिए एक्स की उम्र अभी 35 साल है। उसका लक्ष्य है कि वह 10 साल में 20 लाख रुपये जमा करें। साथ ही अगले 25 साल में 3 करोड़ रुपये का रिटायरमेंट फंड बनाए। एक्स ने अपने लक्ष्य को पाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। वह पहले से ही नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में योगदान कर रहे हैं। अब वह हर महीने 20,000 रुपये म्यूचुअल फंड में लगाना चाहते हैं। हालांकि एक्स जानना चाहते हैं कि वह रकम को और कहां निवेश कर सकते हैं। जिससे उसके पैसे से मोटा पैसा बनाया जा सके।

क्या है एक्सपर्ट की राय

बाजार के जानकारों का कहना हहै कि एक्स अभी एम्प्लॉयर-एम्प्लॉई स्कीम में योगदान कर रहे हैं। इसका मतलब है कि वह अपनी सैलरी से 10% योगदान करते हैं और एम्प्लॉयर 14% योगदान करते हैं। अभी वह हर महीने 15,000 रुपये निवेश कर रहे हैं। अगर सैलरी में हर साल 7% की बढ़ोतरी होती है और उसी के अनुसार योगदान भी बढ़ता है। ऐसे में 10% सीएजीआर (सीएजीआर) के हिसाब से उनका एनपीएस निवेश 25 साल में करीब 3.42 करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है। सीएजीआर का मतलब है सालाना चक्रवृद्धि ब्याज दर। चक्रवृद्धि ब्याज ही एक ऐसा उपाय है जो आपको कम समय में अमीर बना सकता है।

एनपीएस में इस बात का रखें ध्यान

एनपीएस में निवेश के जरिए वह रिटायरमेंट पर 3 करोड़ रुपये का फंड पा सकते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि एनपीएस फंड का केवल 60% ही रिटायरमेंट के समय एकमुश्त निकाला जा सकता है। बाकी 40% का इस्तेमाल एन्युटी खरीदने के लिए किया जाना चाहिए। एन्युटी का मतलब है कि आपको हर महीने एक निश्चित राशि मिलती रहेगी।

म्यूचुअल फंड से कितनी मिलेगी रकम

एक्स एनपीएस के अलावा हर महीने 20,000 रुपये म्यूचुअल फंड में भी निवेश करने की योजना बना रहे हैं। अगर 12% का सालाना रिटर्न मान लें तो 10 साल में उनके पास करीब 45 लाख रुपये का फंड इकट्ठा हो जाएगा। ऐसे में वह इस रकम का इस्तेमाल अपने किसी जरूरी काम में कर सकते हैं। वहीं अगर वह इस एसआईपी को पूरे 25 साल तक जारी रखते हैं तो वह इतने समय में करीब 3.40 करोड़ रुपये का फंड इकट्ठा कर लेंगे। यानी रिटायरमेंट पर उन्हें जितनी रकम मिलेगी, करीब उतनी रकम वह एसआईपी में निवेश से भी ले सकेंगे। ऐसे में वह रिटायरमेंट पर कुल करीब 7 करोड़ रुपये का फंड तैयार कर लेंगे। अगर आप एनपीएस में निवेश नहीं करना चाहते तो एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में भी निवेश करके 3 करोड़ रुपये से ज्यादा का रिटायरमेंट फंड तैयार कर सकते हैं।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- यह निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प, इक्विटी से बेहतर
- 25 साल में सोने ने 2,027% और निफ्टी ने 1,470% रिटर्न दिया
- एसजीबी की अनुपलब्धता में गोल्ड ईटीएफ निवेश का अच्छा तरीका

गोल्ड ने शेयर बाजार से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया, देश में आर्थिक मंदी के दौरान भी चमकता रहा सोना

असली रिटर्न तो सोने ने दिया 25 वर्ष में 2,027% का मुनाफा

2008 की आर्थिक मंदी और कोरोना महामारी के दौरान भी सोने ने अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय निवेशकों के लिए सोना अच्छा विकल्प है। यह उन्हें अपने निवेश को अलग-अलग चीजों में बांटने में मदद करता है। अब सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए गोल्ड ईटीएफ सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है।

निवेश के मामले में सोना आखिरकार खरा सोना है। यह निवेश का सबसे सुरक्षित और अच्छा मुनाफा देने वाला विकल्प है। सोने में कई तरीके से निवेश किया जा सकता है। देश में चाहे मंदी हो या शेयर बाजार में उथल-पुथल, लेकिन सोना हमेशा चमकता रहा और निवेशकों को मालामाल करता रहा। इसलिए बाजार के जानकार भी सोने में निवेश करने की कहते हैं। पिछले 25 सालों के आंकड़े को देखा जाए तो सोने ने इक्विटी (शेयर बाजार) से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, हाल के वर्षों और खासकर आर्थिक मंदी के दौरान भी सोने ने अच्छा रिटर्न दिया है। सोने में निवेश का सबसे अच्छा तरीका गोल्ड ईटीएफ माना जा रहा है, खासकर भारतीय निवेशकों के लिए। निवेशकों के लिए सोना एक सुरक्षित विकल्प माना जाता है। यह उन्हें भरोसा दिलाता है कि उनका पैसा भरोसेमंद चीज में लगा है। एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जेरोधा ने सोने और निफ्टी-50 के प्रदर्शन की तुलना की है। उन्होंने पाया कि वर्ष 2,000 से सोने ने 2,027% का रिटर्न दिया है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के बेंचमार्क इंडेक्स ने 1,470% का रिटर्न दिया। यह दिखाता है कि सोना मुश्किल समय में भी अच्छा प्रदर्शन करता है। 2008 की आर्थिक मंदी और कोरोना महामारी के दौरान भी सोने ने अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय निवेशकों के लिए सोना अच्छा विकल्प है। यह उन्हें अपने निवेश को अलग-अलग चीजों में बांटने में मदद करता है। अब सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए गोल्ड ईटीएफ सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है।

ऐसे की तुलना

जेरोधा ने एक चार्ट भी दिखाया, जिसमें सोने और निफ्टी के प्रदर्शन की तुलना की गई। चार्ट में दिखाया गया है कि निफ्टी आर्थिक मंदी के दौरान नीचे गिर गया था, लेकिन सोना स्थिर रहा। उन्होंने कहा, 'कोई नहीं बता सकता कि सोने की कीमतें क्यों बढ़ती हैं, लेकिन यह काम करता है।'

2025 में सोने की कीमत 18% बढ़ी

हाल के दिनों में सोने ने अच्छा प्रदर्शन किया है। 2025 में सोने की कीमत 18% बढ़ी, जबकि निफ्टी लार्ज मिडकैप 250 में 6% की गिरावट आई। 2024 में सोने ने 25% का रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी लार्जकैप 250 ने 19% का रिटर्न दिया। यह दिखाता है कि सोना बाजार में अस्थिरता के समय में भी अच्छा प्रदर्शन करता है। 2005 से सोने ने हर साल औसतन 20% का रिटर्न दिया है। सिर्फ तीन बार ऐसा हुआ है जब सोने का रिटर्न नेगेटिव रहा है। 2023 में यह 18% गिरा, 2015 में 8% और 2021 में 2%। सोने ने इक्विटी से बेहतर रिटर्न दिया है। उन्होंने कहा, 'मैं तारीखों को थोड़ा बदल रहा हूं, लेकिन यह सच है कि 2000 से सोने ने निफ्टी से ज्यादा रिटर्न दिया है।'

सोने में निवेश का सबसे अच्छा तरीका

गोल्ड ईटीएफ भारतीय निवेशकों के लिए सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका है। खासकर अब जब एसजीबी उपलब्ध नहीं हैं। जेरोधा एएमसी के गोल्ड ईटीएफ गोल्डकेस के लॉन्च के बारे में भी बात की। यह सही समय पर लॉन्च हुआ है, क्योंकि सोने की कीमतें बढ़ रही हैं और एसजीबी का जारी होना बंद हो गया है। सोने को ज्यादातर निवेशक एक सुरक्षित ठिकाना मानते हैं। उन्हें लगता है कि सोना एक ऐसी संपत्ति है जिस पर वे भरोसा कर सकते हैं। पिछले कुछ सालों में सोने ने शेयर बाजार से बेहतर प्रदर्शन किया है।

सोने में निवेश के तरीके

- भौतिक सोना खरीदना
- सोने के सिक्के या बार : सोने के सिक्के या बार खरीदना एक पारंपरिक तरीका है।
- सोने के जेवर : सोने के जेवर भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- सोने के बर्तन : सोने के बर्तन भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ)

- गोल्ड ईटीएफ में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।

गोल्ड म्यूचुअल फंड्स

- गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।

ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म

- ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जैसे कि पेटीएम गोल्ड, गोल्डबाजार, आदि पर सोने में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर सोने में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।

सोने के शेयर और फ्यूचर्स

- सोने के शेयरों में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- सोने के फ्यूचर्स में निवेश करना एक जोखिम भरा विकल्प हो सकता है।

निवेश से पहले यह करें

- सोने में निवेश करने से जोखिम जुड़ा हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि अपने निवेश के लक्ष्य तय करें, जैसे कि लंबी अवधि के लिए निवेश करना या अल्पावधि में लाभ कमाना। अपने निवेश की राशि तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।

कम अमाउंट से भी बढ़ता जाएगा आपका पैसा, कुछ दिनों में आपके पास अच्छी खासी रकम होगी, रिकरिंग डिपॉजिट एक सुरक्षित निवेश विकल्प

सेविंग के लिए मोटी रकम नहीं है तो आरडी की आदत डालें

देखा जाए तो आरडी उन लोगों के लिए बेहतर है, जिनकी इनकम फिक्स है और वे नियमित रूप से बचत करना चाहते हैं। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो बड़ी रकम एकमुश्त जमा नहीं कर सकते हैं। आरडी आपको छोटी-छोटी बचत से बड़ा फंड बनाने में मदद करता है।

जानकारी | बिजनेस डेस्क

भारत में निवेश के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट एक बहुत ही लोकप्रिय और सुरक्षित विकल्प है। इसमें निवेशकों का पैसा सुरक्षित रहता है और रिटर्न की गारंटी भी मिलती है, लेकिन इसके लिए बड़ी रकम की जरूरत होती है। अगर आपके पास बड़ी रकम नहीं है, तो चिंता की बात नहीं! रिकरिंग डिपॉजिट भी एक ऐसा विकल्प है, जिसमें आप छोटी-छोटी रकम जमा करके बड़ा फंड बना सकते हैं.

आरडी यानी रिकरिंग डिपॉजिट क्या है

आरडी यानी रिकरिंग डिपॉजिट एक ऐसी बचत योजना है, जिसमें आप हर महीने एक निश्चित रकम जमा करते हैं। यह उन लोगों के लिए आदर्श है, जिनकी इनकम फिक्स है और वे नियमित रूप से बचत करना चाहते हैं। आरडी में आप कम अमाउंट से शुरूआत कर सकते हैं और समय के साथ बड़ा रिटर्न पा सकते हैं।

आरडी कैसे करता है काम

आरडी में निवेशक हर महीने एक तय अमाउंट जमा करते हैं। यह समय 6 महीने से 10 साल तक हो सकता है। बैंक या पोस्ट ऑफिस इस जमा अमाउंट पर ब्याज देते हैं। यह ब्याज आमतौर पर हर तीन महीने में जोड़ा जाता है यानी क्वॉटर्ली कम्पाउंडेड होता है। जब आरडी मैच्योर होता है, तो निवेशक को कुल जमा रकम के साथ उस पर मिला ब्याज भी मिलता है। यह एक अच्छा तरीका है अपने पैसे को बचाने और बढ़ाने की शुरूआत कर सकते हैं। इससे कुछ समय में आप अपनी पूंजी को बढ़ा सकते हैं।

आरडी के फायदे

- हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम जमा कर आप बड़ी रकम जुटा सकते हैं और छोटी अवधि वाले वित्तीय लक्ष्यों जैसे बच्चों की फीस, छुट्टियों की प्लानिंग या नया मोबाइल फोन खरीद सकते हैं। पैसे को कहीं भी किसी भी काम में ला सकते हैं।
- जो लोग बचत के मामले में थोड़े आलसी हैं, उनके लिए आरडी एक बढ़िया तरीका है डिसिप्लिन लाने का। एक बार सेट कर दिया, फिर हर माह रकम अपने आप कटती रहेगी।
- स्टॉक मार्केट की तरह उतार-चढ़ाव नहीं, आरडी पूरी तरह सुरक्षित है। आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है और आपको गारंटीड रिटर्न भी मिलता है। इसलिए आपको इस निवेश में घबराने की जरूरत नहीं होती।
- आरडी पर मिलने वाला ब्याज फिक्स होता है, और उस पर कंपाउंडिंग लागू होती है। यानी ब्याज पर ब्याज, जिससे आपकी कमाई और बढ़ती जाती है।
- आरडी खोलना बेहद आसान है–बैंक की ऐप या वेबसाइट से बस कुछ क्लिक में अकाउंट खुल जाता है और अगर आप पोस्ट ऑफिस स्कीम चुनते हैं, तो वहाँ भी प्रोसेस सिंपल है।

आरडी के कुछ नुकसान भी

- समय से पहले निकासी पर नुकसान होता है। अगर आप आरडी को मैच्योरिटी से पहले तोड़ते हैं तो उस पर पेनाल्टी लगती है और ब्याज भी कम मिल सकता है। यानी 'जल्दबाज़ी में नुकसान हो सकता है। इसलिए आरडी पूरी होने पर ही पैसा निकलवाएं।
- आप एक बार जितना अमाउंट सेट कर देते हैं, वही हर महीने जमा करना होता है। बीच में ज्यादा पैसा डालना है? तो नए आरडी खोलनी पड़ेगी। यानी इसमें कोई फ्लेक्सिबिलिटी नहीं होती।
- अगर आरडी की शुरुआत के बाद मार्केट में ब्याज दरें बढ़ जाएं, तो आपको फायदा नहीं मिलेगा। आपकी आरडी पुरानी दर पर ही चलती रहेगी।
- आरडी पर मिलने वाला ब्याज पूरी तरह टैक्सेबल है। अगर सालाना ब्याज 40,000 रुपये (या सीनियर सिटीजन के लिए 50,000) से ज्यादा होता है, तो इस पर टीडीएस भी कटता है।

किन लोगों के लिए बेहतर

देखा जाए तो आरडी उन लोगों के लिए बेहतर है, जिनकी इनकम फिक्स है और वे नियमित रूप से बचत करना चाहते हैं। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो बड़ी रकम एकमुश्त जमा नहीं कर सकते हैं।

एलन का निःशुल्क नीट नेशनल मॉक टेस्ट 20 को

कोटा। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट 4 मई को आयोजित होने जा रही है। इस बड़ी परीक्षा से पहले नेशनल लेवल पर सेल्फ एनालिसिस के लिए एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट की ओर से देशभर के स्टूडेंट्स के लिए निःशुल्क नीट नेशनल मॉक मेजर टेस्ट 20 अप्रैल को आयोजित किया जा रहा है। यह टेस्ट ओपन फॉर आल होगा, जिसमें एलन स्टूडेंट्स के साथ देश के अन्य स्टूडेंट्स भी निःशुल्क शामिल हो सकेंगे।

देश के स्टूडेंट्स की नीट परीक्षा की तैयारी को परखने के लिए एलन की ओर से यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। यह परीक्षा पूरे देश में एलन के देश में 59 शहरों में 138 क्लासरूम कैम्पस पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा 20 अप्रैल, रविवार को दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक होगी। एलन की ओर से आयोजित इस परीक्षा में एलन से बाहर के अन्य स्टूडेंट्स भी निःशुल्क शामिल हो सकेंगे। इसका उद्देश्य है कि स्टूडेंट्स समय अपना सेल्फ एनालिसिस कर सकें और मुख्य परीक्षा में पहले अपने प्रदर्शन में सुधार ला सकें। एलन से बाहर के स्टूडेंट्स एलन वेबसाइट www.allen.ac.in पर जाकर निःशुल्क रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। यह टेस्ट स्टूडेंट्स को रियल एग्जाम जैसा माहौल प्रदान करेगा, जिससे वे अपने टाइम मैनेजमेंट, एक्यूरेसी में सुधार के साथ अपनी तैयारी के स्तर का एनालिसिस कर सकें। इससे आत्मविश्वास भी मजबूत होगा एवं स्टूडेंट्स समय रहते अपनी कमजोरियों को भी पहचान सकेंगे। परीक्षा भारत के लगभग सभी राज्यों में होगी।

सभी पुराने कर्ज मिलाकर नया लोन लेना फायदे का सौदा या मुसीबत

योजना | बिजनेस डेस्क

एक साथ कई कर्जों को संभालना और समय पर सबका भुगतान करना मुश्किल हो जाता है। इससे कभी-कभार किस्त चूकने का खतरा भी होता है। ऐसे में सभी कर्जों को मिलाकर एक ही आसान किस्त में चुकाना एक समझदारी भरा कदम हो सकता है। डेट कंसोलिडेशन यानी डेट कंसोलिडेशन एक ऐसी रणनीति है, जिसमें आपके सारे पुराने कर्जों को मिलाकर एक नया लोन बना दिया जाता है। इससे आपको कई किस्तों की जगह सिर्फ एक ही ईएमआई भरनी होती है। यह प्रक्रिया बैंक या फाइनेंशियल इंस्टिट्यूट के जरिए की जाती है। डेट कंसोलिडेशन से पुराने लोन चुकाने की प्रक्रिया आसान हो जाती है। साथ ही, इसमें ब्याज दर कम होने की संभावना होती है या चुकाने का समय बढ़ सकता है, जिससे आपकी जेब पर बोझ भी कम पड़ता है।

> ■ **पैसे उधार लिए शख्स को सिर्फ एक ही ईएमआई भरनी होगी**

अपने सभी मौजूदा कर्जों का आकलन करें

सबसे पहले यह समझें कि आपने कुल कितना कर्ज लिया हुआ है। हर लोन पर कितना ब्याज लग रहा है, कितने समय में चुकाना है और कहीं कोई जुर्माना या एक्स्ट्रा चार्ज तो नहीं है, ये सब बातें जांच लें। इससे आपको अपनी वित्तीय हालत का सही अंदाजा लगेगा और सही फैसला लेने में मदद मिलेगी।

लोन लेने की योग्यता समझें

आपका क्रेडिट स्कोर यह बताता है कि आपने अब तक अपने कर्ज कैसे चुकाए हैं। अगर ये स्कोर अच्छा है, तो आपको लोन पर कम ब्याज दर मिल सकती है और लोन लेना भी आसान हो जाता है। इसलिए सबसे पहले अपना क्रेडिट स्कोर चेक करें। अगर स्कोर ज्यादा है, तो आपको बेहतर शर्तों जैसे –कम ब्याज, ज्यादा लोन राशि या लोन चुकाने के लिए ज्यादा समय पर लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि, लोन को एक साथ मिलाकर नया लोन लेने से क्रेडिट स्कोर थोड़े समय के लिए थोड़ा घट सकता है, लेकिन अगर आप समय पर किस्तें भरते रहें तो आपका स्कोर फिर से अच्छा हो सकता है।

क्या कहते हैं जानकार

बाजार के जानकारों का कहना है कि अच्छा क्रेडिट स्कोर अक्सर आपको डेट कंसोलिडेशन पर कम ब्याज दरों के लिए योग्य बनाता है। इससे कुल ब्याज खर्च कम हो जाता है और रिपेमेंट को मैनेज करना हो सकता है। अच्छा क्रेडिट स्कोर होने पर आपको लोन चुकाने के लिए ज्यादा समय मिल सकता है या जरूरत से ज्यादा पैसा भी मिल सकता है। इससे लोन चुकाना आसान हो जाता है और आप अपने पैसों को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं।

ब्याज दर और दूसरे शुल्क देखें

अपने पुराने लोन को मिलाकर जब आप नया लोन लेने की सोच रहे हों, तो यह जरूर देखें कि कहीं उस पर ज्यादा ब्याज या कोई एक्स्ट्रा चार्ज तो नहीं हैं। नया लोन तभी फायदेमंद है जब उसकी ब्याज दर और बाकी चार्ज आपके पुराने लोन से कम हों। इसलिए अलग-अलग विकल्पों की तुलना करना जरूरी है।

लोन चुकाने की अवधि और योजना देखें

अगर आप लंबे समय के लिए लोन लेते हैं तो आपकी हर महीने की किस्त (ईएमआई) कम हो सकती है, लेकिन ऐसा करने से आपको कुल मिलाकर ज्यादा ब्याज देना पड़ सकता है। इसलिए चुकाने की अवधि सोच-समझकर चुनें, ताकि आपकी जेब पर ज्यादा बोझ न पड़े।

खर्च करने की आदतों पर लगाम लगाएं

सभी मौजूदा कर्जों को मिलाकर जब आप एक नया लोन लेते हैं यानी डेट कंसोलिडेशन स्टैटेजी अपनाते हैं, तो जरूरी है कि आप फालतू खर्च से बचें और कोई नया कर्ज न लें। अगर आप खर्च पर कंट्रोल नहीं रखेंगे तो कर्ज कम होने के बजाय और बढ़ सकता है। इसलिए समझदारी से बजट बनाएं, जरूरत के मुताबिक ही खर्च करें, और समय पर किस्त चुकाएं। अगर किसी बात को लेकर भ्रम हो, तो अपने वित्तीय सलाहकार से बात करके अपनी स्थिति के हिसाब से सही सलाह जरूर लें। ऐसा करने से आपको अपनी वित्तीय हालत के हिसाब से डेट कंसोलिडेशन रणनीति आपनाने में मदद मिल सकती है।

अच्छा तरीका संभव

सभी कर्जों को मिलाकर एक लोन लेना (डेट कंसोलिडेशन) कई बार कर्ज संभालने का अच्छा तरीका हो सकता है, लेकिन इसे अपनाने से पहले ये देखना जरूरी है कि ये तरीका आपके लिए सही है या नहीं। इसका आपके पैसों पर क्या असर पड़ेगा, ये समझकर ही कोई फैसला लें। अगर आप सोच-समझकर सही फैसला लेंगे, तो कर्ज चुकाने में आसानी होगी और आपकी आर्थिक हालत भी लंबे समय तक मजबूत बनी रहेगी। पहले तो कोशिश यही करें की लोन न लेना पड़े।

इंडेक्स फंड का क्या है, निवेश से समझ लें नफा व नुकसान

इंडेक्स फंड एक ऐसा इनवेस्टमेंट ऑप्शन है, जिसमें निवेशक एक तय इंडेक्स जैसे निफ्टी 50 या सेंसेक्स को फॉलो करने वाली स्कीम में पैसे लगाते हैं। निवेश का यह तरीका पैसिव इन्वेस्टमेंट कहलाता है, जिसमें फंड मैनेजर खुद स्टॉक्स नहीं चुनते, बल्कि इंडेक्स में शामिल शेयरों के अनुपात के अनुसार पोर्टफोलियो तैयार करते हैं। इंडेक्स फंड में निवेश करना हमारे लिए सही है या नहीं, यह जानने के लिए इसके मायने, फायदे और नुकसान को समझना जरूरी है।

क्या होते हैं इंडेक्स फंड

इंडेक्स फंड ऐसे म्यूचुअल फंड होते हैं जो किसी एक खास स्टॉक मार्केट इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करते हैं। मिसाल के तौर पर अगर कोई इंडेक्स फंड निफ्टी 50 को फॉलो करता है, तो वह उन्हीं 50 स्टॉक्स में उसी अनुपात में निवेश करेगा जैसे वो इंडेक्स में होते हैं। यह तरीका एक्टिव फंड्स से अलग होता है, जहां फंड मैनेजर बाजार से बेहतर रिटर्न हासिल करने के मकसद से स्टॉक्स का सेलेक्शन करते हैं।

1. **डायवर्सिफिकेशन** : इंडेक्स फंड की सबसे बड़ी खूबी है। एक इंडेक्स फंड में निवेश करके आप एक ही बार में कई कंपनियों के शेयरों में पैसे लगा पाते हैं।

समंदर में डूबा हुआ है 5500 टन सोना-चांदी, पानी में समा गए थे खजाना ले जा रहे 250 जहाज

हर किसी का सपना होता है कि उसे कहीं से पड़ा हुआ या गड़ा हुआ खजाना मिल जाए और वो रातोंरात अमीर बन जाए। खजाने की खोज में दुनियाभर के कई लोग ऐसी-ऐसी दुर्गम जगहों पर गए हैं, जहां से कुछ तो वापस ही नहीं लौट पाए। पुर्तगाल के समंदर में हजारों जहाज ऐसे डूबे हैं जिनमें छिपा है अरबों का खजाना। आर्कियोलॉजिस्ट मॉन्टीरो की रिपोर्ट से यह बड़ा खुलासा हुआ। हालांकि कई जगह ऐसे भी हैं, जहां हजारों टन सोना-चांदी पड़ी हुई है, लेकिन कोई भी उसे आसानी से निकाल नहीं सकता। आज हम आपको उस खजाने के बारे में बताने जा रहे हैं, जो समुद्र की गहराइयों में दफ्न है।

5500 टन सोना-चांदी

जी हां, आज हम आपके समुद्र में दफ्न एक ऐसे ही खजाने के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे बारे में जानकर आपके भी होश उड़ जाएंगे।साल 2024 के दिसंबर में पुर्तगाल के समंदर में करीब 5500 टन सोना-चांदी का विशाल खजाना मिलने का दावा किया गया था। पुर्तगाल के एक पुरातत्वविद एलेक्जेंडर मॉन्टीरो ने इस खजाने का पता लगाया है।

435 साल पहले डूबे जहाज

पुरातत्वविद एलेक्जेंडर मॉन्टीरो का अनुमान है कि समुद्र की गहराई में करीब 5500 टन से ज्यादा सोना-चांदी हो सकता है, जिसे 435 साल पहले 250 जहाजों द्वारा ले जाया जा रहा था। मॉन्टीरो ने ये भी दावा किया कि समुद्र में आज भी पुर्तगाल के आस-पास वो 250 जहाज हजारों टन सोना-चांदी के साथ समुद्र में डूबे हुए हैं।

हर एक जहाज में रहा 22 टन सोना

एलेक्जेंडर मॉन्टीरो के अनुसार सैकड़ों साल पहले प्रत्येक जहाज पर 22 टन सोना चांदी लादकर समुद्र के रास्ते ले जाया जा रहा था। 1589 में लिस्बन के दक्षिण में एक स्पैनिश गैलियोन जहाज डूबा था। मॉन्टीरो ने दावा किया कि ये विशाल खजाना नोसा सेनहोरा डो रोजारिया समुद्री इलाके में ट्रोजन प्रायद्वीप के पास डूबा है।

कहां डूबा हुआ है खजाना

मॉन्टीरो का कहना है कि 1589 में डूबे स्पैनिश जहाज में 22 टन सोना-चांदी था। ये ट्रोजन प्रायद्वीप के पास लिस्बन के दक्षिण में डूबा था। ऐसे कई जहाज मदीरा, अजोर्स और अन्य इलाकों में बिखरे पड़े हैं। पुर्तगाल के आर्कियोलॉजिस्ट एलेक्जेंडर मॉन्टीरो ने एक खास डेटाबेस तैयार किया है। इसमें करीब 250 जहाजों का जिक्र है जो सदियों पहले समंदर में डूब गए थे। इन जहाजों में करोड़ों का खजाना होने की उम्मीद है।

यहां डूबे हैं 8,500 से भी ज्यादा जहाज

कहा जाता है कि पुर्तगाल के आसपास करीब 8,500 से भी ज्यादा जहाज समंदर की गहराइयों में समाए हैं। इनमें से बहुत से जहाज खजानों से भरे हुए हैं, जो अभी तक खोजे नहीं गए। ये सभी जहाज 16वीं सदी से लेकर आज तक के दौर के हैं।

सुरक्षित नहीं है सोना

चिंता की बात ये है कि पुर्तगाल के पास इन खजानों को सुरक्षित रखने की व्यवस्था नहीं है। समंदर के नीचे अवैध खजाना शिकारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। आर्कियोलॉजिस्ट चाहते हैं कि इन्हें जल्दी से खोजकर संरक्षित किया जाए।

विज्ञान

हजारों साल पहले विलुप्त हुए भेड़िया को दोबारा किया जिंदा

13,000 साल पुराने दांत और 72,000 साल पुरानी खोपड़ी से डीएनए लिया

एजेंसी ▶▶| टेक्सास

विज्ञान की तरक्की की गवाह तो पूरी दुनिया बन रही है। हालांकि, क्या आपने कभी सोचा था कि इसके जरिए एक दिन किसी विलुप्त जानवर को दोबारा धरती पर लाना संभव हो पाएगा? यह चमत्कार असल में हो गया है। जी हां, टेक्सास की एक कंपनी ने 13 हजार साल पहले विलुप्त हो चुकी भेड़िए की एक प्रजाति को फिर से जिंदा कर दिया है। आइए जानते हैं कि यह कमाल कैसे संभव हो सका।

गेम ऑफ थ्रोन्स सीरीज में दिखे तीनों बच्चे

बायोसाइंसेज नाम की आनुवंशिक इंजीनियरिंग कंपनी ने इस चमत्कार को अंजाम दिया है। उन्होंने विज्ञान का सहारा लेते हुए 'डायर वुल्फ' नाम की प्रजाति को पुनः जीवित कर दिखाया है। उनके 'डी-एक्सटिंक्शन' कार्यक्रम के तहत इस नस्ल के 3 नन्हें भेड़ियों को जन्म दिया गया है, जिनका नाम रोमुलस, रेमुस और खलीसी है। आप सभी ने इस प्रजाति के भेड़ियों को मशहूर सीरीज गेम ऑफ थ्रोन्स में जरूर देखा होगा।

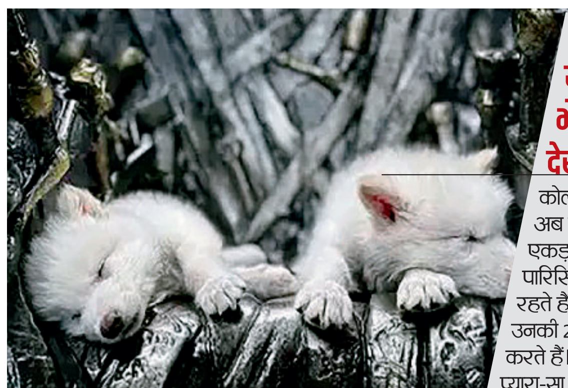

इस तरह की जा रही है इन भेड़ियों की देखभाल

कोलोसल ने बताया कि अब ये तीनों भेड़िया 2,000 एकड़ तक फैले पारिस्थितिक संरक्षण में रहते हैं, जहां 10 कर्मचारी उनकी 24सों घंटे देखभाल करते हैं। इन तीनों का एक प्यारा-सा वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ये दूध पीते, सोते, चिल्लाते और खेलते हुए नजर आ रहे हैं। इन भेड़ियों का रंग पूरी तरह सफेद है और ये स्वाभव से बेहद सक्रिय और चंचल लगते हैं। हालांकि, भेड़िया की इस प्रजाति को बेहद खतरनाक कहा जाता है।

जीवाश्मों से निकाला गया डीएनए आया काम

डायर भेड़िया को धरती पर वापस लाने के लिए कंपनी ने इस जानवर के प्राचीन जीवाश्मों से डीएनए निकाला। इसके साथ ही, इस प्रजाति से मेल खाने वाली 'ग्रे भेड़िये' की नस्ल के डीएनए सैंपल भी लिए गए थे। इन दोनों के मेल के जरिए ही इन नन्हें भेड़ियों का जन्म हुआ है। कोलोसल के सीईओ बेन लैम ने कहा, हमारी टीम ने 13,000 साल पुराने दांत और 72,000 साल पुरानी खोपड़ी से डीएनए लिया और स्वस्थ डायर भेड़िया बनाए।

बड़े जानवर भी आसानी से मार डालते थे डायर भेड़िए

डायर भेड़िए बेहद खतरनाक शिकारी हुआ करते थे, जो हिमयुग के दौरान उत्तरी अमेरिका में घूमा करते थे। वे इतने शक्तिशाली और तेज हुआ करते थे कि वे घोड़ों जैसे विशालकाय जानवरों का शिकार कर लेते थे। इनके विलुप्त होने के बाद ग्रे भेड़ियों ने इनकी जगह ले ली। जीव वैज्ञानिकों का कहना है कि डायर भेड़िए ग्रे भेड़ियों की तुलना में 25 प्रतिशत बड़े होते हैं।

कुत्ते ने दिया है इन भेड़ियों को जन्म

इन प्यारे भेड़ियों को बनाने के लिए, कोलोसल ने दैहिक कोशिका परमाणु स्थानांतरण का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाली कोशिकाओं को अंडों में बदला। उन्होंने इन अंडों को एक मादा कुत्ते के अंदर स्थापित किया, जिसने इन भेड़ियों को जन्म दिया।

धरती पर नहीं, बल्कि मंगल पर है ब्रह्मांड का सबसे बड़ा ज्वालामुखी

नई दिल्ली। पृथ्वी पर कई सक्रिय ज्वालामुखी मौजूद हैं, लेकिन, इन सभी की ऊंचाई और आकार मंगल ग्रह पर मौजूद एक ज्वालामुखी से बहुत ही कम है। मंगल ग्रह पर स्थित 'ओलंपस मॉन्स' नामक ज्वालामुखी को सौरमंडल का सबसे बड़ा ज्वालामुखी माना जाता है। इसे कोलंबस मॉन्स के नाम से भी जाना जाता है। इसकी खोज 1971 में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के 'मरिनेर 9' मिशन के दौरान हुई थी, जब पहली बार मंगल की कक्षा से इसकी तस्वीरें ली गईं।

कितना बड़ा है ओलंपस मॉन्स : ओलंपस मॉन्स ज्वालामुखी की ऊंचाई लगभग 22 किलोमीटर है, जो कि पृथ्वी पर मौजूद माउंट एवरेस्ट से लगभग ढाई गुना ज्यादा है।

इसकी चौड़ाई करीब 600 किलोमीटर तक फैली हुई है, जो एक बड़े देश के बराबर मानी जा सकती है। इसका आधार इतना चौड़ा है कि इसे मंगल की सतह पर आसानी से देखा जा सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह एक ढाल-ज्वालामुखी है, जिसका लावा धीरे-धीरे फैलता है।

क्यों खास है यह ज्वालामुखी?

ओलंपस मॉन्स सिर्फ अपने आकार के कारण ही खास नहीं है, बल्कि इसके सक्रिय होने के संकेत भी वैज्ञानिकों को मिलते रहे हैं।

हालांकि, यह लाखों सालों से शांत है, लेकिन इसकी सतह पर मौजूद लावा बहाव के चिन्ह बताते हैं कि यह एक समय में सक्रिय रहा होगा।

जल्द होंगे नीलाम

दुबई में प्रदर्शित की जाएगी शाहजहां की तलवार और अन्य इस्लामी हथियार

दुबई। एक समय था जब भारत पर मुगल राज किया करते थे। इसी दौरान शाहजहां नाम के एक बादशाह हुए, जिन्होंने ताज महल का निर्माण करवाया था। वह तो अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी एक नायाब वस्तु आज भी दुबई में मौजूद है। जी हां, दुबई में शाहजहां की एक तलवार को प्रदर्शित किया जाएगा, जो जल्द ही नीलामी के लिए उपलब्ध होगी। इस तलवार के साथ-साथ कई अन्य इस्लामी हथियार भी प्रदर्शित किए जाने वाले हैं।

कौन करवा रहा है इन हथियारों की नीलामी?

इस्लामी हथियारों और शस्त्रागार के इस दुर्लभ निजी संग्रह की प्रदर्शनी सोथबी नामक नीलामीघर द्वारा आयोजित करवाई जा रही है।

आधिकारिक घोषणा में कहा गया है कि इन हथियारों की नीलामी 29 अप्रैल को लंदन में होगी। उससे पहले 7 से 11 अप्रैल के बीच लोग इस संग्रह के कुछ हथियार देखने जा सकते हैं। इस संग्रह में 100 से ज्यादा वस्तुएं मौजूद हैं, जिन्हें दिवंगत विद्वान फिलिप गिल्स रेने मिस्सिलियर ने जमा किया था।

तलवारों से लेकर कवच तक, शामिल हैं ये वस्तुएं

मिस्सिलियर ने 50 सालों के अंतराल में इस संग्रह को तैयार किया था, जिसमें 500 साल पुराने इस्लामी हथियार भी शामिल हैं। यह संग्रह इंडोनेशिया से लेकर स्पेन तक, कई इस्लामी राजवंशों की परंपराओं को व्यक्त करता है। मिस्सिलियर ने हर एक हथियार को उसके इतिहास और महत्त्व के आधार पर चुना था। इस संग्रह में इस्लामी सैनिकों द्वारा इस्तेमाल किए गए कवच, तलवारें, खंजर और हेलमेट आदि भी शामिल हैं।

संग्रह में शामिल हैं इन हथियारों की भी नीलामी

इस संग्रह में मुगल काल का एक खंजर शामिल है, जो 18वीं सदी का है। इस खंजर पर घोड़े के आकार वाली नक्काशी की गई है, जो उस वक्त के कलात्मक कौशल को दर्शाती है। सोथबी का अनुमान है कि यह खंजर 55 लाख से 77 लाख रुपये के बीच बिक सकता है। इस संग्रह में ओटोमन साम्राज्य की 17वीं शताब्दी की एक दुर्लभ ढाल भी शामिल है, जिसकी कीमत 66 लाख से 88 लाख रुपये तक जा सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

तेंदूपत्ता बोनस भ्रष्टाचार...

उन्होंने ही शिकायत की और उनके यहां ही छापे मारकर सरकार गुनाहगारों को बचाना चाहती है। इस मामले में ट्विस्ट हा गया है। दो समिति प्रबंधकों ने जांच समिति को बयान दिया है कि उन्होंने श्री कुंजाम को पांच-पांच लाख रुपए दिए। यह पैसे कुंजाम को मैनेज करने के लिए दिए गए। जांच रिपोर्ट शासन को भेजी गई है। उल्लेखनीय है कि पूर्व विधायक मनीष कुंजाम ने कलेक्टर सुकमा को 8 जनवरी 2025 को एक पत्र लिखकर तेन्दूपत्ता बोनस राशि 6 करोड़ 54 लाख संग्राहकों को वितरण न कर गबन और लूट करने का आरोप लगाते जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी। उसके बाद जांच समिति ने सुकमा जाकर तेन्दूपत्ता प्रबंधकों के बयान लिए, वहीं कुछ गांव के फड़ों में ग्रामीणों से भी चर्चा की गई। बताया गया कि 2021 में 15 फड़ और 2022 में 10 फड़ के संग्राहकों को बोनस की राशि मिलनी थी। इसमें 3 करोड़ 62 लाख रूपए उन संग्राहकों को नकद देने थे, जिनके बैंक खाते नहीं हैं। यहीं से गरीबों की राशि डकारने का काम शुरू हुआ।

डीएफओ सुकमा को...

रिपोर्ट में 7 प्रबंधक और पोषक अधिकारियों ने अपने बयान में डीएफओ सुकमा को 83 लाख 90 हजार देने की बात कही है। गोलापल्ली समिति से 15 लाख, किस्टाराम से 10 लाख, पालाचलमा से 4 लाख, कोंटा से 9 लाख 50 हजार, जगरगुण्डा से 14 लाख 50 हजार, बोड़केल से 5 लाख 50 हजार और प्राथमिक लघु वन समिति मिच्चीगुड़ा के प्रबंधक ने 25 लाख 40 हजार इस तरह राशि लाख 90 हजार रूपए डीएफओ को उनके सुकमा स्थित निवास में जाकर देने की बात कही है।

छापे के बाद...

प्रेसवार्ता में कहा कि तेन्दूपत्ता बोनस वितरण में करोड़ों का गबन और लूट की शिकायत कर जांच की मांग मैने की थी और मेरे यहां छापामारी कर सरकार गुनाहगारों को बचाना चाहती है।

कुंजाम पर भी...

भी 2 समिति प्रबंधक ने 5-5 लाख और 1 ने 1 लाख रूपए देने की बात जांच समिति को कही है। बस्तर के मुख्य वन संरक्षक ने जगदलपुर डीएफओ उत्तम कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में 4 सदस्यीय जांच दल गठित कर सुकमा जिले में तेन्दूपत्ता बोनस में हुई गड़बड़ी की जांच करने को कहा था। 9 जनवरी 2025 को गठित समिति में 3 सदस्य एसडीओ वन रामनाथ सोरी, एसडीओ चित्रकोट रेंज योगेश कुमार रात्रे तथा रेंज अफसर उड़नदस्ता प्रभारी रविन्द्र कुमार नाग शामिल थे।

देश में धर्म...

अधिकारी ने बताया कि हिंसा प्रभावित शमसेरगंज क्षेत्र में जाफराबाद स्थित एक घर में पिता और पुत्र के शव बरामद किए गए जिनके शरीर पर चाकू से वार के निशान थे। उन्होंने बताया कि दोनों अपने घर के अंदर अचेत अवस्था में जमीन पर पड़े मिले और उन्हें पास के अस्पताल में ले जाया गया जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। उनके परिवार ने आरोप लगाया कि बदमाशों ने उनके घर में लूटपाट की और दोनों पर चाकू से प्रहार कर दिया। अधिकारी ने बताया कि एक अन्य घटना में शमसेरगंज प्रखंड के धुलियान में एक अन्य व्यक्ति को गोली मार दी गई। वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में शुक्रवार को जिले के सूती और शमसेरगंज इलाकों में बड़े पैमाने पर हिंसा की खबरें आई हैं।

भाजपा ने की...

बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए ये विध्वंसकारी कृत्य न केवल आवश्यक सेवाओं को बाधित करते हैं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करते हैं।

करणी सेना का...

क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा भी गढ़ी रामी में आयोजित रक्त स्वाभिमान सम्मेलन में शामिल हुए। मंच से उन्होंने कहा कि हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो हम कुछ भी कर सकते हैं। सपा सांसद रामजीलाल सुमन के बयान ने क्षत्रिय ही नहीं बल्कि सनातन समाज को ठेस पहुंचाई है।

26 मार्च को...

हो गए थे, जिनमें कुछ पुलिसकर्मी भी शामिल थे। घटना के संबंध में 27 मार्च को आगरा के हरिपर्वत थाने में हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में दो मुकदमे दर्ज किए गए थे।

मेरी जान को...

ऊपर नहीं बल्कि पीडीए पर हमला हुआ है। उन्होंने कहा कि मुझे और मेरे परिवार को जान-माल का खतरा था, इसलिए मैंने राज्यसभा के उपसभापति को सुरक्षा के लिए पत्र लिख कर दिया था। पुलिस प्रशासन को लगता है कि मेरी हत्या हो सकती है, इसलिए सुरक्षा रखी है।

नक्सल हिंसा से...

नक्सलियों ने बुलेट के बूते अपनी सत्ता लाने का जो सपना भोले-भाले आदिवासियों को दिखाया था, वह बैलेट के बूते भाजपा ने साकार कर दिया। इस सवा साल में मोदी की गारंटी से लेकर नियद नेल्लानार जैसी योजनाओं के माध्यम से विष्णुदेव साय समाज के अन्य वर्गों के साथ-साथ आदिवासी वर्ग में यह विश्वास जगाने में सफल रहे कि उनका राज आ चुका है। विधानसभा के बाद लगातार तीन चुनावों में जीत इसका ही तो प्रमाणीकरण है। इसका नतीजा यह है कि नक्सली बंदूकों को स्थानीय स्तर पर मिलने वाला समर्थन खत्म हो गया है। लिहाजा मोदी सरकार के संकल्प को लेकर हुंकार भर रहे अमित शाह के दावों के अनुरूप नक्सली मोर्चे पर साय सरकार सफलता हासिल करती दिख रही है। इन पंक्तियों के लिखे जाने के दौरान भी बीजापुर में तमाम नक्सलियों के मारे जाने की खबर आ रही है। इतना ही हैरतपूर्ण है छत्तीसगढ़ में देश की इकलौती सेमी कंडक्टर निर्माता कंपनी का महज चार माह में संयंत्र की स्थापना के लिए छत्तीसगढ़ आ जाना। जिस कारखाने की स्थापना के लिए महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा और कर्नाटक जैसे विकसित राज्य अर्से से प्रयत्नशील हैं, वहां छत्तीसगढ़ का सफल हो जाना हम सबको हर्षित करता है और विष्णुदेव साय को सरल और सहज राजनीतिज्ञ के साथ कुशल और दूरदर्शी प्रशासक के रूप में भी स्थापित करता है। लोहा, सीमेंट, बाक्साइट के कारखानों से इतर इस शुरूआत ने भविष्य को लेकर किस कदर उम्मीद जगा दी है कि भूमि पूजन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दावा कर दिया कि आने वाले समय में नवा रायपुर भारत की सिलिकान वैली बनेगा। सरकार के मुखिया ने दावा किया है तो निश्चित ही इसके पीछे उनका अपनी टीम पर भरोसा है। अब जिम्मेदारी टीम की है कि वह इस भरोसे पर खरा उतरे। इस टीम में मंत्रिमंडल के सहयोगी भी हैं और मुख्यमंत्री सचिवालय समेत तमाम प्रशासनिक अमला भी। देखें इस दावे और हम सभी के सपने को वह कब तक साकार करते हैं। देश में खैरात बांटकर राज में आने या बने रहने की होड़ के दौरान यह सरकार महज महतारी वंदन के चंदन और बोनस वितरण के भरोसे ही नहीं बैठी हुई है। यह अहसास भविष्य को लेकर आशा बनाए रखता है। बेहतर शैक्षणिक और स्वास्थ्य सुविधाएं, सुरक्षित वातावरण और रोजगार सृजन के नए अवसर ही विकसित छत्तीसगढ़ के सपने को साकार करने का मूलमंत्र हैं। जब सवा साल की उम्र पूरी कर लेने के बाद सरकार सुशासन तिहार मनाने के लिए जनता के बीच जाने निकल ही पड़ी तो इस कालखंड की पड़ताल जरूरी हो जाती है। तमाम बेहतर कोशिशों के बीच कुछ घटनाक्रम आशंका भी पैदा करते हैं। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों पर पूर्ववर्ती सरकार को घेरती रही भारतीय जनता पार्टी अगर यह मुगालता पाले हुए है कि महज विष्णुदेव साय के ईमानदार बने रहने से बाकी जो कुछ चल रहा है उस पर जनता की निगाह नहीं जा रही है तो यह बड़ी भूल ही साबित होगी। केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होने के चलते केंद्रीय एजेंसियां अब यहां क्यों आएंगी, प्रशासनिक तबके में आई इस निश्चिंतता को खत्म करने की जरूरत है। नरेंद्र मोदी का संकल्प, ना खाऊंगा ना खाने दूंगा, जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों की नींद उड़ा कर रखे, बतौर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की जिम्मेदारी है।

बंधक व्यापारियों को...

थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया गया है। राइस मिल के संचालक के विरुद्ध दोनों पीड़ितों के अपहरण समेत बीएनएस की धारा 140(3), 296, 115(2), 351(3) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार चावल खरीदी को लेकर पत्थलगांव स्थित राइस मिल संचालक का लैलूंगा क्षेत्र के व्यवसायियों के बीच जोरदार विवाद हो गया था। जिसके बाद रकम लेन देन का विवाद बढ़ जाने से दो व्यवसायियों को बंधक बनाया गया था। दरअसल, रायगढ़ जिले के लैलूंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत झगरपुर निवासी मुकेश अग्रवाल की शिकायत पर पत्थलगांव पुलिस ने कमला राइस मिल संचालक परशुराम अग्रवाल, पुत्र आयुष अग्रवाल और उनके भतीजे श्रीराम कुलर वाला के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। शिकायतकर्ता मुकेश अग्रवाल का आरोप है कि वह अपने बेटे यश अग्रवाल के साथ दो पिकअप में धान व चावल लोड कर बिक्री के लिए कमला राइस मिल आए थे। सौदा तय नहीं होने पर जब वे लौटने लगे, तो परशुराम अग्रवाल, पुत्र आयुष और उनके भतीजे ने कार से पीछा करते हुए शिवपुर के पास उन्हें रोककर हमला कर दिया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए मिल और फिर घर ले जाकर मारपीट की गई और 3 लाख रुपये नगद किसी व्यापारी के द्वारा दिया गया। घटना की जानकारी लैलूंगा क्षेत्र के व्यापारियों को मिलते ही उन्होंने पत्थलगांव पुलिस की मदद से जशपुर रोड स्थित परशुराम अग्रवाल के घर में दोनों व्यवसायी को बंधक से मुक्त कराया गया। जहां पुलिस दोनों व्यवसायी को रिहा कर थाना लाई। वहीं पीड़ति की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच थाना परिसर में भी तीखी बहस हुई। समाज के वरिष्ठजन इस मामले को सुलझाने की कोशिश में लगे रहे, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। अंततः पुलिस ने अपहरण समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। **पीडीएस के चावल की खरीदी-बिक्री**-बड़ा सवाल यह उठता है कि एक ओर जहां पीडीएस चावल की कटौती से ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लोग उपभोक्ता परेशान हो रहे है। तो वहीं दूसरी ओर पीडीएस के चावल की खरीदी बिक्री की जा रही है। इस मामले में यह बात भी सामने आई है कि पीड़ति पक्ष के द्वारा पीडीएस चावल की खरीदी गांव गांव से की जाती है जिसे बेचने के लिए श्री कमला राइस मिल में आए हुए थे। शिकायतकर्ताओं की माने तो कमला राइस मिल में पीडीएस चावल की खरीदी की जाती है। अगर खरीदी होती है तो इस पर कार्रवाई क्यों नही की जाती है।

युवक को निर्वस्त्र...

8 अप्रैल की रात्रि का होना पाया गया और पीड़ित युवक की पहचान बासीन निवासी राहुल अंचल के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि पीड़ित युवक 8 अप्रैल की रात्रि करीब 11-12 बजे किसी काम से बड़े रबेली गया हुआ था, जहां आधा दर्जन से अधिक आरोपियों ने बांध करके उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। इतना ही नहीं रात भर बंधक बनाने के साथ उसे निर्वस्त्र करके अपमानित किया। पीड़ित युवक को उपचार के लिए अस्पताल दाखिल कराया गया है। इधर इस मामले में पुलिस में अपराध कायम किया और जांच पड़ताल शुरू की। इस दौरान मालखरौदा थाना अंतर्गत बड़े रबेली निवासी आरोपी सूर्या चंद्रा, बलवंत चंद्रा, गोविंद चंद्रा, हेमप्रकाश चौहान, चक्रधर चंद्रा, मणि चंद्रा को अपराध क्रमांक 76/2025 धारा 109 (2), 296, 351 (2), 115 (2), 126 (2), 127 (2), 191 (2), बीएनएस , धारा 3 (1), (ई) (आर) (एस), एससी एसटी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद शनिवार 12 अप्रैल को सभी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से उन्हें जेल भेजा गया है। सक्ती पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने बताया कि मामले में एक बुजुर्ग आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। उसे भी कल गिरफ्तार कर लेंगे।

दो ईनामी सहित...

कुड़मेरपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर मदपाल केएएमएस सदस्य, सिगरेट वंजामी (30), निवासी मदपाल पटेलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर भूमकाल मिलिशिया सदस्य, पायकू वंजामी (50), निवासी मदपाल पटेलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर भूमकाल मिलिशिया सदस्य शामिल हैं।

निगम, मंडल, आयोग...

बोर्ड और सहकारी दुग्ध महासंघ में पेंच फंसा हुआ है। कुल मिलाकर करीब आधा दर्जन निगम, मंडल, आयोग के अध्यक्ष अभी पदभार ग्रहण नहीं कर पाएंगे। प्रदेश सरकार ने निगम, मंडल और आयोग के लिए पहली बड़ी सूची में 36 भाजपा नेताओं को पदों से नवाजा है। इनमें से एक नेता गौरीशंकर श्रीवास ने पद लेने से इनकार कर दिया। बचे 35 नेताओं के पदभार ग्रहण करने का सिलसिला प्रारंभ हुआ है। सबसे पहले क्रेडा के भूपेंद्र सवन्नी ने पदभार ग्रहण किया। इसके कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय पहुंचे। इसके बाद से पदभार ग्रहण करने का क्रम चल रहा है। इसके बाद खनिज विकास निगम के सौरभ सिंह, पाठ्य पुस्तक निगम के राजा पांडेय, मछुआ कल्याण बोर्ड के भरत मटियारा, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के रामप्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री की उपस्थित में पदभार संभाला। रायपुर विकास प्राधिकरण के नंद कुमार साहू और छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन के चंदूलाल साहू के पदभार में मुख्यमंत्री श्री साय नहीं पहुंच सके।

भारतीय शिक्षा बोर्ड,...

समावेश रहेगा। भारतीय शिक्षा बोर्ड द्वारा पाठ्यक्रम का निर्धारण किया जा चुका है तथा इस सिलेबस के आधार पर किताबें भी तैयार की जा चुकी हैं। गौरतलब है कि महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड, उज्जैन भी राष्ट्रीय स्तर का शिक्षा बोर्ड है जो वेद और संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। इसके पश्चात पतंजलि का भारतीय शिक्षा बोर्ड भी अब छात्रों को वेद और पुराण की शिक्षा देगा।

फाइलों में दबा...

गबन, शासकीय राशि का दुरुपयोग, फिजूलखर्ची, अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा कर्तव्यों की अवहेलना आदि कारणों से शासन के खजाने का नुकसान हुआ है। यह ऑडिट सरकार के वित्त विभाग से संबंधित छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा विभाग ने किया है। इसके आंकड़े हरिभूमि के पास हैं। **राज्य संपरीक्षा करता है ये काम**-छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा अधिनियम 1973 की धारा 4(1) एवं 21 (3) के अन्तर्गत छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा अधिनियम के अधीन स्थानीय निकायों का अंकेक्षण(ऑडिट) करता है। छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा द्वारा किये जाने वाले अंकेक्षण कार्य के आधार पर स्थानीय निकायों पर अंकेक्षण शुल्क आरोपित कर शासकीय कोष में जमा करता है। इसके साथ ही गबन(प्रभक्षण) वित्तीय कदाचार आदि के प्रकरणों पर त्वरित कार्यवाही हेतु विशेष प्रतिवेदन निकाय एवं उनके प्रशासकीय विभाग की और प्रेषित करते हुए महालेखाकार को भी सूचित करता है।

गबन के मामले...

इन मामलों में 8 करोड़ 72 लाख 28 हजार, 644 रुपए शामिल हैं। इन मामलों का हिसाब देखें तो अधिभार के आरोप पत्र 18 जारी हुए। अधिभार सूचना 9, अधिभार आदेश 30, मांग हेतु प्रमाण पत्र 25 जारी किए गए।

राष्ट्रपति को गवर्नरों...

201 के अनुसार, जब कोई विधेयक राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है तो राष्ट्रपति को या तो उस पर सहमति देनी होती है या असहमति जतानी होती है। हालांकि, संविधान में इस प्रक्रिया के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति के पास 'पॉकेट वीटो' का अधिकार नहीं है, यानी वो अनिश्चितकाल तक अपने निर्णय को लंबित नहीं रख सकते। **क्या है मामला**-सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय उस समय आया, जब कोर्ट ने कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने द्रमुक सरकार द्वारा पारित 10 विधेयकों को मंजूरी ना देकर गैरकानूनी कार्य किया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों को विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए समयसीमा तय करते हुए यह भी कहा कि किसी प्रकार की निष्क्रियता भी न्यायिक समीक्षा के तहत आ सकती है। **...तो उचित कारण बताने होंगे**-सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, कानून की यह स्थिति स्थापित है कि यदि किसी प्रावधान में कोई समयसीमा निर्दिष्ट नहीं है, तब भी वह शक्ति एक उचित समय के भीतर प्रयोग की जानी चाहिए।

अम्बेली ब्लास्ट का...

अनिल पूनेम को मार गिराने में सुरक्षा बलों को सफलता मिली है। मारे गए माओवादी पर 5 लाख का इनाम घोषित है। **2 अन्य माओवादियों की शिनाख्त की जा रही है**- मुठभेड़ स्थल से 3 नग 12 बोर रायफल एवं सिंगल शॉट रायफल एवं अन्य हथियार, विस्फोटक एवं माओवादी सामग्री बरामद हुआ है। मारे गये 2 अन्य माओवादियों की शिनाख्त की जा रही है। बस्तर रेंज में चल रहे प्रभावी नक्सल विरोधी अभियानों में सूचना आधारित इस ऑपरेशन के लिए संयुक्त टीमों को लॉन्च किया गया था। पुलिस उप महानिरीक्षक दंतेवाड़ा कमलोचन कश्यप, पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव तथा पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा गौरव राय ने बताया कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 3 हार्ड कोर माओवादियों को सुरक्षा बलो ने मार गिराया। **सर्च अभियान लगातार जारी है**-वर्ष 2024 में नक्सल विरोधी अभियान में प्राप्त बढ़त को आगे बरकरार रखते हुए वर्ष 2025 में भी बस्तर संभाग अंतर्गत सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी रूप से प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई माओवादी संगठन के विरुद्ध नक्सल विरोधी अभियान संचालित किए जाने के परिणाम स्वरूप विगत 102 दिनों में कुल 121 हार्डकोर माओवादियों के शव बरामद किए गए। क्षेत्र में सर्च अभियान लगातार जारी है। - **सुन्दरराज पी**. पुलिस महानिरीक्षक

आंधी ने रोका रास्ता,...

दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन में सुधार हो रहा है। हालांकि, शुक्रवार रात की मौसम की स्थिति के कारण कुछ उड़ानें अभी भी प्रभावित हैं। पोस्ट में कहा गया, हमारी विभिन्न टीम और सभी हितधारक यात्रियों की किसी भी असुविधा को कम करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'फ्लाइटरडार24डॉट कॉम' पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 350 से अधिक उड़ानों की आवाजाही में देरी हुई है। उड़ान प्रस्थान में औसत देरी 40 मिनट से अधिक थी। विमानन कंपनी इंडिगो ने 'एक्स' पर दोपहर एक बजकर 32 मिनट पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली में हवाई यातायात की भीड़ के कारण उड़ानों को उड़ान भरने और उतरने की मंजूरी के लिए रोका जा रहा है।

फोन पे, पेटीएम और गूगल पे ने किया 3 घंटे परेशान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देशभर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की सर्विस शनिवार को अचानक ठप पड़ गई। वित्तीय लेन-देन में शिकायत के चलते देश के अलग-अलग हिस्सों से कई यूज़र्स ने सोशल मीडिया और आउटेज ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म्स पर रिपोर्ट की है। यूजर्स का कहना है कि फोन पे, पेटीएम और गूगल पे ने शनिवार दोपहर को करीब तीन घंटे काम करना बंद कर दिया है। इस तकनीकी खराबी के चलते रोजमर्रा की खरीदारी, बिल पेमेंट और पैसे ट्रांसफर जैसे जरूरी काम प्रभावित हुए।

देशभर में शनिवार को कई बार हुई यूपीआई सेवा ठप!

ऑनलाइन पेमेंट करने में हुई परेशानी, हजारों लोगों ने की शिकायत

अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं : अब तक एनपीसीआई या किसी बड़े यूपीआई प्लेटफॉर्म की ओर से इस आउटेज के कारण या उसके समाधान के समय को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। यूजर्स को सलाह दी गई है कि वे वैकल्पिक पेमेंट मोड्स जैसे नकद या कार्ड को तैयार रखें जब तक यूपीआई सेवाएं पूरी तरह बहाल नहीं हो जातीं।

कई बैंकों के पेमेंट ऐप पर असर

डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, इस आउटेज के कारण कई बैंकों के पेमेंट ऐप पर भी प्रभावित हुए है। इनमें एसबीआई, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई और गूगल पे जैसे बैंक पेमेंट ऐप शामिल है। इस सर्विस के ठप होने के कारण आमलोगों से लेकर व्यापारियों तक सभी को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि वर्तमान में भारत में छोटे से छोटे कामों के लिए यूपीआई का उपयोग किया जाता है।

डाउनडिटेक्टर ने की आउटेज की पुष्टि

इस समस्या के चलते डाउनडिटेक्टर पर शिकायतों की संख्या अचानक बढ़ गई। दोपहर 12 बजे के आसपास शिकायतों की संख्या 1,200 से अधिक पहुंच गई। करीब 66% यूजर्स ने पेमेंट में समस्या, जबकि 34% ने फंड ट्रांसफर में दिक्कत की शिकायत की। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह कोई एक ऐप या बैंक तक सीमित नहीं है, बल्कि यूपीआई नेटवर्क में व्यापक स्तर पर समस्या आई है। हालांकि अभी इस आउटेज को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है कि इससे देशभर के कौन-कौन से राज्य प्रभावित हुए है।

मार्च में यूपीआई का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन

गौरतलब है कि मार्च 2025 में यूपीआई ट्रांजैक्शन का कुल मूल्य 24.77 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह आंकड़ा फरवरी के मुकाबले 12.7% अधिक है। फरवरी में कुल ट्रांजैक्शन का आंकड़ा 21.96 लाख करोड़ रुपये था। यह साफ दर्शाता है कि यूपीआई आज भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में कितनी अहम भूमिका निभा रहा है, हालांकि, बार-बार सर्वर डाउन जैसी घटनाएं यूज़र्स का भरोसा डगमगाने लगी हैं और इससे रोजमर्रा के लेन-देन बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़

यूपीआई भारत का सबसे तेज और आसान इंस्टेंट पेमेंट सिस्टम है, जो आईएमपीएस इंफ्रास्ट्रक्चर पर आधारित है। इसके जरिए यूजर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के कभी भी और कहीं भी तुरंत पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं। यूपीआई का इस्तेमाल छोटे-बड़े दुकानों से लेकर बिल भुगतान और सब्सक्रिप्शन जैसी सुविधाओं में भी बड़ी आसानी से किया जाता है। इसमें आटो पे फीचर की सुविधा भी है, जिससे रिचार्ज और बिल का भुगतान खुद-ब-खुद तय समय पर हो जाता है।

घुसपैठ को किया सेना ने नाकाम, मुठभेड़ में पंजाब रेजिमेंट के जेसीओ शहीद

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों की जंग लगातार जारी है। शनिवार को जम्मू जिले के अखनूर सेक्टर में आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान पंजाब रेजिमेंट के जेसीओ सूबेदार कुलदीप चंद वीरगति को प्राप्त हो गए। यह मुठभेड़ शुक्रवार देर रात केरी बट्टल इलाके में शुरू हुई थी, जहां सेना और आतंकियों के बीच जमकर फायरिंग हुई।

सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी दी कि शहीद कुलदीप चंद ऑपरेशन का नेतृत्व करते हुए शहीद हुए, उन्होंने आतंकियों की घुसपैठ रोकने में अहम भूमिका निभाई। व्हाइट नाइट कोर ने श्रद्धांजलि देते हुए लिखा – "हम उनके सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं।"

जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में देर रात शुरू हुई फायरिंग

किश्तवाड़ के जंगलों में भी चला ऑपरेशन

बता दें इसी के साथ शुक्रवार को किश्तवाड़ जिले के घने जंगलों में चल रहे एक और ऑपरेशन में सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के 3 आतंकियों को मार गिराया, जिनमें से एक टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी था। यह ऑपरेशन शुक्रवार रात से चल रहा था। इससे पहले, 4-5 अप्रैल की रात आरएस पुरा सेक्टर में बीएसएफ जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया था, वहीं 1 अप्रैल को पुंछ के कृष्णा घाटी सेक्टर में 4-5 घुसपैठियों को ढेर किया गया था। इन घटनाओं से साफ है कि पाकिस्तान समर्थित आतंकियों की घुसपैठ की कोशिशें लगातार जारी हैं, लेकिन हमारी सेना हर मोर्चे पर डटी हुई है।

दिल्ली की कोर्ट में बोला आतंकी तहव्वुर

'मुझे ऐसा वकील नहीं चाहिए जो मेरे जरिये शोहरत कमाना चाहे'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

26/11 के मुंबई आतंकी हमलों के अहम साजिशकर्ताओं में से एक तहव्वुर राणा ने दिल्ली की कोर्ट ने आग्रह किया कि ऐसा कोई वकील नहीं होना चाहिए, जो उसके जरिये नाम और शोहरत कमाना चाहता हो। गुरुवार को राणा को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। तहव्वुर राणा को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया।

एनआईए ने कोर्ट से उसकी 20 दिन की हिरासत मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने 18 दिन की हिरासत मंजूर की। एडिशनल सेशन जज चंदर जीत सिंह ने अपने आदेश में कहा, 'आरोपी ने कहा कि ऐसा कोई वकील नहीं होना चाहिए, जो उसके जरिये नाम और शोहरत कमाता हुआ प्रतीत हो। हालांकि, लीगल सर्विस अथॉरिटी एक्ट 1987 में दिए गए वैधानिक योजना के मुताबिक मौजूद हैं, फिर भी आरोपी के आग्रह को मान लिया गया और यह निर्देश दिया गया है कि लीगल सर्विस वकील इस मामले के आरोपी के बारे में मीडिया से बात नहीं करेंगे। यह भी निर्देश दिया गया है कि अगर लीग सर्विस वकील का विवरण पहले से ही मीडिया को नहीं पता है, तो उन्हें मीडिया को नहीं बताया जाएगा।'

मुंबई हमलों का गुनहगार है पाकिस्तानी बेस्ड राणा

वकील के लिए मांगी कुछ उपकरण तक पहुंच

जज ने अपने आदेश में आगे लिखा, 'अभियुक्त ने अपने वकील को निर्देश देने के लिए कुछ उपकरण तक पहुंच मांगी है। इसलिए अभियुक्त को अपने वकील के लिए निर्देश लिखने के लिए स्केच और कागज जैसे नरम टिप के साथ एक इंस्ट्रूमेंट दिया जाए।' तहव्वुर राणा को एनआईए के हेडक्वार्टर के अंदर हाई सिक्योरिटी वाली कोठरी में रखा गया है।

एनआईए हेडक्वार्टर के आसपास कड़ी सुरक्षा

लॉक-अप ग्राउंड फ्लोर पर है और सीआईएसएफ कर्मियों और दो एनआईए अधिकारी इसकी 24 घंटे सुरक्षा करते हैं। सूत्रों ने बताया, '24×7 निगरानी रखी जा रही है और राणा को मुख्यालय कैंटीन से खाना और जरूरी चीजें मुहैया कराई गई हैं।' एनआईए हेडक्वार्टर के आसपास कड़ी सुरक्षा की गई है। बता दें कि राणा पाकिस्तानी सेना की मेडिकल कोर में काम करता था। उसे मुंबई हमलों के 11 महीने बाद अक्टूबर 2009 में शिकागो में गिरफ्तार किया गया था। तहव्वुर राणा पर 26/11 के हमले की योजना बनाने और इसके लिए लॉजिस्टिक सपोर्ट देने का आरोप है।

कांग्रेस में अब जिला व ब्लाक स्तर पर शुरू किया जाएगा विशेष प्रशिक्षण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस ने अहमदाबाद अधिवेशन के अपने निर्णयों तथा प्रस्तावों को जमीन पर कार्यान्वित करने की पहल शुरू करते हुए सभी राज्य इकाईयों को निर्देश जारी किया है।

राज्य इकाईयों से प्रदेश ही नहीं जिला व ब्लॉक स्तर पर अधिवेशन के निर्णयों-संदेशों को ले जाने के लिए नेताओं-संगठन के पदाधिकारियों का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम अगले 10 दिनों के भीतर शुरू करने को कहा गया है। कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे में जिला अध्यक्षों की भूमिका बढ़ाने के एलान के अनुरूप विशेष रूप से जिलाध्यक्षों का विशेष ओरिएंटेशन अविलंब आयोजित करने का दिशा-निर्देश दिया गया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों तथा विधायक दल के नेताओं को भेजे गए पत्र में पार्टी के अग्रिम संगठनों को भी अहमदाबाद अधिवेशन के संदेशों को लोगों के बीच ले जाने की इस कसरत में शामिल करने की बात कही गई है।

अहमदाबाद अधिवेशन के प्रस्तावों को अमलीजामा पहनाने शुरू होगी पहल

पथ प्रदर्शक की भूमिका अदा

वेणुगोपाल ने पत्र में कहा है कि अधिवेशन के प्रस्ताव न सिर्फ संगठन के सभी स्तरों पर वैचारिक समझ के लिए जरूरी है बल्कि इसे असरदार तरीके से देश की जनता तक पहुंचाया जाना भी जरूरी है। अहमदाबाद अधिवेशन पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण पथ प्रदर्शक की भूमिका अदा की है और इसमें पारित प्रस्ताव कांग्रेस की विचाराधारा, नीतिगत दृष्टिकोण और संविधान, लोकतंत्र तथा समावेशी विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का एक दूरदर्शी दस्तावेज है। वेणुगोपाल के मुताबिक पार्टी के लिए इसकी अहमियत को देखते हुए ही इसे लोगों के बीच ले जाने के लिए समयबद्ध तथा सुव्यवस्थित अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया है। पहले चरण में संगठनात्मक कैडर को जिला स्तर पर विचार-प्रसार के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रदेश इकाईयां अगले 10 दिनों के भीतर इसके लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू कर दें।

विशेष डिजिटल कंटेट भी तैयार

एआईसीसी की ओर से डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए विशेष कंटेट सामाग्री भी तैयार की जा रही है और जिले की पार्टी की सोशल मीडिया की टीम इसका प्रचार-प्रसार संभालेगी। प्रदेश नेताओं के साथ-साथ जिला-ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों को अपने क्षेत्र की प्रिंट-इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ बेहतर आउटरीच बढ़ाने के लिए सर्कुलर में स्पष्ट दिशा निर्देश दिया गया है। इसमें कहा गया है कि भाजपा-एनडीए सरकार की विफलताओं को उजागर करने के साथ आमलोगों को यह समझाना भी बहुत जरूरी है कि अहमदाबाद अधिवेशन के प्रस्ताव कांग्रेस ही नहीं उनके लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं।

सोने सा चमकता घोड़ा, 'स्वर्ग' से जोड़ा जाता है कनेक्शन, कीमत लाखों में

नई दिल्ली। जैसे कुत्ते को इंसानों ने अपना दोस्त बनाया, उसी तरह घोड़े से भी अलग दोस्ती रही है। जब गाड़ी नहीं थी, तब घोड़े की ही सवारी होती थी। जंग लड़ी जाती थी। कई राजा-महाराजाओं के घोड़े इतने चतुर, समझदार और वफादार थे कि उनके नाम आज भी इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं। आज सड़कों पर मोटरकार दौड़ती है लेकिन घोड़े की सवारी का शौक पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। घोड़े रखना सस्ता सौदा भी नहीं है। आपने ब्राउन और ब्लैक रंग के घोड़े देखे होंगे लेकिन क्या चमकता सुनहरे रंग का घोड़ा देखा है? कुछ लोग इसे स्वर्ग से आया घोड़ा मानते हैं। घोड़े की इस नस्ल को अखाल टेके कहा जाता है। इस चमकते घोड़े का कनेक्शन स्वर्ग से भी जोड़ा जाता है।

अरे बाप रे! इतना मोटा चूहा, लकड़ी खाने के लिए गिरा देता है पूरा पेड़

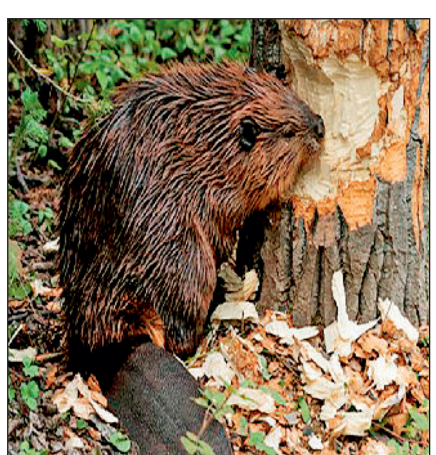

नई दिल्ली। आपने जानवरों को घास-पत्ती, फल या मांस खाते देखा होगा लेकिन क्या आपने किसी जीव को पेड़ को चबाते देखा है। हां, पौधे या डाल नहीं पूरा का पूरा पेड़। हैरत में पड़ गए ना! दुनिया में एक जीव ऐसा भी होता है जो हरे और खड़े मोटे-तगड़े पेड़ को बीच से खाकर धराशायी कर देता है। इसे बीवर कहते हैं। इनके काम से पता चलता है कि दांत कितने धारदार होते होंगे। चूहे की बिरादरी का यह जीव देखने में वैसा ही मगर मोटा चूहा लगता है। ये उत्तर अमेरिका और यूरेशिया के इलाके में पाए जाते हैं। ये इंसानों से दूर ही रहना चाहते हैं। अगर आप भी इनसे दूरी बनाकर रहते हैं तो बीवर नुकसान नहीं पहुंचाते लेकिन फ्रेंड समझने की गलती कभी न करें क्योंकि ये काफी हिंसक होते हैं।

30 से 50 किलो तक वजन, पेड़ गिराने में सक्षम

मोटा चूहा यानि कि वीवर 30 से 50 किलो तक वजनी हो सकते हैं। ये पानी के स्त्रोतों के आसपास जंगलों में ज्यादा पाए जाते हैं। एक्सपर्ट बीवर को इकोसिस्टम इंजीनियर कहते हैं क्योंकि ये जहां रहते हैं वहां का लैंडस्केप बदलने की क्षमता रखते हैं।

ठंड से पहले जमा कर लेता है खाना

बीवर पेड़ की छाल को कुतरने के बाद बीच वाले हिस्से को भी चबाते जाते हैं और जब पेड़ खड़े रहने की स्थिति में नहीं रहता तो मौका पाकर वहां से निकल लेते हैं। अगले कुछ पलों पर पेड़ जमीन पर पड़ा होता है। ये लकड़ी बड़े चाव से खाते हैं और सर्दियां आने से पहले अपना खाना जमा कर लेते हैं।

6 साल में तैयार हुई- 1600 किलोग्राम वजन वाली डाइनिंग टेबल

नई दिल्ली। एक ऐसी डाइनिंग टेबल जिसे देखकर हर कोई हैरान रह जाएगा! इस अनोखी टेबल की कीमत 1 करोड़ रुपये है और इसका वजन 1600 किलोग्राम है। इस शानदार डाइनिंग टेबल को सोनापुर के रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल के मालिक सुशील तमुली ने बनवाया है। इसे महेश डेका नामक कलाकार ने बड़ी मेहनत से तैयार किया है। **टेबल के साथ कुर्सियां भी डिजाइनदार :** खास बात यह है कि इस डाइनिंग टेबल को बेल मेटल से तैयार किया गया है। इसे बनाने में 6 साल का समय लगा है। यह गोल आकार की टेबल है, जिसके साथ 6 सुंदर कुर्सियां भी बनाई गई हैं। इस टेबल को तैयार करने में 65 लाख रुपये का खर्च आया और इसकी बिक्री 1 करोड़ रुपये में होगी। इस भारी-भरकम टेबल को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए क्रेन की जरूरत पड़ेगी।

कार्यालय, नगर पालिका परिषद् खरसिया जिला - रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

क्रमांक /59/न.पा.प./लो.नि.वि/2025 खरसिया, दिनांक 12/04/2025

ई-प्रोक्योरमेन्ट तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षमत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

1. Date of issue of Tender- 13/04/2025 Time 10.30AM
2. Last Date of Online Submission for Technical & Financial Bid- 23/04/2025 Time 5.30PM
3. Last Date for Submission of physical bid- 24/04/2025 Time 5.00PM
4. Bid Open Date- 24/04/2025 Time 5.30PM

क्र.	सि.नि.क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र शुल्क (रू. में)	समय सीमा	अमानत राशि, निविदा प्रपत्र शुल्क (डीडी के रूप में) एवं 100रू. स्टाम्प पेपर में शपथ पत्र युक्त फिजिकल लिफाफा जमा करने की अंतिम तिथि
1	167042	वार्ड क्रं. 10 चंदन तालाब गार्डन स्थल पर अटल परिसर निर्माण एवं प्रतिमा स्थापना कार्य	29.99 लाख	0.225	1500/-	01 माह	25.04.2025

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय आकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् खरसिया जिला रायगढ़ (छ.ग.)

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना-दिनांक 10.04.2025

ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप मुख्य अभियंता- I/ निर्माण/ पश्चिम मध्य रेल/ भोपाल, निम्नलिखित कार्यों के लिए आमंत्रित करता है (एकल लिफाफा पद्धति)। **निविदा संख्या**-DYCE-C-I-BPL-01-2025, **कार्य का नाम**-संतुलन कार्यों में बांध के संरक्षण कार्य, WBM सड़क, उपकरण कक्ष, सामग्री कक्ष, ड्रॉप/पर्दा दीवारें, एप्रन, टर्फिंग और पवारखेड़ा-जूझरपुर सिंगल लाइन फ्लाईओवर के उप दिशात्मक संबंध में अन्य विविध कार्य शामिल है। **निविदा का अनुमानित मूल्य रू.**-9918.24 लाख, **बयाना राशि रू.**-6,45,900.00/-, **ई-निविदा बंद होने की तिथि**-05.05.2025 को (15.00 बजे), **समापन अवधि**-09 (नौ) माह मानसून एवं फसल सहित। ई-निविदा संबंधित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट "http://www.ireps.gov.in" पर उपलब्ध है एवं उप मुख्य अभियंता-I/निर्माण/पश्चिम मध्य रेल/भोपाल के सूचना पटल पर भी उपलब्ध है। ई-निविदा के अतिरिक्त अन्य कोई भी निविदा मान्य नही होगी। यदि निविदा सम्बन्धी कोई शुद्धिपत्र जारी किया जाता है तो वह केवल उपरोक्त वेबसाईट पर ही उपलब्ध रहेगा।

उप मुख्य अभियंता-I (निर्माण)
पश्चिम मध्य रेल, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

राशिफल

मेष — कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह — बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु — व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ — मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

शब्द पहेली - 5835

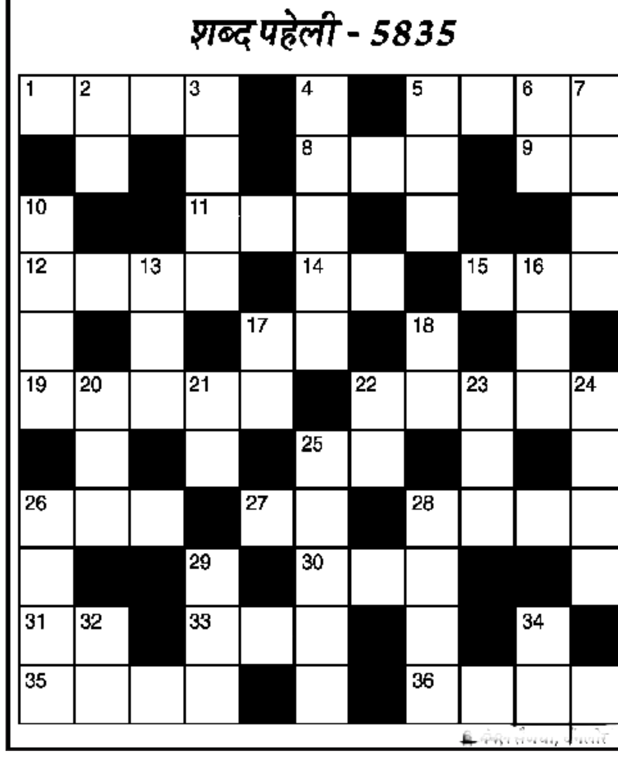

बाएँ से दाए
1. चिकित्सा, इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा, क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर, शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा, अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर, आकर्षक-5
22. अनासक्ति, निर्विकारता-5
25. पानी, नीर-2
26. सूखा, दुष्काल-3
27. कांटा, कंटक-2
28. शांति, ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण, तेजस्वी-3
31. लाख, गोंद-2
33. मधुक, महुआ-3
35. हृदयगति, स्पंदन-4
36. अनुक्रम, निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे
2. पंख, पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक, देखरेख करने वाला, मुहाफिज-5
5. वियोग, जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता, अकेलापन-4
10. मरियल, निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म, गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम, नमस्कार-3
32. लड़ी, श्रृंखला-2
34. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 5834 का हल

सूडोकु नवताल - 5845

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5844 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

स्टाफ नर्स को अवकाश अवधि का वेतन देने के निर्देश

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि केवल संविदा कर्मचारी होने के आधार पर मातृत्व अवकाश का वेतन देने से इनकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने स्टाफ नर्स को अवकाश अवधि का वेतन देने के निर्देश दिए हैं। न्यायालय ने राज्य के अधिकारियों को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता द्वारा मातृत्व अवकाश वेतन की मांग पर नियमानुसार तीन माह के माह के भीतर निर्णय लिया जाए।

राखी वर्मा, जिला अस्पताल कबीरधाम में स्टाफ नर्स के रूप में संविदा पर कार्यरत हैं। उन्होंने 16 जनवरी 2024 से 16 जुलाई 2024 तक मातृत्व अवकाश के लिए आवेदन किया था। इसे स्वीकृत कर लिया गया। उन्होंने 21 जनवरी 2024 को एक कन्या को जन्म दिया और 14 जुलाई 2024 को पुनः ड्यूटी ज्वाइन की। इसके बावजूद, उन्हें मातृत्व अवधि का वेतन नहीं दिया गया। इससे उन्हें और उनके नवजात को आर्थिक कठिनाई का सामना करना पड़ा। उन्होंने 25 फरवरी 2025 को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को वेतन की मांग का आवेदनप्रस्तुत किया। कार्रवाई न होने पर उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ने तर्क दिया कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (अवकाश) नियम, 2010 के नियम 38 के अंतर्गत मातृत्व अवकाश एक विधिक अधिकार है, जो संविदा कर्मचारियों पर भी समान रूप से लागू होता है।

छोटे भाई ने हत्या कर बड़े भाई को दफनाया, छह माह बाद निकली लाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ मालखरौदा

सक्ती जिले के मालखरौदा थाना अंतर्गत ग्राम चारपारा में छोटे भाई ने बड़े भाई की हत्या कर लाश को घर में ही दफन कर दिया। छह माह बाद खुदाई कर लाश निकाली गई। इसके बाद मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपी छोटे भाई को गिरफ्तार कर लिया है।

ग्राम चारपारा में एक युवक द्वारा अपने ही बड़े भाई को मौत के घाट उतारने और घर की ही जमीन पर दफन करने का मामला सामने आया है। हत्या की वारदात छह महीने पुरानी बताई जा रही है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद खुदाई कर जब शव बाहर निकाला गया, तब पूरे मामले का पर्दाफाश हो गया। इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी

के अनुसार मालखरौदा थाना क्षेत्र के ग्राम चारपारा में रहने वाले 20 वर्षीय संदीप भारती का आए दिन अपने परिवार के सदस्यों से विवाद होते रहता था।

छह माह पहले संदीप ने पैसे नहीं देने के विवाद पर अपनी मां से झगड़ा किया और उसकी पिटाई भी कर दी। इस बात को लेकर रात में संदीप के साथ उसके छोटे भाई करन भारती का विवाद हो गया। दोनों भाईयों के बीच मारपीट हो गई। करन ने हाथ मुक्के से संदीप की जमकर पिटाई कर दी और उसका गला दबा दिया। इससे संदीप की मौत हो गई। करन ने संदीप की लाश को घर की ही जमीन पर दफन कर दिया और घरवालों को उसके हैदराबाद चले जाने की मनगढ़त कहानी सुना दी। इस बीच पंचायत चुनाव के दौरान जब करन की मां ने संदीप को बुलवाने कहा, तब करन ने उसकी हत्या कर लाश दफन करने की बात अपनी मां को बताई। धीरे धीरे यह बात गांव में फैलने लगी। मामले की शिकायत पुलिस तक पहुंची।

पीआईएल में फर्नेश ब्लास्ट दर्जनभर मजदूर घायल

चांपा। प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड में शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया। हादसे में 13 मजदूर झुलस गए। घटना की सूचना मिलने पर कलेक्टर और एस पी के साथ आला अधिकारी प्लांट के अंदर पहुचे और घायलों को उपचार के लिए बिलासपुर और रायपुर अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

प्रकाश इंडस्ट्रीज में शनिवार 12 अप्रैल को सेकण्ड शिफ्ट के दौरान ओल्ड 15 टन फर्नेश ब्लास्ट हो गया। फर्नेस में ब्लास्ट होने से वहां काम कर रहे अधिकारी कर्मचारी और मजदूरो के ऊपर फर्नेश का लावा छिटक गया। गर्म लावा के संपर्क में आने से 13 लोग घायल हुए। जिसमे 4 मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्लांट के अंदर हुए हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। घायलों को आसपास काम कर रहे श्रमिकों ने किसी तरह संभाला। प्लांट के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। कुछ देर बाद घटना की सूचना पर कलेक्टर और एसपी आला अधिकारियो के साथ मौके में पहुचे और घायलों के प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को बिलासपुर और रायपुर नारायणा अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श–राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देशकर हर्बल्स
94060-21769

JHAIGO झाइगो Cream 5+1
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या... बस इस बार झाइगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईया है? आंखो पर काले घेरे है?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने एवं बच्चा संभालने के लिए लड़की या महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अमेरी विशाल नगर कालोनी, बिलासपुर मो. 9131820581, 7000016930, 73544 50991 (37390)

आवश्यकता है- डिस्ट्रीब्यूटर के यहां सेल्स, मार्केटिंग, डिलीवरी ब्वॉय, आफिस ब्वॉय आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 99587 75083 (37400)

आवश्यकता है- CCTV कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग के लिए युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- पारस इन्टरप्राइजेस, गुप्ता गली, टिकरापारा, मन्नू चौक बिलासपुर 9425530470, 9893281946 (37402)

आवश्यकता है- लेट्रीन बाथरूम की सफाई करने स्वीपर की आवश्कता है अग्रवाल लॉज अमरनाथ गोलबाजार बिलासपुर 98279 40898,9406390898 (37350)

आवश्यकता है- (1) हिन्दी कम्प्यूटर टाइपिंग कार्य (2) महिला की देखभाल एवं घरेलू कार्य के लिए महिला (3) कार ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8120879158, 80782 80001 (37357)

आवश्यकता है- डाटा एंट्री वा अकाउंटिंग हेतु लड़कियों वा लड़कों की आवश्यकता है। संपर्क करें। सूरज इलेक्ट्रिकल्स,C- 21 नेताजी कॉम्प्लेक्स मंदिर चौक जरहाभाठा बिलासपुर (छ.ग.) मो 9301586381, 98271 81236 (37410)

आवश्यकता है- सेनेटरी पाइप दुकान हेतु एकाउंटेंट, मार्केटिंग, सेल्समेन, एवं दुकान हेतु लड़के/ लड़कियां चाहिए। संपर्क- श्री बजाज ट्रेडर्स (सेनेटरी एण्ड बाथरूम फिटिंग) मंगलाचौक CLC प्लाजा के सामने, रिंगरोड नं.2 बिलासपुर 8085222340 (37406)

आवश्यकता है- कार ड्राइवर की तत्काल आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- सुबह 10 से दोप. 1बजे एवं शाम 4 से 7बजे तक, हरिअमृत मैरिज रिसोर्ट, सीपत रोड, मोपका बिलासपुर 9827114005 (37371)

आवश्यकता है- सुनहरा अवसर सरकारी नौकरी भारतीय वन विभाग में सीधी पक्की भर्ती, परमानेंट बेसेस पर, आवेदन करें, 10वी+12वी पास लड़के लड़कियां , पद - वन सिपाही, वन रक्षक, क्लर्क, वन पाल सैलरी -25000/- से 35000/-आवेदन के लिए आधार कार्ड, पासपोर्ट फोटो, मार्कशीट व्हाट्सएप / संपर्क करें - 9933803418 (801)

आवश्यकता है- घर पर रहकर हमारे घर में घरेलू काम करने के लिए लड़का या लड़की की आवश्यकता है गोंडपारा गुरुद्वारा के बाजू में बिलासपुर छत्तीसगढ़ 9669211111, 9827175811 (37409)

आवश्यकता है- अनुभवी रिसेपशनिस्ट हॉस्पिटल मैनेजमेंट, अनुभवी PRO फील्डवर्क अनुभवी। OT टेक्नीशियन, नर्सिंग स्टाफ़ प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर।-747094 6314 (37407)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिकल्स शाप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है, वेतन योग्यतानुसार पता आर. एस. सेल्स गोल्डन बार के सामने दीनदयाल गार्डन के पास व्यापार विहार बिलासपुर (37408)

आवश्यकता है- परमानेंट 200 पद कंपनी जॉब छत्तीसगढ़ ऑफिस कार्य, सुपरवाइजर कम्प्यूटर-ऑपरेटर, स्टोर कीपर, वेल्डर कटर, फिटर, गार्ड, चपरासी, इलेक्ट्रीशियन, ड्राइवर पांचवी से ग्रेजुएट्स वेतन 10000-40000 रहना+ मेडिकल फ्री संपर्क करें मो. 7771865044 (37403)

आवश्यकता है- तम्बाखू फैक्ट्री में काम करने के लिए कर्मचारियों की आवश्यकता है मिलने का समय प्रातः 10 से 12 बजे तक संपर्क करें- 79700 83000, 8962350057 (37405)

आवश्यकता है- यश बिग बाजार में काम करने के लिए लड़कों/ लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- यश बिग बाजार रिंग रोड नम्बर 2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर (37401)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 8 वीं 10 वीं, 12 वीं पास महिलाओं एवं लड़कियों की आवश्यकता है पता समाधान नर्सिंग होम के सामने आकांक्षा रियल स्टेट राजीव गांधी चौक 8982555947 (37391)

आवश्यकता है- वेयर हाउस रोड बिलासपुर स्थित संस्था में पार्ट टाइम सुबह 8 बजे से दोपहर 2बजे तक के लिए रिसेप्शनिस्ट हेतु योग्य महिला/ युवती की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9229449481 (37393)

Requirment- Employees Requirement of Fortune Buildcon Bilaspur (1) JR. Engineer 3 Nos (2) Supervisor 5 Nos (3) All Type Vehicles Mechanic Work Experience 3 To 5 Years Contact- 89668 66662, 9300543720 (37375)

आवश्यकता है- कृष्णा सेल्स कार शोरूम में कार्य करने हेतु कार ड्रायवर- 2-पद, कार सफाई 2-पद, कार सेल्स हेतु 2-पद की आवश्यकता है पता भाटिया फ्यूल्स, महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर मो. 93006 74767 (37392)

आवश्यकता है- दर्रीघाट करारी साइड में कंस्ट्रक्शन कार्य के लिए डिप्लोम धारी, अनुभवी सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 99772 91777 (37362)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिकल्स दुकान मे फ्रीज, एसी, कूलर, पंखा आदि रिपेयरिंग, तथा साइड में जाकर वायरिंग फिटिंग करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। पता - अरुण इलेक्ट्रिकल्स चंद्रा पार्क के सामने वृहस्पति बाजार बिलासपुर। 7869102080 (37398)

आवश्यकता है- बिलासपुर में कार्य करने हेतु लेवर एवम पिकअप ड्राइवर (अनुभवी को प्राथमिकता) की शीघ्र आवश्यकता है। संपर्क करें - 9425272222 (37399)

आवश्यकता है- कुशल लेथ आपरेटर, शेपर आपरेटर, पेल्डर एवं हैल्पर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जोत इंजीनियरिंग सेक्टर A, जेसीबी डायनैमिक के पीछे सिरगिट्टी बिलासपुर 78280 70065 (37387)

आवश्यकता है- महिला कंप्यूटर, Telly account, हिंदी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग, PA, आफिस वर्क, चाय+सफाई! पुरुष : मेडिकल मशीन /ऑर्थो orthopedic समान मार्केटिंग & सर्विस, समान लाने लेजाने हेतु पुरुष, गार्ड (रात + डॉग के लिए), Car Driver, 14000 - 25000, भारत मेडिकल सिस्टम, MIG 70, नेहरू नगर, बिलासपुर 78791 77222 PINAKA मेडिकल, Sec 11 कमल विहार, Raipur 9326609234 (37396)

आवश्यकता है- कपड़े के शोरूम में कार्य करने के लिए दो अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 11000 तक सम्पर्क करें- रूपवर्षा, गोल बाजार सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827163669 (37385)

आवश्यकता है- एकाउंटिंग साफ्टवेयर चलाने हेतु कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है। केवल अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- मुकेश कुमार अधीजा तिफरा फल सब्जी मण्डी बिलासपुर 8817098291 (37377)

आवश्यकता है-नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम sss घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9202613238 (749)

Celesty ICE CREAM
PURE MILK PURE ICE CREAM
REQUIRED
Distributor & Marketing Executive.
Area - All Districts & Town (CG)
info.celesty@yahoo.com
9109124267

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेंसी में ड्राईवर, इलेक्ट्रीशियन, फलेक्स माउंटिंग हेतु लडकों एवं एलईडी लेटर कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क करें -सी 15, ग्राउंड फ्लोर, नारायण प्लाजा, बिलासपुर 9752390684, 6264550163 (37378)

आवश्यकता है- ऑफिस में टैली कॉलिंग कार्य हेतु लड़कियों व महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000+ कमीशन उम्र 18 से 28 वर्ष तक सम्पर्क करें– मंगला चौक बिलासपुर 8085106943 (RP)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में आर्डर एवं वसूली के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क 9111000629 (37383)

आवश्यकता है- होटल में कार्य करने हेतु कुशल मिस्त्री एवं रोटी बनाने और बर्तन धोने के लिए बाई की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- फुड जोन ईदगाह रोड बिलासपुर 9039791624 (37380)

आवश्यकता है- बाईक ऑटो पार्ट्स दुकान, लॉज में (हाउस कीपिंग) काम और घर में (खाना बनाना+ डस्टिंग) कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 78695 23344, 7301717175 (37389)

आवश्यकता है- रियल स्टेट TNC प्रोजेक्ट के मार्केटिंग+ टेलीकॉलिंग एवं सेल्स कार्य हेतु 20 शिक्षित युवक/ युवतियों की आवश्यकता है आकर्षक वेतन+ कमीशन योग्यतानुसार आधार कार्ड सहित 13/04/ 2025 दोपहर 1-4 बजे तक सम्पर्क करें- एफिनिटी ग्रोथ मार्केटिंग सॉल्यूशन 9490591000 स्काई टावर फर्स्ट फ्लोर गोविंदम पैलेस के सामने रिंगरोड नं-2, बिलासपुर (37363)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गोविन्द इलेक्ट्रॉनिक बुधवारी बाजार गेट नम्बर 1, बिलासपुर 9300635599 (37379)

आवश्यकता है- टेन्ट हाउस में गाड़ी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। ड्राइविंग लाइसेंस आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- 98271 89233 (37365)

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप में काम करने के लिए सेल्समेन/ सेल्सगर्ल एवं फुल टाइम ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्री शारदा ज्वेलर्स, सदर बाजार खपरगंज स्कूल रोड बिलासपुर 98844 86188, 9827108604 (37382)

आवश्यकता है- रेडिमेड कपड़ा शोरूम में अनुभवी एवं फ्रेसर लड़के, लड़की सेल्समेन चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- Red Mega Mart, मगरपारा रोड, कोटक महिंद्रा बैंक, ऑपोजिट किम्स हॉस्पिटल, बिलासपुर 98261 68423, 9039204116 (37386)

आवश्यकता है- ऑफिस एवं फील्ड वर्क के लिए बिलासपुर में 3 लड़कियां एवं 2 लड़कों की आवश्यकता है। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 91095 11248, 9244664654 (37388)

आवश्यकता है- फर्नीचर शोरुम बिलासपुर में अनुभवी सेल्समैन, सेल्सगर्ल, सफाई कर्मचारी एवं कारपेन्टर (बढ़ई) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रातः 10 से 12बजे एवं, रात्रि 8 से 9बजे तक 93006 12345 (37368)

आवश्यकता है- होलसेल बैग दुकान में काम करने हेतु लड़के, लड़कियों एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। अतिशीघ्र सम्पर्क करें- आर.के. बैग हाउस सरजू बगीचा रोड, तेलीपारा, बिलासपुर 97136 15767 (37360)

आवश्यकता है-छड़, सीमेंट दुकान कार्य करने के लिए मेहनती लड़कों वेतन 12000 एवं ट्रैक्टर चलाने हेतु ड्राइवर वेतन 10000 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- ममता ट्रेडर्स मोपका बिलासपुर 93003 07926, 9993443207 (37256)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में दवाई निकालने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मिहिर मेडिकोज मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7974670905 (37358)

आवश्यकता है- ट्रांसपोर्ट में कार्य करने के लिए कम्प्यूटर आपरेटर स्टाफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जय दुर्गा रोड लाइन्स पानी टंकी के पास ट्रांसपोर्ट नगर सिरगिट्टी रोड बिलासपुर 9300678181 (37361)

आवश्यकता है- यश बिग बाजार में काम करने हेतु सेल्स गर्ल कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं सेल्स ब्वॉय की शीघ्र आवश्यकता है। सम्पर्क करें- स्टेट बैंक के सामने राजकिशोर नगर बिलासपुर 93003 29794, 9131876031 (37374)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़के, लड़कियों (कार्य पिकर, चेकर, लोकल डिलीवरी, पैकर) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जगत फार्मा, मेडिकल काम्प्लेक्स होटल अजीत के पीछे तेलीपारा बिलासपुर (37366)

आवश्यकता है- नर्सिंग कार्य हेतु लड़कों की शीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार गजानन स्मृति हॉस्पिटल बलराम टॉकिज के पास, नेहरू नगर बिलासपुर मिलने का समय 1 से 2 दोपहर (37359)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें - 8521185983 (777)

आवश्यकता है- जनरल दुकान मे कार्य करने हेतु अनुभवी लड़को एवं लड़कियों और अच्छे सेल्समेन की भी जरूरत है पेमेट भरपुर दिया जायेगा। सुनील प्लास्टिक तेलीपारा अजीत होटल के सामने बिलासपुर (37292)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियो की आवश्यकता है (पार्ट टाइम तथा फुल टाइम) सम्पर्क करें- 7869797088 (37381)

आवश्यकता है- मूर्ति दुकान में काम करने के लिए मेहनती लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जयपुर मूर्ति भंडार संजोग वाटिका के पास अशोक नगर सरकण्डा बिलासपुर (37369)

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने के लिए लड़की या महिला की आवश्यकता है। वेतन 5000 से 7000 तक। सम्पर्क करें- राजकिशोर नगर बिलासपुर 8962881411, 9826163818 (37373)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़कियो एवं महिलाओं की आवश्यकता है उम्र 18 से 30 साल तक संपर्क करे ऑफिस टाइम 10 से 5:30 राजेन्द्र नगर बाल उद्यान के पास 9770245205 (RP)

आवश्यकता है- टेलीकॉलिंग हेतु 18 से 35 वर्ष की लड़कियों, महिलाओं की आवश्यकता है। वेतन 5000/- से 20000/- संपर्क करेंः- मंदिर चौक प्रोटीन वर्ल्ड के पास बिलासपुर 7470328986 (RP)

आवश्यकता है- टेलीकॉलिंग, ऑफिस कार्य हेतु लड़की/ महिलाओं की आवश्यकता है। योग्यता 10वी, 12वी, ग्रेजुएट, सैलरी 5000+ कमीशन+ बोनस से कमाएं 10000 से 15000 पता- महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर 8962358129 (3429)

आवश्यकता है- मैट्रिमोनी में कार्य हेतु 18 से 30वर्ष की युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000 से 20000 कमाने का अवसर सम्पर्क करें- आरबी हॉस्पिटल के पास, पत्रकार कॉलोनी बिलासपुर 7987392821 (3432)

आवश्यकता है- रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5, 8 , 10 पास हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो आधार कार्ड सहित मिले रहने, खाने की सुविधा वेतन 14500 से 19000 तक संपर्क करें 8109070600 (7086)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य के लिए 18 से 30वर्ष की युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है, सैलरी – 5000 से 20000 कमाने का अवसर, संपर्क करें- तिरंगा चौक साईं मंदिर के पास बिलासपुर 8962819734, 9691610438 (RP)

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य करने हेतु 2 लड़के, साइड में देख रेख हेतु चौकीदार व सुपरवाइजर जिसे सिविल वर्क का अनुभव हो, (वेतन योग्यतानुसार) सम्पर्क- राजेश गुप्ता, मंगला चौक 76970 41000, 9893590132 (RP)

आवश्यकता है- कोसा बाड़ी कोरबा छत्तीसगढ़ में बुजुर्ग की देख भाल और घरेलू कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है, केवल कोरबा निवासी ही सम्पर्क करें- 9686578508 (RP)

बेचना है

बेचना है- इमलीपारा रघुराज सिंह स्टेडियम के पीछे मेन रोड (कार एसेसरीज कॉम्प्लेक्स) मे 372 वर्गफिट की दुकान बेचना है सम्पर्क करें 7697110111 (37397)

बेचना है-हर्ष-फिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड-49, बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 3BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफॉर्डेबल फ्लैट, T&C रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (36177)

बेचना है- रायपुर रोड, हाईकोर्ट के सामने, मेन रोड से 50 मीटर अन्दर न्यू एयरपोर्ट रोड, बोदरी में 50×200= 10000 वर्गफीट व्यवसायिक डायवर्सन, बाउन्ड्रीवाल सहित प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- 9300310774 (37354)

बेचना है-श्रीगणेश एन्कलेव, तोरवा में (प्राईम लोकेशन) तोरवा- शिवरिनारायण राष्ट्रीय राजमार्ग एवं कृषि धान मण्डी मार्ग से जुड़ा हुआ दो मंजिला मकान बेचना है। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 88398 68262, 9424173006 (37384)

बेचना है- आर्या कॉलोनी तिफरा स्थित 3 मंजिला 4BHK स्वतंत्र मकान स्वयं का बोर सहित सर्व सुविधायुक्त मकान बेचना है (व्हाट्स पर वीडियो फोटो उपलब्ध) संपर्क 9479170222, 93294 07603 (37404)

बेचना है- अटल यूनिवर्सिटी कोनी के पास 100फ्रंट 13080 वर्गफिट, काके दी ढाबा के पास हाईवे में 75फ्रंट 13080 वर्गफिट, 132फ्रंट 24852 वर्गफिट, मोपका बायपास में 90फ्रंट 11336 वर्गफिट, 190 फ्रंट 22672 वर्गफिट, एवं 150 फ्रंट 16132 वर्गफिट का प्लाट बेचना है। संपर्कः- 93008 78897 (RP)

बेचना है- बिलासपुर मोपका शारदा विहार कॉलोनी, मेनरोड से 10 मीटर की दूरी में डायवर्टेड प्लॉट सर्वसुविधायुक्त बेचना है (प्लॉट साइज 38x105) संपर्क करेंः- 8461997770, 97551 73102 (RP)

बेचना है- तेलीपारा वृंदावन कॉम्प्लेक्स फर्स्ट फ्लोर 2 दुकान गोड़पारा शक्ति बेकरी के सामने 3 मंजिल दुकान सरकंडा पूजा पार्क 3BHK फ्लैट नेहरू नगर मेन रोड 5800 फिट प्लाट इमलीपारा डबल स्टोरी मकान, रामावेली फुलफर्नीश बड़ा मकान सम्पर्क- 9302855022 (37395)

बेचना है- नई राजधानी का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन केंद्री रायपुर के पास सेमी कमर्शियल प्लॉट उपलब्ध हैं सम्पर्क करें- 9990440140, 9991118972 (3433)

Medicare Specialists
गुप्त रोगो का सफल इलाज
गुप्त रोग, नामर्दी
लिंग में छोटापन।
शीघ्र पतन
पेशाब से धातु जाना।
लिंग में ढीलापन,
शुक्राणु की कमी।
शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने रायपुर, छ.ग.
9826038170

किराया

किराया- मेन रोड से लगा ग्राउंड फ्लोर 1150, फर्स्ट फ्लोर 1350, सेकेंड फ्लोर 1450 वर्गफीट मुख्य/ साइड प्रवेश द्वार, पार्किंग एसी कमरे सेप्रेट केबिन, पता- सर्वेश क्लासेस, देवनन्दन नगर फेज-2, सरकंडा, बिलासपुर 97523 78172, 9144117651 (37364)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

CLASSIFIED RATE CARD

01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/ Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sqcm
Bhilai+Durg Edition	440	560	520	150/- Sqcm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sqcm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sqcm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sqcm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sqcm
All CG+MP	1280	1750	1600	330/- Sqcm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sqcm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4

COLOUR 20% Extra Charge For Disply

SCHEME

(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25

1. Pick of the day 15% extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100 Rs. EXTRA.

ADVT. Booking Time 10.30 am to 4.00 pm.

5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3 Scheme

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500/- 1 Sunday	800/- 1 Sunday
900/- 2 Sunday	1200/- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE — 10X1 FIX SIZE

	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur
Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778
E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur.
Mob.: 9826782100
E-mail- hbclassified375@gmail.com

अभिषेक का रिकॉर्ड शतक, हैदराबाद की दूसरी जीत, पंजाब को दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग के बड़े स्कोर वाले मैच में शनिवार को यहां पंजाब किंग्स को आठ विकेट से हराकर लगातार चार हार के क्रम को तोड़ा। पंजाब के 246 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स ने 18.3 ओवर में दो विकेट पर 247 रन बनाकर जीत दर्ज की।

आईपीएल के इतिहास का ये दूसरा सबसे सफल रन चेज रहा। अभिषेक का यह शतक आईपीएल में किसी भारतीय बल्लेबाजी का सर्वोच्च स्कोर है। पंजाब ने इससे पहले कप्तान श्रेयस अय्यर की 82 रन की पारी से छह विकेट पर 245 रन बनाए थे।सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 256.36 की स्ट्राइक रेट से ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और 55 गेंदों पर 141 रन ठोक दिए। अपनी इस पारी में शर्मा ने 14 चौकों के साथ ही 10 छक्के भी ठोक दिए।ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा के बीच पहले विकेट के लिए 171 रनों की पार्टनरशिप हुई। हेड ने 37 गेंदों का सामना किया और 66 रन बनाए। हेड ने 9 चौकों के साथ ही 3 छक्के भी लगाए। हेनरिक क्लासेन 21 और ईशान किशन 9 रन बनाकर नाबाद रहे।

सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर

रन	खिलाड़ी	वर्ष
175*	क्रिस गेल	2013
158*	बी मैकुलम	2008
141	अभिषेक शर्मा	2025*
140*	क्विंटन डी कॉक	2022
133*	एबी डिविलियर्स	2015

अय्यर का अर्धशतक

पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर (82) ने निहाल वढेरा (27) के साथ तीसरे विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी भी की। प्रभसिमरन सिंह (42) और प्रियांश आर्य (36) ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 24 गेंद में 66 रन जोड़कर टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई। मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 34) ने अंत में तेजतर्रार पारी खेलकर टीम का स्कोर 240 रन के पार पहुंचाया।

अभिषेक का पर्ची सेलिब्रेशन

हैदराबाद के सलामी बल्लेबाजी अभिषेक शर्मा ने पंजाब किंग्स के खिलाफ तूफानी शतक लगाया। अपने पहले शतक के लिए उन्होंने उन्होंने 40 गेंदों का सहारा लिया। शतक के बाद अभिषेक ने सेलिब्रेशन के लिए अनोखा तरीका अपनाया। उन्होंने सेंचुरी जड़ने के बाद जेब से पर्ची निकाली और सभी को दिखाई। इसके बाद से ही फैंस के मन में सवाल उठने लगा है कि आखिरी इस पर्ची पर क्या लिखा था। अभिषेक ने जिस पर्ची को दिखाया उस पर लिखा था, 'यह शतक ऑरेंज आर्मी के लिए है।'

खास खबर

रोहित और राहुल पर होगी निगाह

नई दिल्ली। खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा रविवार को यहां मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाले मैच में स्पिनरों की कड़ी चुनौती से पार पाकर आईपीएल में खुद को प्रासंगिक बनाए रखने का प्रयास करेंगे। रोहित जहां रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं वहीं मुंबई की टीम को तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो दिल्ली के कुशल बल्लेबाज के एल राहुल के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं।

सॉल्ट-कोहली के सामने आज आर्चर की चुनौती

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमें रविवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग मैच में जीत की राह पर लौटने के इरादे से मैदान पर उतरेगी तो सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट और विराट कोहली के सामने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर कड़ी चुनौती पेश करेंगे। इन दोनों टीमें को पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। आईपीएल के इस सत्र के शुरुआती मैच में इस लीग में सबसे ज्यादा रन लुटाने वाले गेंदबाज बने आर्चर ने लय में वापसी कर ली है। उनकी तेज रफ्तार गेंदें पिछले दो मैचों से कहर बरपा रहीं हैं।

अभी हार स्वीकार करने की जरूरत नहीं : हसी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार पांचवें मैच में हार का सामना करना पड़ा। लेकिन टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने अपने खिलाड़ियों का पूरा समर्थन करते हुए कहा कि अभी हार स्वीकार करने की कोई जरूरत नहीं है। पांच बार के चैंपियन के पास सही खिलाड़ी हैं। चेन्नई को अपने घरेलू मैदान चेपॉक में नौ विकेट पर 103 रन का अपना अब तक का सबसे कम स्कोर बनाने के बाद शुक्रवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स से आठ विकेट की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
लखनऊ	6	4	2	8
गुजरात	6	4	2	8
दिल्ली	4	4	0	8
बेंगलुरु	5	3	2	6
पंजाब	5	3	2	6
कोलकाता	6	3	3	6
राजस्थान	5	2	3	4
हैदराबाद	6	2	4	4
मुंबई	5	1	4	2
चेन्नई	6	1	5	2

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप

निकोलस पूरन
349 रन
लखनऊ

नूर अहमद
11 विकेट
चेन्नई

आईपीएल : लगातार चार जीत के बाद हारी टाइटंस की टीम

लखनऊ के नवाबों ने रोका गुजरात का विजयी रथ, सुपर जायंट्स की चौथी जीत

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

लखनऊ सुपरजायंट्स ने शनिवार को आईपीएल-2025 में गुजरात टाइटंस को छह विकेट से मात देकर उसके विजयी रथ को रोक दिया। यह लखनऊ की लगातार तीसरी और ओवरऑल चौथी जीत है। गुजरात जायंट्स छह विकेट पर 180 रन बना सका। लखनऊ ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 186 रन बनाकर जीत दर्ज की। जायंट्स के लिए निकोलस पूरन ने 61 रन और एडेन मारक्रम ने 58 रन की पारी खेली। टाइटन्स को इस तरह चार जीत के बाद हार का मुंह देखना पड़ा।

इससे पहले कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी की। सुदर्शन (56 रन) ने सत्र का अपना चौथा अर्धशतक लगाया और गिल (60 रन) के साथ मिलकर बड़े स्कोर के लिए मंच तैयार किया। लेकिन घरेलू टीम के गेंदबाजों ने जोरदार वापसी की और तीन विकेट चटकाकर स्कोरिंग गति पर ब्रेक लगा दिया। पहले विकेट के लिए सत्र की सर्वश्रेष्ठ साझेदारी के बाद मेहमान टीम आखिरी आठ ओवरों में सिर्फ 60 रन ही बना सकी।

पूरन-मार्करम का तूफान

पूरन ने आते ही तूफान ला दिया और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। दूसरी तरफ से मार्करम भी तेजी से रन बना रहे थे। मार्करम ने अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था। इसके बाद वह आठ रनों का इजाफा और कर सके फिर आउट हो गए। मार्करम ने 31 गेंदों पर नौ चौके और एक छक्के की मदद से 58 रन बनाए। कृष्णा ने उन्हें गिल के हाथों कैच कराया। उनके जाने के बाद पूरन नहीं रुके और तेज खेलते रहे। 13वें ओवर की चौथी गेंद पर पूरन ने चौका मार पूरन ने अपना अर्धशतक पूरा किया। अर्धशतक जमाने के बाद पूरन भी आउट हो गए।

पंत ओपनिंग में फेल

लखनऊ के स्टार ओपनर मिचेल मार्श इस मैच में नहीं खेल रहे थे। उनकी जगह कप्तान पंत ने मार्करम के साथ ओपनिंग का जिम्मा संभाला। हालांकि, पंत जगह में बदलाव के बाद भी बड़ा पारी नहीं खेल सके। वे 21 रन बनाकर आउट हुए। सातवें ओवर की दूसरी गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा ने उन्हें वॉशिंगटन सुंदर के हाथों कैच कराया।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटन्स	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का पूरन बो बिश्नोई	56	37	7	1
गिल का मारक्रम बो आवेश	60	38	6	1
बटलर का ठाकुर बो राठी	16	14	2	0
वाशिंगटन सुंदर बो बिश्नोई	02	03	0	0
रदरफोर्ड पगबाधा बो ठाकुर	22	19	3	0
शाहरूख खान नाबाद	11	06	0	1
तेवतिया का मारक्रम बो ठाकुर	00	01	0	0
राशिद खान नाबाद	04	02	0	0

अतिरिक्त : 09, कुल : 20 ओवर में 180/6
गेंदबाजी : शार्दुल 4-0-34-2, आकाशदीप 3-0-33-0, राठी 4-0-30-1, आवेश 4-0-32-1, बिश्नोई 4-0-36-2, मारक्रम 1-0-15-0.

लखनऊ	रन	गेंद	4	6
मारक्रम का गिल बो कृष्णा	58	31	9	1
पंत का सुंदर बो कृष्णा	21	18	4	0
पूरन का शाहरूख बो राशिद	61	34	1	7
आयुष बडोनी नाबाद	28	20	2	1
डेविड मिलर बो सुंदर	07	11	0	0
अब्दुल समद नाबाद	02	03	0	0

अतिरिक्त : 09, कुल : 19.3 ओवर में 186/4
गेंदबाजी : सिराज 4-0-50-0, अरशद 2-0-11-0, कृष्णा 4-0-26-2, राशिद 4-0-35-1, सुंदर 4-0-28-1, किशोर 1.3-0-35-0.

गुजरात के फिलिप्स आईपीएल से बाहर

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ग्रोइन की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को यह घोषणा की। गुजरात टाइटंस ने यहां जारी बयान में कहा, 'फिलिप्स सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ छह अप्रैल को खेले गए मैच के दौरान फील्डिंग करते समय चोटिल हो गए थे।' न्यूजीलैंड का यह ऑलराउंडर स्वदेश लौट गया है। वह आईपीएल के वर्तमान सत्र में गुजरात टाइटंस के किसी भी मैच में अंतिम एकादश में शामिल नहीं थे।

खबर संक्षेप

समझ होने के कारण स्पिनर को उतारा

चेन्नई। कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे और मोईन अली के कारण एक अतिरिक्त स्पिनर को मैदान में उतारने का निर्णय लिया गया। केकेआर का यह फैसला आखिर में महत्वपूर्ण साबित हुआ तथा उसके स्पिनरों सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और मोईन अली ने टीम की आठ विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई। डिकॉक ने कहा कि मैच आगे बढ़ने के साथ विकेट बल्लेबाजी के लिए बेहतर हो गया था।

चेन्नई सुपर किंग्स के खेल में आत्मविश्वास की कमी

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग की पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खेल में

आत्मविश्वास की कमी है जो मौजूदा समय की जरूरत के मुताबिक नहीं खेल पा रही है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई की टीम को शुक्रवार को एकतरफा मैच में आठ विकेट से हराया। चेन्नई ने इस दौरान अपने घरेलू मैदान पर सबसे कम स्कोर बनाने के बाद छह मैचों में लगातार पांचवीं हार का सामना किया।

एशियाई कप 2031 की दावेदारी का समर्थन

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने 2031 एएफसी एशियाई कप की मेजबानी करने की भारत की इच्छा के लिए सरकार का पूरा समर्थन देते हुए शनिवार को कहा कि प्रमुख प्रतियोगिताओं की मेजबानी से देश का वैश्विक कद बढ़ेगा जिसका लक्ष्य 2036 ओलंपिक का आयोजन करना है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने 31 मार्च की समय सीमा से पहले महाद्वीप के सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट के 2031 सत्र की मेजबानी के लिए इच्छा पत्र सौंपा है जिसकी घोषणा शुक्रवार को की गई।

मोंटे कार्लो मास्टर्स

अल्कराज की संघर्षपूर्ण जीत गत चैंपियन सिटसिपास बाहर

एजेंसी ▶▶| मोनाको

कार्लोस अल्कराज ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन गत चैंपियन स्टेफानोस सिटसिपास हारकर बाहर हो गए।

दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अल्कराज को क्वार्टर फाइनल में आर्थर फिल्स की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। पहला सेट गंवाने के बाद वह दूसरे और तीसरे सेट में भी पीछे चल रहे थे लेकिन आखिर में ढाई घंटे तक चले मैच में 4-6, 7-5, 6-3 से जीत हासिल करने में सफल रहे।

अल्कराज पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका मुकाबला स्पेन के हमवतन खिलाड़ी और 2022 के उपविजेता एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना से होगा। डेविडोवेविच फोकिना ने एलेक्सी पोपिरिन को 6-3, 6-2 से हराया।

सिटसिपास का इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन रहा है लेकिन लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ अच्छी शुरुआत के बाद उनकी लय एकदम से गड़बड़ा गई। सिटसिपास 2021, 2022 और 2024 में मोंटे कार्लो चैंपियन रहे हैं और उनका मुसेटी के खिलाफ 5-0 का शानदार रिकॉर्ड था। उन्होंने शुक्रवार को पहला सेट 6-1 से जीता। मुसेटी ने हालांकि आखिरी दो सेट 6-3, 6-4 से जीतकर अंतिम चार में जगह बनाई जहां उनका सामना एलेक्स डी मिनौर से होगा, जो ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-0, 6-0 से हराकर तीन साल में पहली बार किसी क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।

एमपी, मणिपुर, पंजाब सेमीफाइनल में पहुंचे

झांसी। मध्य प्रदेश, मणिपुर और पंजाब ने शनिवार को यहां 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर अंतिम चार में जगह बनाई। दिन के पहले मैच में नियमित समय में मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहने के बाद मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को शूट आउट में 4-2 से हराया। दूसरे क्वार्टर फाइनल का नतीजा भी शूट आउट में निकला जिसमें मणिपुर ने शूट आउट में तमिलनाडु पर 4-1 से जीत दर्ज की। दोनों टीम के बीच नियमित समय में मुकाबला गोल रहित ड्रॉ रहा था। तीसरे मैच में पंजाब ने हरियाणा को 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

आडवाणी ने डब्लूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में जीता रजत

नई दिल्ली। भारत के सबसे दिग्गज क्यू खिलाड़ियों में शामिल पंकज आडवाणी को डब्लूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के फाइनल में डेविड कॉजियर के खिलाफ मामूली अंतर से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पंद्रह चरण के मुकाबलों के फाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने पूरा दमखम दिखाया। आडवाणी ने 2-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी ने आयरलैंड के कार्लो में खेले गए फाइनल मुकाबले में शानदार वापसी की।

फुटबॉल के विकास में अधिक टूर्नामेंटों के प्रभाव की प्रशंसा

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने शनिवार को एशियाई फुटबॉल परिसंघ कांग्रेस को दिए एक वीडियो संदेश में दुनिया भर में फुटबॉल के विकास में विस्तारित टूर्नामेंटों के प्रभाव की प्रशंसा की। इन्फेंटिनो इस वर्ष के क्लब विश्व कप के मेजबान अमेरिका से मलेशिया के कुआलालंपुर में एकत्रित एएफसी के 46 सदस्य संघों को संबोधित किया। इस क्लब विश्व कप का आयोजन जून और जुलाई में होगा जिसमें 32 टीमें भाग लेंगी।

फीफा प्रमुख ने कहा, 'अलग-अलग महाद्वीपों की टीमों के खिलाफ खेलने का मौका ज्यादा नहीं मिलता है। हम लंबे समय से इस तरह का बदलाव करना चाहते थे।' क्लब विश्व कप में एशिया प्रतिनिधित्व चार टीम करेंगी। इसमें संयुक्त अरब अमीरात की अल-ऐन, सऊदी अरब की अल-हिलाल, दक्षिण कोरिया की उल्सान एचडी और जापान की उरावा रेड्स शामिल है। इन्फेंटिनो ने कहा, '1930 के बाद से अब तक हुए सभी फीफा विश्व कप में जितने खिलाड़ी शामिल हुए हैं, उससे कहीं ज़्यादा खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे।'

बैसोया ने जीता इंडोरामा वेंचर्स ओपन चैंपियनशिप

अहमदाबाद। दिल्ली के सचिन बैसोया ने शनिवार को यहां इंडोरामा वेंचर्स ओपन गोल्फ चैंपियनशिप में दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चार अंडर 68 का कार्ड खेला और प्लेऑफ में पुणे के उदयन माने को पछाड़कर यादगार जीत दर्ज की। बैसोया (68-71-70-68) ने आखिरी दिन शानदार खेल दिखाया। वह तीसरे दौर के बाद शीर्ष पर काबिज माने से सात शॉट पीछे संयुक्त पांचवें पायदान पर थे। 34 माने आखिरी दौर में 75 का खराब कार्ड खेला जिससे उनका और बैसोया का कुल स्कोर एक समान 11 अंडर 277 हो गया। प्लेऑफ होल (पार-4 18वें) में 29 साल के बैसोया ने बेहतर प्रदर्शन कर खिताब अपने नाम किया। बैसोया को इस जीत से 30 लाख रुपए का चेक मिला, जिससे वह पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 11वें स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

एक दशक से भी अधिक समय से लागू है दो नई गेंद का नियम

वनडे में दो गेंद के नियम में बदलाव कर सकता है आईसीसी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजों के दबदबे को लेकर चली आ रही चिंता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद 50 ओवर के प्रारूप में दो गेंद के इस्तेमाल के नियम में बदलाव कर सकता है।

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की अध्यक्षता वाली आईसीसी क्रिकेट समिति ने वनडे में एक गेंद के इस्तेमाल की सिफारिश की है। दो नई गेंद का नियम एक दशक से भी अधिक समय से लागू है। इस सिफारिश को आईसीसी के निदेशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए जिसके बाद ही इसे संशोधित खेल शर्तों में शामिल किया जाएगा। आईसीसी बोर्ड रविवार को हरारे में इस मुद्दे पर चर्चा करेगा।

तीन नियमों में बदलाव

आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया, 'आईसीसी क्रिकेट समिति ने तीन नियमों में बदलाव की सिफारिश की है। एक दिवसीय क्रिकेट में एक सफेद गेंद का उपयोग, टेस्ट मैच में ओवर रेट की जांच के लिए 'क्लॉक टाइमर' (टाइमर घड़ी) का उपयोग और अंडर 19 पुरुष विश्व कप को 50 ओवर से टी20 में बदलना।'

बल्लेबाजों को मिलता है लाभ

अभी वनडे में दो नई सफेद कूकाबुरा गेंदों का इस्तेमाल किया जाता है। गेंदबाजों द्वारा प्रत्येक छोर से अलग-अलग नई गेंदों का इस्तेमाल करने के कारण गेंद सख्त बनी रहती है जिससे बल्लेबाजों को खुलकर रन बनाने का फायदा मिलता है। क्षेत्ररक्षण पाबंदी (30 गज के घेरे के बाहर केवल चार क्षेत्ररक्षक) के कारण बल्लेबाजों को गेंदबाजों पर अनुचित लाभ मिलता है। यहां तक कि महान सचिन तेंदुलकर ने भी अकसर दो नयी गेंदों से रन बनाने पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बात की है।

ऐसे होगा सरलीकरण

ऐसी संभावना है कि 25वें ओवर तक दो गेंद का उपयोग किया जा सकता है और उसके बाद गेंदबाजी करने वाली टीम को मैच पूरा करने के लिए दो गेंद में से एक को रखने का विकल्प दिया जाएगा। 'टाइमर क्लॉक' के मामले में ओवरों के बीच 60 सेकंड का समय देने और एक दिन में 90 ओवर पूरे करने के लिए समय सीमा तय करने की सिफारिश की गई है। धीमी ओवर गति का नियम टी20 के लिए पहले से ही लागू है जिसमें समय से पीछे चल रही टीम को 19वें ओवर की समाप्ति के बाद सर्कल के भीतर एक अतिरिक्त क्षेत्ररक्षक लाने की आवश्यकता होती है।

अंडर-19 विश्व कप को 50 ओवर का करने पर विचार

आईसीसी इस बात पर भी विचार करेगा कि अंडर-19 पुरुष विश्व कप को मौजूदा 50 ओवर के प्रारूप से टी20 प्रारूप में आयोजित करने की जरूरत है या नहीं। आईसीसी टूर्नामेंट को छोड़कर 50 ओवर की द्विपक्षीय श्रृंखलाएं खत्म हो रही है। आयु वर्ग के स्तर पर टी20 विश्व कप का मतलब है कि अब उन सभी देशों के लिए एक बड़ा 'टैलेंट पूल' उपलब्ध है जिनके यहां अब फ्रेंचाइजी लीग चल रही हैं। अगला अंडर-19 विश्व कप जिम्बाब्वे में आयोजित किया जाएगा।

MATS UNIVERSITY

MATS UNIVERSITY ready for life.......

NAAC GRADE A+ ACCREDITED UNIVERSITY

CHHATTISGARH'S FIRST AND ONLY PRIVATE UNIVERSITY ACCREDITED WITH AN A+ GRADE BY NAAC

Ever Wondered Where Your Curiosity Can lead you?

Why MATS University?

State-of-the-Art Infrastructure

Apple Research Lab

MIG- Aeronautial Lab

Interactive Classroom

Interactive Seminar Hall

"Your Future Deserves an A+ Choose MATS University."

Holistic Development

Yoga & Meditation

Cultural Event

Group Discussion

Sports at Campus

ADMISSION OPEN 2025-26

Diverse Academic Excellence : Over 50 Globally recognized programs

M.Tech.
B.Tech.
Diploma
Admission Help Line : 7389356989, 9109951182
M.B.A.
B.B.A. (Hons.)
Admission Help Line : 9109913111
M.Design (Fashion Design)
B.Sc. (Hons.)
(Fashion Design/ Interior Design)
Admission Help Line : 9109951183

LL.M.
B.A. LL.B.
LL.B.
Admission Help Line : 9109997900
M.Com.
B.Com. (Hons.)
Admission Help Line : 7389376989
M.Sc.
Microbiology/ Chemistry/ Botany/ Zoology
Mathematics/ Forensic Science

M.Lib.I.Sc.
B.Lib.I.Sc.
Admission Help Line : 9109991031
M.A. - Education
B.Ed.
Admission Help Line : 9109951184
B.Sc.
Biotechnology/ Microbiology
Forensic Science/ CBZ/ PCM
PG Dip. in Forensic Science & Criminology
Admission Help Line : 9109991032

M.Sc. Psychology
P.G.D.G.C.
B.Sc. (Hons.) Psychology
Admission Help Line : 7471180268
M.A.
B.A. (Hons.)
Diploma
Admission Help Line : 7880001773

M.C.A.
M.Sc. (CS)
P.G.D.C.A.
B.Sc.
Animation & Graphic Deisgning
B.C.A.
D.C.A.
Admission Help Line : 9109951181
M.A.
B.A. (Hons.)
Admission Help Line : 9752942949

B.Pharmacy
D.Pharmacy
Admission Help Line : 9755199381
M.A. Yoga
B.P.Ed.
P.G.D.Y.Ed.
Admission Help Line : 9755199381
B.S.W.
M.S.W.
Admission Help Line : 9109994500

ACCREDITATION & AFFILIATION

UGC AIU CGPURC AICTE NCTE BCI NAAC PCI

FOR DETAILS CALL : 1800 123 819999

ADMISSION OFFICE : RAIPUR CAMPUS, MATS TOWER, PANDRI, RAIPUR, CG, 492 004
UNIVERSITY CAMPUS : AARANG KHARORA HIGHWAY, AARANG, RAIPUR, CG, 493 441
Tel : 0771 4078995, 96, 98 **Mob:** 9109951184, 9755199381, 9109994500 **Email :** admissions@matsuniversity.ac.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com